आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले भविष्यवाणियां झूठी साबित कर आगे बढ़ रहा भारत - 12

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सभी उत्पादों पर मिलेगा जीएसटी सुधारों का लाभ- 12

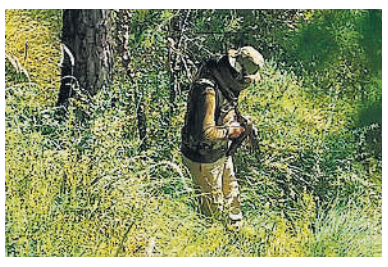

जम्मू-कश्मीर में घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों पर बंकर बना रहे हैं आतंकी - 13

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जैसमीन और मीनाक्षी ने जीता खिताब- 14

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.54

सूर्यास्त 06.13

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष नवमी 01:31 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 15 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 26, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

अमित खरे उपराष्ट्रपति के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को पूर्व नौकरशाह अमित खरे को उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन का सचिव नियुक्त किया। खरे 12 अक्टूबर, 2021 से प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में कार्यरत थे और प्रधानमंत्री कार्यालय में सामाजिक क्षेत्र से संबंधित मामलों का जिम्मा संभाल रहे थे। वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 तैयार करने और लागू करने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। खरे की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए होगी। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने झारखंड कैडर के 1985 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अमित खरे को उपराष्ट्रपति का सचिव नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

छन्नूलाल बीएचयू अस्पताल में भर्ती

वाराणसी। पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र को हृदय संबंधी समस्या के चलते वाराणसी के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदर लाल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पंडित छन्नूलाल मिश्र को सर सुंदर लाल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति स्थिर बताई है। मिश्र की पुत्री नम्रता मिश्र ने बताया कि मिर्जापुर में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें बीएचयू के सर सुंदर लाल अस्पताल रेफर कर दिया। शनिवार की देर रात ही उन्हें अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया।

दिल्ली में सट्टेबाजी गिरोह के छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार में छह लोगों को कथित तौर पर अवैध रूप से क्रिकेट सट्टेबाजी गिरोह संचालित करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को फोन पर मिली सूचना के आधार पर पुलिस के एक दल ने 12 और 13 सितंबर की रात चिल्ला गांव में एक फ्लैट पर छापा मारा और आरोपियों को इंग्लैंड-दक्षिण अफ्रीका मैच पर सट्टा लगाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके से तीन लैपटॉप, 32 मोबाइल, एक जीएसएम डिवाइस, एक एलईडी टीवी और 2,720 रुपये नकद जब्त किए हैं।

मुठभेड़ में माओवादी ढेर, हथियार बरामद

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में रविवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि मृतक की पहचान मुखदेव यादव (40) उर्फ तूफान जी के रूप में हुई है, जो प्रतिबंधित माओवादी गुट टीएसपीसी का स्वयंभू सब-जोनल कमांडर था। आईजी (अभियान) माइकल राज एस ने बताया कि मनातू और तरहसी की सीमा पर स्थित वन क्षेत्र में आज सुबह मुठभेड़ शुरू हुई, बाद में वहां से एक नक्सली का शव, एक राइफल, एक पिस्तौल और 146 कारतूस बरामद किए गए। मुखदेव यादव चार सितंबर को पलामू में हुई दो सुरक्षाकर्मियों की हत्या में भी शामिल था।

जमीन हड़पने और जनसांख्यिकी बदलने की साजिश नहीं होने देंगे कामयाब : मोदी

असम में बोले प्रधानमंत्री, कांग्रेस सेना के बजाय आतंकवादियों को दे रही समर्थन

मंगलदोई (असम), एजेंसी

असम के नुमालीगढ़ में एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन करने के बाद जानकारी लेते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस देश की सेना का समर्थन करने के बजाय पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों का समर्थन कर रही है। मोदी ने असम में दरांग जिले के मंगलदोई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर घुसपैठियों और राष्ट्र-विरोधी ताकतों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भाजपा घुसपैठियों को जमीन हड़पने नहीं देगी और न ही जनसांख्यिकी बदलने की उनकी साजिश को कामयाब होने देगी।

मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस भारतीय सेना का समर्थन करने के बजाय पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवादियों का समर्थन करती है। कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने वाले हमारे सशस्त्र बलों का समर्थन करने के बजाय घुसपैठियों और राष्ट्र-विरोधी ताकतों को बचाने में लगी रही। मोदी ने कहा कि मां कामाख्या के आशीर्वाद से ही 'ऑपरेशन सिंदूर' सफल हुआ है और इस पावन भूमि पर आकर उन्हें गौरव महसूस हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार रात उन्हें एक वीडियो दिखाया था, जिसमें कांग्रेस के एक पूर्व अध्यक्ष यह कहते हुए दिखाई दे रहे थे कि 'भाजपा गायकों और नर्तकों का सम्मान कर रही है'।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी 2019 में भाजपा द्वारा भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने के बाद की गई थी। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि 1962 में चीन के आक्रमण के दौरान जवाहरलाल नेहरू द्वारा असम के लोगों को दिए गए घाव अब तक भरे नहीं हैं और भूपेन हजारिका का यह अपमान घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। मोदी ने कहा कि भूपेन दा के इस अपमान से मुझे बहुत दुख हुआ लेकिन जनता मेरी मालिक है और वही जवाब देगी कि इस महान गायक को भारत रत्न देकर भाजपा ने सही किया या गलत।

मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अतिक्रमण की गई भूमि से घुसपैठियों को बाहर निकालने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रशंसा की कि किसान अब इन भूखंडों पर खेती कर सकेंगे। उन्होंने दावा किया कि जिन भूमियों पर कभी अवैध कब्जा था, वहां अब किसानों और स्थानीय लोगों के हाथों से कृषि क्रांति आ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा घुसपैठियों को जमीन हड़पने, महिलाओं और लड़कियों का अपमान करने और जनसांख्यिकी बदलने की साज़िश नहीं करने देगी।

नुमालीगढ़ में बांस आधारित इथेनॉल संयंत्र का किया उद्घाटन

नुमालीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में 5,000 करोड़ रुपये की लागत वाले बांस आधारित इथेनॉल संयंत्र का रविवार को उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि बांस के पौधे के सभी हिस्सों का इस्तेमाल करने वाला यह संयंत्र शून्य अपशिष्ट पैदा करेगा और इससे राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को 200 करोड़ रुपये का बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने दरांग जिले के मंगलदोई में 6,300 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

छात्रवृत्ति में लापरवाही पर सरकार हुई सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विस्तृत रिपोर्ट तलब, दोषी अफसरों पर होगी कार्रवाई
- दोबारा खुलेगा छात्रवृत्ति पोर्टल तैयार किया गया प्रस्ताव

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल से छह लाख छात्रों के हक में हरी झंडी दिखाई जाएगी। इतना ही नहीं शुल्क भरपाई से वंचित छात्रों को न्याय दिलाने के लिए दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों पर भी गाज गिरेगी। कैबिनेट में रखे जाने के लिए समाज कल्याण विभाग ने छात्रवृत्ति पोर्टल दोबारा खोले जाने का प्रस्ताव तैयार किया है। वंचित छात्रों में साढ़े तीन लाख से अधिक विद्यार्थी अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ा वर्ग के भी हैं। सभी के लिए 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी की गई है।

दरअसल, वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधिकारियों और शैक्षणिक संस्थानों की लापरवाही से छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित विद्यार्थियों को जल्द उनका हक दिलाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग और उच्च शिक्षा से संबंधित 100 से अधिक अधिकारी ही नहीं अल्पसंख्यक कल्याण और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से जुड़े अधिकारी भी चिन्हित किए गए हैं जिन पर विभागीय कार्रवाई संभव है। मसला उठने के बाद सरकार की ओर से इस मामले में कवायद तेज की गई है। पूरे प्रकरण को लेकर वाराणसी, बिजनौर, कन्नौज, औरेया, सीतापुर, बलिया, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, प्रतापगढ़, अयोध्या, बहराइच और रायबरेली के संबंधित जिला समाज कल्याण अधिकारियों और संबंधित लिपिकों को प्रतिकूल प्रविष्टी दे दी गई है। जबकि, बरेली के विभागीय कार्यालय बाबू को निलंबित किया गया था।

छात्रवृत्ति में फर्जीवाड़ा रोकने की भी तैयारी

लखनऊ। छात्रवृत्ति योजनाओं में फर्जीवाड़े को रोकने के लिए भी एक आधुनिक एकीकृत पोर्टल तैयार हो रहा है। समाज कल्याण विभाग को यह जिम्मेदारी मिली है। इस व्यवस्था में मोबाइल एप रियल टाइम नोटिफिकेशन और ऑनलाइन दस्तावेज़ जांच जैसे विकल्प होंगे। फेस रिकाग्निशन भी लागू होगी।

प्रदेश के स्कूलों में अब हर रविवार को होगा श्रमदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इस पहल से छात्रों को अनुशासन और जिम्मेदारी की मिलेगी सीख

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब प्रत्येक रविवार श्रमदान अभियान चलाने की योजना लागू की गई है। राज्य सरकार की इस अनूठी पहल का उद्देश्य छात्रों में अनुशासन, सहयोग व जिम्मेदारी के भाव को विकसित करना है। इसकी शुरुआत सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में श्रमदान से की गई है। ऐसे में विद्यार्थी श्रमदान से विद्यालय और छात्रावास को सजाएंगे।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देने के लिए समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने अनूठी पहल की है।

उनके निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में रविवार से श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुशासन, सहयोग और श्रम के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ते हुए उन्हें जिम्मेदार व कर्मठ नागरिक बनाना है।

पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप

- मणिपुर अरुणाचल बंगाल में भी लगे झटके

गुवाहाटी। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया और इसका केंद्र उदालगुड़ी जिले में पांच किमी की गहराई में था। असम के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए। मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों, पश्चिम बंगाल के उत्तरी जिलों और कोलकाता में भी तेज झटके लगे।

विज्ञान-प्रौद्योगिकी की भाषा बने हिंदी : शाह

गांधीनगर, एजेंसी

- केंद्रीय गृहमंत्री बोले-हिंदी का दूसरी भाषाओं से टकराव नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई टकराव नहीं है और यह केवल बोलचाल की भाषा न रहकर, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, न्यायपालिका और पुलिस की भाषा भी बननी चाहिए।

पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारतीयों को अपनी भाषाओं को संरक्षित करना चाहिए और उन्हें अमर बनाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों से उनकी मातृभाषा में बात करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई संघर्ष नहीं है। दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, केएम मुंशी, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे विद्वानों ने हिंदी को अपनाया और इसका प्रचार-प्रसार किया। गुजरात, जहां गुजराती और हिंदी सह-अस्तित्व में हैं, दोनों भाषाओं के विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हिंदी केवल एक बोली या प्रशासन की भाषा नहीं है। हिंदी को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, न्याय और पुलिस की भी भाषा बनना चाहिए। जब ये सभी कार्य भारतीय भाषाओं में होंगे, तब जनता से जुड़ाव स्वतः ही स्थापित हो जाएगा। शाह ने कहा कि संस्कृत ने हमें ज्ञान की गंगा दी और हिंदी ने इस ज्ञान को हर घर तक पहुंचाया और यह ज्ञान स्थानीय भाषाओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों से सदैव उनकी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यह बच्चे के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि कई मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाशास्त्रियों ने यह माना है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में सोचता है।

भाषाओं को सशक्त बनाने में तकनीक का इस्तेमाल

केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थानीय भाषाओं को तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाने का काम किया है और गृह मंत्रालय ने भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना की है, जो हिंदी और अन्य भाषाओं को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम विज्ञान और तकनीक का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। शाह ने कहा कि गुजरात में शिक्षा में हिंदी को स्थान मिला है और यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि महात्मा गांधी, दयानंद सरस्वती जैसे नेताओं ने लोगों से आग्रह किया कि वे एक-दूसरे से हिंदी में संवाद करें और सभी राज्यों में हिंदी को बढ़ावा दें। इसके परिणामस्वरूप, गुजरात का कोई भी बच्चा देश में कहीं भी जाकर व्यापार कर सकता है।

घर में चर्च, कराते थे धर्मांतरण, दो पकड़े

संवाददाता, रोजा/शाहजहांपुर

- शाहजहांपुर में हिन्दू संगठन ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : मोहल्ला नई बस्ती में एक घर में अवैध रुप से चर्च बनाकर धर्मांतरण के लिए उकसाने का मामला सामने आया है। यहां एक महिला समेत दो लोग प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए लोगों को बरगला रहे थे। हिन्दूवादी संगठनों ने मौके पर पहुंचकर विरोध किया।

पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया और रिपोर्ट दर्ज कर उनसे पूछताछ कर रही है। चौक कोतवाली के आवास विकास कॉलोनी निवासी और हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष अभिषेक तिवारी ने रामचंद्र मिशन थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसके पास शिकायत आई कि हरजीत उर्फ हनकू निवासी तारीन गाड़ीपुरा थाना रामचंद्र मिशन और सुनीता सिंह निवासी नई बस्ती रेती थाना रामचंद्र मिशन कुछ समय से मोहल्ला नई बस्ती रेती में बिना अनुमति के अवैध चर्च संचालित कर रहे है। दोनों यहां से स्थानीय लोगों को प्रलोभन देकर जबरन धर्मांतरण कराते हैं। रविवार को हिन्दू युवा वाहिनी महानगर टीम एवं विश्व हिन्दू रक्षा सेना की टीम नई बस्ती रेती में स्थित अवैध चर्च पहुंची जहां अवैध धार्मिक गतिविधियां चल रही थीं। संगठन को अवैध चर्च में धार्मिक किताबें और भड़काऊ पर्चे, प्रार्थना किताब एवं डायरियां मिली हैं। संगठन के कार्यकर्ताओं ने मौके के वीडियो बनाए। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

रक्षा खरीद के लिए नए ढांचे को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के लिए खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, सरल और युक्तिसंगत बनाने के लिए एक नए ढांचे को मंजूरी दी है। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि रक्षा खरीद नियमावली (डीपीएम) 2025 का उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच एकजुटता को बढ़ावा देना और राजस्व खरीद के लिए त्वरित निर्णय प्रक्रिया के माध्यम से सैन्य तैयारियों के उच्चतम स्तर को बनाए रखने में मदद करना है।

शाहजहांपुर में बच्ची को जिंदा दफनाया

संवाददाता, जैतीपुर (शाहजहांपुर)

- ग्रामीणों की सूझबूझ से बची मासूम की जान, हालत गंभीर

अमृत विचार : क्षेत्र में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। किसी ने एक सप्ताह की बच्ची को मिट्टी में दबाकर मरने के लिए छोड़ दिया लेकिन ग्रामीणों की सतर्कता से उसकी जान बच गई।

रविवार सुबह करीब 9 बजे गौहावर मढ़ी के सामने भुड़िया मार्ग पर नदी किनारे मिट्टी में दबी एक नवजात बच्ची रोते मिली। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बच्ची को मिट्टी से निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

गौहावर निवासी डब्लू सुबह टहलने के लिए निकले थे। तभी उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। पास गए तो मिट्टी में दबा एक नवजात शिशु दिखाई दिया, एक हाथ मिट्टी से बाहर दिख रहा था। शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण जुट गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। एसआई इतेश तोमर ने मिट्टी खोदकर बच्ची को बाहर निकाला। बच्ची कराह रही थी, उसका एक हाथ जख्मी था। जंगली जानवरों ने पंजा नोच लिया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्टॉफ नर्स प्रज्ञा सिंह ने बताया बच्ची करीब एक सप्ताह की है, उसका नाल कटा हुआ है। बच्ची ने नए कपड़े पहने हुए थे और माथे पर टीका भी लगा था। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बताया कि पुलिस जांच में जुटी है।

जयपुर में भीषण कार हादसे में खत्म हो गए दो परिवार

जयपुर, एजेंसी

- पानी से भरे अंडरपास में गिरी कार, सात लोगों की मौत
- हरिद्वार में रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित कर लौट रहे थे

जयपुर में शनिवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर रिंग रोड से नीचे पानी से भरे अंडरपास में गिर गई। हादसे में कार में सवार दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मारे गए लोग दो परिवारों के सदस्य हैं।

यह दुर्घटना शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में प्रह्लादपुरा के पास हुई। एक तेज रफ्तार कार रिंग रोड से लगभग 16 फुट नीचे अंडरपास में गिरी जिसमें पानी भरा हुआ था। रविवार दोपहर सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार टैक्सी चालक रामराज, कालूराम और उनके परिवार के सदस्य एक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने हरिद्वार गए थे और जयपुर लौट रहे थे।

शिवदासपुरा के थानाधिकार सुरेंद्र सैनी ने कहा कि मृतकों की पहचान वाटिका सांगानेर निवासी रामराज वैष्णव, उनकी पत्नी मधु, उनके बेटे रुद्र के रूप में हुई है। इसके अलावा रामराज के रिश्तेदार कालूराम, कालूराम की पत्नी सीमा, उनके बेटे रोहित और गजराज की भी हादसे में मौत हो गई जो केकड़ी अजमेर के रहने वाले थे।

दो फर्जी कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने महाराष्ट्र के नासिक में दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है जो स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाए जा रहे थे।

सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 11 सितंबर को चार व्यक्तियों और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नामजद लोग नासिक में स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दो अवैध कॉल सेंटर चला रहे हैं और ब्रिटिश नागरिकों से बीमा एजेंट या सरकारी अधिकारी बन कर ठगी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अवैध सेंटरों को चलाने वाले आरोपियों की पहचान गणेश और श्याम कामनकर के रूप में हुई है।

ब्रह्मांड के रहस्य

नए चांद को वैज्ञानिकों ने दिया है क्वासी-मून 2025 पीएन 7 नाम

पृथ्वी का एक और नन्हा चन्द्रमा, 6 दशक से कर रहा परिक्रमा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : वैज्ञानिकों ने पृथ्वी का एक और नया चन्द्रमा खोज निकाला है। यह बहुत ही छोटे आकार का नन्हा चांद है। इसको क्वासी-मून 2025 पीएन7 नाम दिया गया है। हवाई स्थित पैन स्टार्स ऑब्जर्वेटरी ने इसकी वास्तविकता का पता लगाया है, जो पिछले करीब 60 साल से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है।

ब्रह्मांड के रहस्य भी अजूबे हैं, अनंत गहराइयों में न जाने कब कोई हैरत में डाल देना वाला रहस्य सामने आ जाए, इसके बारे में कहा नहीं जा सकता है। अब ऐसा ही एक नया रहस्य चांद के रूप में हमारे सामने आया है। खगोलविदों के अनुसार, यह पृथ्वी का अस्थायी चंद्रमा है, जो पिछले लगभग 60 वर्षों से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। इसका आकार अर्ध चंद्रमा की तरह है। अमेरिका के पैन स्टार्स ऑब्जर्वेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार, यह चंद्रमा छिपकर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा था। यह अर्ध चंद्रमा की तरह हैं जिसकी चमक इतनी फीकी है कि इसे देख पाना भी आसान नहीं है। इसका परिमाण यानी चमक 26 आंकी गई है जिसे शक्तिशाली दूरबीन की मदद से ही देखा जा सकता है। इसका आकार भी बहुत छोटा है, जो मात्र 19 मीटर (62 फीट) व्यास का है।

निकट भविष्य में इसके कुछ और रहस्य होंगे उजागर

दरअसल यह एक क्षुद्रग्रह है, जिसकी अपनी कक्षा है और करीब छह दशक से अपनी ऑर्बिट में रहकर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है और भविष्य में भी कुछ वर्ष पृथ्वी की परिक्रमा करता रहेगा जिस कारण इसे पृथ्वी का दूसरा चंद्रमा कहा जा सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इसे देखने की हसरत हर किसी को होगी, लेकिन इसे देखने के लिए अधिक शक्तिशाली दूरबीन की मदद लेनी होगी। बहरहाल इसके बारे में अध्ययन जारी हैं। निकट भविष्य इसके कुछ और रहस्य उजागर होंगे।

रोमांचक है नए चंद्रमा की खोज

नैनीताल। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, तो ब्रह्मांड की नई-नई जानकारियां भी उजागर होती जा रही हैं। नया चांद क्वासी मून 2025 पीएन7 इसका ताजा उदाहरण है, जो रोमांचक खोज है और भविष्य में इस तरह की रोचक जानकारियां सामने आती रहेंगी।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 15 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

22 डॉक्टरों को मिलेगा पुरानी पेंशन का लाभ

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 28 मार्च 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष राज्य कर्मचारी बीमा अस्पतालों में ज्वाइन करने वाले 22 चिकित्सकों को पुरानी पेंशन मिलेगी। शासन द्वारा सभी चिकित्सकों के नाम की सूची के साथ संबन्धित निर्देश जारी कर दिए हैं। श्रम विभाग के प्रमुख सचिव डॉ .एम के शनमुगा सुंदरम द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उप्र . रिटायरमेंट बेनीफिट्स रूल्स 1961 के प्रविधान, और कर्मचारी राज्य बीमा योजना, कानपुर के पत्र अंतर्गत चिकित्सकों को पुरानी पेंशन से आच्छादित किया गया है। इनमें से कई ने स्वैच्छिक सेवानिवृत ले ली हैं, उन्हें भी पुरानी पेंशन का लाभ देय होगा, इसके अलावा जो कार्यरत हैं उन्हें नियमानुसार लाभ मिलेगा।

स्वच्छ उत्सव मनाएगा वन विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सेवा पर्व के दौरान स्वच्छ उत्सव मनाने की तैयारी वन विभाग ने भी कर रखी है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पर्व में वन विभाग स्वच्छता, सिंगल यूज प्लास्टिक के विरोध समेत पक्षी अभयारण्यों में खर-पतवारों की सफाई करने जैसे अभियानों को अंजाम देगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण आदि विषयों पर जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

अंग्रेजी पर निर्भरता कम की थी : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सभी को हिन्दी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अंग्रेजी पर निर्भरता कम की। प्रचार, प्रसार और सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा दिया। पहले पीसीएस परीक्षायें अंग्रेजी में होती थी। सपा सरकार ने हिन्दी भाषा में भी पीसीएस परीक्षा देने का प्रावधान किया था। हिन्दी के साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। सपा प्रमुख, रविवार को पार्टी मुख्यालय में हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे, इस मौके पर उन्होंने पूर्व सांसद एवं प्रख्यात कवि उदय प्रताप सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

पूर्व सांसद एवं प्रख्यात कवि उदय प्रताप सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

जनप्रतिनिधियों की चिट्ठियों को नजरअंदाज करने वाले अफसर नपेंगे

तमाम निर्देश और पत्राचार के बावजूद लापरवाही पर मुख्यमंत्री योगी सख्त, अफसर-कर्मियों को शासन ने दिया अल्टीमेटम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की चिट्ठियों पर सुस्त प्रतिक्रिया देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने आदेश जारी कर सभी विभागों को चेताया है कि जनप्रतिनिधियों के पत्राचार पर समयबद्ध कार्रवाई न करने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह निर्देश उन जनप्रतिनिधियों की लंबे समय से चली आ रही नाराजगी का परिणाम है, जो 'चिट्ठी लिखो, भूल जाओ' संस्कृति से परेशान थे। अब प्रशासनिक अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों की बात को प्राथमिकता देनी ही होगी। हर पत्र का जवाब देना अनिवार्य होगा, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित होगी। शिथिलता के लिए सीधे अधिकारी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संसदीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव जेपी सिंह ने सभी विभागों के प्रमुख सचिवों व विभागाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। सभी विभागों और जिलों में अब जनप्रतिनिधि पत्राचार रजिस्टर अनिवार्य होगा। प्रत्येक पत्र को रजिस्टर में दर्ज करना और उसकी पावती संबंधित जनप्रतिनिधि को भेजना जरूरी होगा। तय समय-सीमा में कार्रवाई कर सांसद/विधायक को प्रगति से अवगत कराना अनिवार्य किया गया है।

शासनादेश 3 अप्रैल 2018, 21 जनवरी 2021, 7 अप्रैल 2025 और 26 अप्रैल 2025 को पुनः प्रभावी मानते हुए सख्त अनुपालन का निर्देश दिया गया है।

शीतकालीन सत्र में भी उठा था मुद्दा

हाल ही में विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विधायकों ने यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा संदेश देते हुए कहा था कि किसी भी विधायक, सांसद या अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा भेजे गए पत्र की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद सभी विभागों में नीचे से लेकर सचिवालय तक जनप्रतिनिधि पत्राचार रजिस्टर बनाए गए, लेकिन लापरवाही की प्रवृत्ति जारी रही।

मुख्यमंत्री कर सकते हैं हर माह समीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं इस मामले की नियमित समीक्षा करने के संकेत दिए हैं। प्रत्येक माह जिलों से जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए पत्रों की समीक्षा की जाएगी। देखा जाएगा कि किन पत्रों पर समय से कार्रवाई हुई और किन पर टालमटोल की गई। ऐसे मामलों में दोषी अफसरों के खिलाफ निलंबन, प्रतिकूल प्रविष्टि जैसी सख्त कार्रवाई संभव है।

स्वास्थ्य केंद्रों पर 17 से चलेगा अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान में सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। उप मुख्यमंत्री रविवार को सभी जिला अधिकारियों एवं मुख्य चिकित्साधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्होंने बताया कि अभियान में प्रदेश की सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर और जिला स्तरीय अस्पतालों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन होगा।

भगोड़े कैदियों को वापस नेपाल भेजेगी यूपी सरकार

बॉर्डर से सटे जिलों से गिरफ्तार हुए हैं जेल से भागे कैदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पकड़े गए कैदियों को लेकर गाइडलाइन जारी की

अमृत विचार : नेपाल हिंसा का फायदा उठाकर वहां की जेलों से फरार हुए कैदियों को यूपी सरकार वापस भेजेगी। इन कैदियों को प्रदेश के सुरक्षा तंत्र ने नेपाल सीमा पर दबोचा था। नेपाल के भगोड़े कैदी उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड के बॉर्डर से सटे जिलों से गिरफ्तार हुए हैं। ये ऐसे कैदी हैं, जो मादक पदार्थों की तस्करी सहित विभिन्न अपराधों में वहां की जेलों में बंद थे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पकड़े गए इन कैदियों को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। स्पष्ट किया गया है कि ऐसे कैदियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और इन्हें बॉर्डर से ही वापस नेपाल भेज दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश में निगरानी के दौरान एसएसबी और पुलिस ने करीब एक दर्जन ऐसे कैदियों को गिरफ्तार किया है, जो नेपाल की जेल में बंद थे और उन पर कई संगीन मामले नेपाल में दर्ज हैं।

ऐसे कैदियों को प्रदेश में प्रवेश देना है या नहीं, अगर देना है तो इन्हें इनके घर जाने दिया जाए या कहीं और भेजा जाए, इसको लेकर इंटेलिजेंस ब्यूरो ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से गाइडलाइन मांगी थी। इंटेलिजेंस ब्यूरो के सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पकड़े गए इन कैदियों को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। इन कैदियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और इन्हें बॉर्डर से ही वापस नेपाल भेज दिया जाएगा। गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड सरकारों को इस संबंध में स्पष्ट सूचना भेज दी है।

सीमा पर हालात सामान्य की ओर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा पर हालात सामान्य होने लगे हैं। बॉर्डर खोल दिया गया है, जिससे दोनों तरफ के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। सख्त जांच के बाद ही सभी को आगे भेजा जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। इस बीच सीमा पर लगी ट्रकों की कतार भी लगभग समाप्त हो गई। नेपाल में उपद्रव और बॉर्डर सील होने के कारण व्यापारिक गतिविधियां पांच दिन तक ठप रहीं। फिलहाल आवागमन शुरू होने से बॉर्डर पर रौनक लौटी नजर आ रही है।

एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान क्रिकेट मैच के खिलाफ लखनऊ में बीसीसीआई का पुतला फूंकने से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के सदस्यों को रोकती पुलिस टीम।

यूपी की जनता चाहती है रोजगारोन्मुखी शिक्षा

विकसित यूपी 2047 : कानपुर देहात, जौनपुर व प्रतापगढ़ से सर्वाधिक फीडबैक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अबतक करीब डेढ़ लाख फीडबैक में सबसे अधिक ग्रामीणों के सुझाव

अमृत विचार : योगी सरकार द्वारा संचालित ''समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047'' अभियान निरंतर जनभागीदारी और सुझावों के साथ आगे बढ़ रहा है। यूपी में ग्रामीण जनता की पहली मांग कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा है। रविवार तक मिले कुल डेढ़ लाख सुझाव में सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र से एक लाख से अधिक रहे। 75 जिलों में कानपुर देहात, जौनपुर व प्रतापगढ़ से सुझाव सबसे अधिक दर्ज हुए हैं।

रविवार तक प्रदेश के सभी 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने भ्रमण कर छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, उद्यमियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संगठनों, मीडिया और आम जनमानस से संवाद किया। कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, जौनपुर, बलरामपुर, प्रतापगढ़ और फिरोजाबाद जैसे जनपदों से सबसे अधिक भागीदारी रही। इन जिलों से कुल 53,996 से अधिक फीडबैक प्राप्त हुए, जो दर्शाता है कि जनता इस अभियान को गंभीरता से ले रही है।

शिक्षा क्षेत्र पर सबसे अधिक राय

जनता के बीच शिक्षा अब भी सबसे बड़ा मुद्दा है। करीब 50 हजार सुझाव शिक्षा से जुड़े मिले। इसके अलावा नगरीय एवं ग्रामीण विकास से जुड़े करीब 25 हजार, स्वास्थ्य पर 15 हजार से अधिक, समाज कल्याण पर करीब 15 हजार और कृषि क्षेत्र से संबंधित 20 हजार से अधिक सुझाव दर्ज किए गए।

शहरियों ने महंगी निजी शिक्षा पर जताई चिंता

अरुण कुमार द्विवेदी, दीपाली और वैशाली रैना सहित कई प्रबुद्धजनों ने सुझाव दिया कि शिक्षा को कौशल विकास के साथ जोड़ना समय की आवश्यकता है। छात्रों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्कूल पाठ्यक्रम में व्यावसायिक विषयों को शामिल करने और ई-लर्निंग पोर्टल के माध्यम से मुफ्त कौशल विकास कोर्स उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में निजी शिक्षा की बढ़ती लागत से निपटने के लिए सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता और संसाधनों को बेहतर बनाने की आवश्यकता भी बताई गई।

मुख्यमंत्री ने की बढ़ चढ़कर सुझाव देने की अपील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने संदेश में आमजन से 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने हेतु 'विकसित उत्तर प्रदेश' के लिए अपने सुझाव QR code अथवा https://samarthuttarpradesh.up.gov.in पोर्टल के माध्यम से बढ़-चढ़कर देने की अपील की है। योगी ने कहा कि ''विकसित उत्तर प्रदेश 2047'' के लक्ष्य की प्राप्ति को आपके अमूल्य सुझाव हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आप सभी के सुझाव 'समर्थ उत्तर प्रदेश' की संकल्पना की पूर्णता में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

सेवा पखवाड़ा में दिखेगा विकसित भारत का रंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सभी जिलों में चित्रकला प्रतियोगिताएं, मिलेगा नकद ईनाम

अमृत विचार : प्रदेश सरकार सेवा पखवाड़ा में 'विकसित भारत' का रंग भरने जा रही है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सभी जिलों में चित्रकला प्रतियोगिताएं होंगी। संस्कृति विभाग ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देश भेजते हुए राज्य स्तर पर नकद पुरस्कार देने की घोषणा भी की है।

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम की ओर से जारी आदेश किया गया है। प्रतियोगिता में चयनित चित्रों को राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ भेजा जाएगा। वहां से चुनी गई पेंटिंग्स की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के अवसर पर लगाई जाएगी।

पुरस्कार की राशि (प्रत्येक वर्ग में) : प्रथम पुरस्कार : 51,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार : 21,000 रुपये, तृतीय पुरस्कारः 11,000 रुपये।

लखनऊ के जीपीओ पार्क से शुरुआत

17 सितंबर को सूचना विभाग द्वारा लखनऊ के जीपीओ पार्क में एक भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जबकि 18 सितंबर से सभी जिलों में स्थानीय सूचना अधिकारियों के जरिए प्रदर्शनियां कराई जाएंगी। निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रमों की रिपोर्ट ईमेल पर भेजी जाए।

सिनर्जी सिद्धांत पर कार्य करे मीडिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रीय सचिव ने लखनऊ में बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने मीडिया इकाइयों को सिनर्जी के सिद्धांत पर काम करने की सलाह दी है। अपनी सलाह को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सभी मीडिया इकाइयां मिलकर कार्य करें, जिससे सरकार द्वारा जन कल्याण के लिये किये जा रहे विभिन्न कार्यों से आम जनता को अवगत कराया जा सके। केंद्रीय सचिव ने कहा कि दूरदर्शन और आकाशवाणी को अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए उसमें नवाचार को लाने की आवश्यकता है।

अपने लखनऊ दौरे के दौरान केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू।

संजय जाजू ने शनिवार को लखनऊ में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीनस्थ मीडिया इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक की। इस समीक्षा बैठक में पत्र सूचना कार्यालय, केंद्रीय संचार ब्यूरो, दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। केंद्रीय सचिव ने मीडिया इकाइयों द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया तथा विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी हासिल की।

लंपी ग्रस्त मृत गोवंश का डेथ आडिट कराया जाए : शाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : वर्तमान में पशुओं में फैले लंपी रोग से बचाव को लेकर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मृत गोवंश का डेथ आडिट कर मृत्यु का सही कारण ज्ञात किया जाए। साथ ही कहा कि सभी मंडलीय अपर निदेशक ग्रेड- दो, मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद करें।

कृषि मंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक रहे थे। बैठक में उन्होंने कहा कि कोई भी जिला इस रोग से पूर्णतया प्रभावित नहीं है, कहीं-कहीं कुछ केस मिले हैं, जिन्हें प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा रहा है। इससे पशुपालक किसानों को पशुधन हानि से बचाया जा सके। अत्यधिक प्रभावित जिलों को लेकर कृषि मंत्री ने बताया कि देवरिया में एक संयुक्त निदेशक तथा 16 पशु चिकित्सकों की अतिरिक्त टीम बनाकर टीकाकरण एवं इलाज के लिए 7 सितंबर को भेजी गयी। कुशीनगर में भी एक संयुक्त निदेशक और 6 पशु चिकित्सकों की टीम भेजी गयी।

प्रमुख सचिव पशुधन अमित कुमार घोष ने बताया कि वर्तमान में इस रोग से चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर सिद्धार्थनगर, बस्ती, मऊ, संतकबीरनगर और महराजगंज के गोवंश प्रभावित हैं।

एक निजी आयुर्वेदिक कॉलेज प्रतिबंधित आयुष काउंसिलिंग में बचीं 8,428 सीटें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी आयुष यूजी-2025 की प्रथम चरण की काउंसिलिंग जारी

अमृत विचार : प्रदेश में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और यूनानी मेडिकल कालेजों में कुल 8,485 सीटों पर दाखिले के लिए चल रही पहले चरण की काउंसिलिंग में अलीगढ़ स्थित 57 सीट वाले मंगलायतन आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर को आयुष मंत्रालय के निर्देश पर प्रतिबंधित कर दिया गया है। जिसके बाद आयुष काउंसिलिंग में कुल 8,428 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे।

यूपी आयुष यूजी काउंसिलिंग के सचिव एवं होम्योपैथी निदेशक डॉ.प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आयुर्वेद में आठ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बीएएमएस की कुल 502 सीट और निजी क्षेत्र के 81 कॉलेजों की 6151 सीट यानी कुल 6653 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे। इसी प्रकार होम्योपैथी में नौ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बीएचएमएस की 755 सीटें और निजी क्षेत्र के चार मेडिकल कॉलेजों की 330 सीटें यानी कुल 1085 सीटों पर दाखिले लिए जायेंगे। इसके अलावा दो सरकारी यूनानी कॉलेजों में बीयूएमएस की 128 सीटें और निजी क्षेत्र के 10 कॉलेजों की 562 सीटें यानी 690 सीटों पर दाखिले होंगे। डॉ.प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि काउंसिलिंग में 17 सितंबर तक पंजीकरण के साथ धरोहर राशि जमा करायी जाएगी, इसी दौरान प्रपत्रों की जांच करते हुए, 19 सितंबर को मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी, तत्पश्चात 24 सितंबर तक अभ्यर्थियों को मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी और 25 सितंबर को सीट आवंटन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। अगले दिन 26 सितंबर से 7 अक्टूबर 2025 तक नोडल सेंटर पर मूल प्रपत्र जमा कर 9 अक्टूबर तक दाखिले की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

बढ़ते कदम | विकसित यूपी @2047 का विजन देगा टेक्नोलॉजी और युवाओं के सपनों को पंख

वैश्विक क्षमता केंद्रों से सृजित होंगे लाखों रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश अब केवल एक कृषि प्रधान राज्य नहीं, बल्कि एक वैश्विक तकनीकी और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित यूपी @2047 विजन के तहत अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (वैश्विक क्षमता केंद्र) और आईटी हब को राज्य की आर्थिक धमनियों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार की रणनीति है कि लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और कानपुर को वैश्विक आईटी और

टेक्नोलॉजी निवेश के लिए तैयार किया जाए। विशेष रूप से एआई, बॉयोटेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी और एग्रीटेक सेक्टरों को फोकस में रखते हुए लाखों युवाओं के लिए उच्च वेतन वाली नौकरियों के रास्ते खोले जा रहे हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगले दो वर्षों में केवल ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के जरिए एक लाख से अधिक नौकरियां मिलने की संभावना है, जिनका वेतनमान 50 हजार से 1.5 लाख रुपये मासिक तक होगा। यह प्रदेश के तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को अपने प्रदेश में ही वैश्विक स्तर की नौकरी दिलाने की दिशा में बड़ा कदम है।

उद्योग और स्टार्टअप्स को मिलेगा संबल

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और टेक कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, इंफोसिस और टीसीएस जैसी कंपनियों से वार्ता की जा रही है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा को नॉलेज व इनोवेशन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, हेल्थटेक और फिनटेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा।

क्यों भा रहा यूपी

यूपी में विशाल मानव संसाधन का भंडार, मेट्रो, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट से बढ़ती कनेक्टिविटी, निवेश अनुकूल नीति और सस्ती भूमि, मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत निगरानी, स्किल डेवलपमेंट का व्यापक कार्यक्रम

युवाओं के पास करोड़पति बनने का मौका

यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में युवा उद्यमियों को मिलेगा मंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एमएसएमई विभाग युवा उद्यमियों को चिह्नित कर बीटूबी बैठकों में करेगा शामिल

अमृत विचार : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्स्पो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रदेश के युवा उद्यमियों को भी करोड़पति बनने का मौका मिलेगा। उन्हें बिजनेस टू बिजनेस बैठकों और गोलमेज सम्मेलनों में देशी-विदेशी निवेशकों के साथ शामिल होने का अवसर मिलेगा। वे अपने उत्पाद प्रदर्शित कर आर्डर और निवेश हासिल कर सकते हैं।

यूपीआईटीएस-2025 सिर्फ एक व्यापार मेला नहीं, बल्कि 'स्टार्टअप से सक्सेस' की यात्रा का मंच बन रहा है। यह मेला उन युवाओं के सपनों को पंख देगा, जो अपने गांव, कस्बे या शहर से निकलकर दुनिया में पहचान बनाना चाहते हैं। सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत सफल उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का मौका देने जा रही है। युवा उद्यमी अभियान योजना में अभी तक दो लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है, इनमें से 84,426 युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए सरकार ने विभिन्न बैंकों द्वारा 3,431 करोड़ रुपये का ऋण भी वितरित कर दिया गया है। इनमें 60,005 युवक व 24,421 युवतियां शामिल हैं। ऋण लेने वालों में सेवा क्षेत्र के सर्वाधिक 53,045 व उत्पादन क्षेत्र से संबंधित 31,383 युवा शामिल हैं।

एमएसएमई विभाग कर रहा चयन

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग द्वारा ऐसे सफल युवा उद्यमियों को चिह्नित किया जा रहा है जिनके उत्पाद नवाचार से भरपूर हैं और जिनमें वैश्विक प्रतिस्पर्धा की क्षमता है। इन उद्यमियों को व्यापार मेले में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने लाइव डेमो और प्रेजेंटेशन का मौका मिलेगा।

नवाचार को मिलेगा अवसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के होनहार युवा उद्यमियों के उद्यमशील विचारों और उत्पाद नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के सामने प्रस्तुत किया जाए, ताकि उन्हें निर्यात और वैश्विक साझेदारी के अवसर प्राप्त हो सकें।

न्यूज ब्रीफ

अचानक कार में लगी आग, इलाके में हड़कंप

रसूलाबाद। रविवार की सुबह दिल्ली में कैब के रूप में अपनी कार चलाने वाला रसूलाबाद सभा निवादा निवासी डब्बू सिंह सेंगर दिल्ली से लौटा नींद आने पर वह स्नेह लता गुप्ता मेमोरियल डिग्री कॉलेज के समीप छाया में गाड़ी खड़ी करके करके उसकी एसी चलाकर गाड़ी में सोने लगा। इसी दौरान अचानक कार में आग लग गई। संयोग से वह जाग गया और कूद कर बाहर निकल गया। इसलिए उसकी कार तो जल गई किंतु वह बाल बाल बच गया। समझा जाता है कि एसी चलती होने के कारण कार की वायरिंग में शार्ट सर्किट से आग लग गई होगी।

गांव के युवक पर पुत्री को ले जाने का आरोप

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि 13 सितंबर को उसकी पुत्री तिस्ती स्थित वीपीएससी इंटर कॉलेज जा रही थी। रास्ते में गांव का ही एक युवक उसको बहला फुसलाकर कहीं लिवा ले गया। काफी देर तक पुत्री के घर न लौटने पर जब उसने खोज की तो पता चला। तब वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आने आया है। कार्यवाहक थाना प्रभारी राम सिंह ने बताया की तहरीर के आधार पर संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी ।

सड़क हादसे में दर्ज कराया मुकदमा

रसूलाबाद। शनिवार दोपहर को रसूलाबाद बेला रोड पर बालाजी गेस्ट हाउस के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक प्राइवेट बस की टक्कर से बाइक सवार प्रांशु उर्फ पूतन पुत्र राम शंकर और अरविंद कुमार पुत्र शिव कुमार कुशवाहा निवासी सजावरपुर जोत गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिन्हें सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद हैलट कानपुर रेफर किया गया था किंतु अरविंद ने रास्ते में ही चौबेपुर के समीप दम तोड़ दिया। हैलट अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत बताया। रविवार को मृतक के भाई सर्वेश कुमार ने थाने में अज्ञात बस चालक के विरुद्ध इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चार लोग सड़क हादसे में हुए घायल

रसूलाबाद। चीतीपुर रसूलाबाद निवासी जीशान 25, अपनी मां बानो बेगम 55 ,सना 20 पुत्री नईम व असद 8 के साथ एक बाइक पर बिल्हौर निवासी अपने किसी रिश्तेदार के यहां हुए विवाह समारोह से वापस घर लौट रहा था। रसूलाबाद बिल्हौर मार्ग पर सरेया बम्बी के निकट किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे सभी लोग गिरकर घायल हो गए। इसकी सूचना पाकर पुलिस सभी घायलों को सीएचसी रसूलाबाद लाई जहां डॉक्टर सौरभ शाक्य ने उनका उपचार किया है। घायलों में असद ,जीशान व सना की दशा गम्भीर होने के कारण उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया गया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल

रसूलाबाद। रविवार को देर शाम दानी निवादा निवासी दंपति वीर सिंह व उनकी पत्नी सुनीता यादव कहिंजरी से अपने गांव दानी निवादा जा रहे थे इसी दौरान संजय नगर के निकट सैनिक गेस्ट हाउस के समीप सड़क किनारे जा रही संजय नगर निवासी माधुरी राठौर 20 पुत्री जगदीश राठौर से उनकी बाइक टकरा गई। इससे तीनों लोग बाइक सवार दंपति और लड़की घायल हो गए उन्हें सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया है। सीएचसी में डॉक्टर सौरभ शाक्य ने उनका उपचार किया है।

सपा नेताओं ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के प्रांतीय नेता वीरसेन यादव एवं समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार उर्फ बबलू राजा दस्तमपुर गांव पहुंचे। यहां उन्होंने गांव के पूर्व प्रधान व किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष हुकुम सिंह यादव को सांत्वना प्रदान दी। उनकी पत्नी की हाल में गंभीर बीमारी के चलते मृत्यु हुई थी। इसके बाद वह अकबरपुर विकास खंड के ग्राम कुक्छी निवासी राष्ट्रपति पदक हासिल व यादव महासभा कानपुर देहात जिलाध्यक्ष स्व. जिलेदार यादव के घर भी पहुंचे। यहां यादव के निधन पर उन्होंने परिवारीजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान समाजवादी पार्टी की महासचिव पवन कटियार, उदयवीर यादव, जिला पंचायत सदस्य शेखू खान, प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा यदुनंदन यादव विधानसभा अध्यक्ष अकबरपुर रनिया सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बृजमोहन यादव जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह पाल आदि रहे।

मूक-बधिरों से संवाद का दिया गया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। माती स्थित रिजर्व पुलिस लाइन में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता एवं सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में हुआ। इसमें उत्तर प्रदेश बधिर फेडरेशन के अध्यक्ष मोहम्मद फारूख मुख्य ट्रेनर के रूप में उपस्थित रहे। दिव्यांग जनों से व्यवहार को लेकर अहम जानकारियां दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन 23 सितंबर को प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के परिप्रेक्ष्य में हुआ। इसमें मूक-बधिर लोगों की समस्याओं तथा संवाद में आने वाली कठिनाइयों और उनके अधिकारों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को मूक-बधिर व्यक्तियों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में मोहम्मद फारूख ने बधिर समुदाय की सामाजिक, कानूनी और व्यावहारिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। क्षेत्राधिकारी लाइन आलोक कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस विभाग की ओर से दिव्यांगजनों के प्रति समर्पण और संवेदनशीलता का एक हिस्सा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बुनियादी सांकेतिक भाषा, मूक/बधिर व्यक्तियों के साथ व्यवहार के तरीके और उनकी सहायता कैसे की जाए, इस पर व्यावहारिक जानकारी दी गई।

154 बरस से टूट रहा धनुष, मारा जा रहा 'अत्याचारी'

हनुमान गुप्ता, कानपुर देहात

- अकबरपुर की ऐतिहासिक रामलीला में आईं कई बाधाएं, नहीं रुकी लीला
- शिव बारात के शहर भ्रमण के साथ गुरुवार से प्रारंभ हो जाएंगे कार्यक्रम

प्रभु के बाल्यकाल की लीलाओं के लिए सज रहा अयोध्यापुरी मैदान। अमृत विचार

अमृत विचार। बात साल 1870 की है। अकबरपुर के कुछ लोगों ने मिलकर यहां प्रभु श्रीराम की लीलाओं का मंचन शुरू कराया। क्रम अनवरत चला। पुराने छूटे और नए लोग जुड़ते रहे। बीच में व्यवहारिक बाधाएं और प्राकृतिक आपदाएं आईं मगर लीला के मंचन में एक दिन का भी ठहराव नहीं आया। इस बार लीला का 155वां वर्ष है। आयोजन के लिए पूरी कमेटी को दोबारा मौका दिया गया है। भव्य शिव बारात के साथ 18 सितंबर से कार्यक्रमों का श्रीगणेश हो जाएगा।

जानकार कहते हैं कि अकबरपुर सरीखी पुरानी रामलीला यूपी क्या, पूरे देश में शायद ही कहीं होती हो। देश के अलग-अलग मंचों पर अक्सर इसका जिक्र होता आया है। यूनेस्को में भी इसके नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। माना जा रहा कि नामित हो जाने के बाद यहां की रामलीला विश्व पटल पर नए आयाम स्थापित करेगी। लीला की एक और बड़ी विशेषता है। यहां एक नहीं, तीन जगहों पर लीला होती है। बाल लीलाओं का मंचन अयोध्यापुरी मैदान पर होता है जबकि धनुषभंग और सीता स्वंवर जनकपुरी मैदान पर। रावण के साथ भगवान के युद्ध की लीला रूरा रोड पर स्थित लंकापुरी मैदान पर होती है। यहीं मेला, दंगल भी लगता है।

इस बार गुरुवार,18 सितंबर को भव्य शिव बारात के साथ लीलाएं प्रारंभ हो रहीं। आयोजन के लिए समिति 2024 वाली ही है।

कहिंजरी में रामलीला की तैयारियां शुरू

■ **रसूलाबाद।** कहिंजरी में श्री रामलीला दशहरा कमेटी की खुली बैठक रविवार को हुई। कमेटी के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम को लेकर रामलीला मैदान की साफ सफाई, टेंट, कलाकारों के रुकने की व्यवस्था तथा खान-पान एवं आयोजन की रूपरेखा तैयार कर प्रबंधक के समक्ष रखी गयी। कमेटी में सर्व सम्मति से रामलीला का आयोजन दस दिनों के लिए करवाने का प्रस्ताव पास हुआ। कमेटी प्रबंधक उमाकांत शुक्ला ने बताया कि दशहरा रामलीला का आयोजन प्रदेश के ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा करवाया जाएगा। बैठक में कमेटी अध्यक्ष रविकांत शुक्ला छुटकू ने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार हो चुकी है। मेला मैदान की साफ-सफाई का कार्य चल रहा है। लीला का प्रारंभ भीखदेव बाजार स्थित रामशाला से 27 सितंबर पंचमी से प्रारंभ होकर 6 अक्टूबर तक चलेगा। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारियों सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहेंगे।

डंपर में घुसा ऑटो, दो की थमीं सांसें, तीन लोग गंभीर घायल

कानपुर-औरैया हाईवे पर रायपुर के पास आगे चल रहे डंपर के ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

संवाददाता, रनियां

हाईवे पर हादसे के बाद पलटा पड़ा ऑटो, रेंगते वाहन। अमृत विचार

अमृत विचार। रनियां थाना क्षेत्र के रायपुर बंबा के निकट रविवार शाम को राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दी। इससे पीछे आ रहा तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर डंपर में घुसकर पलट गया। हादसे में एक महिला व सेवानिवृत चीफ फार्मासिस्ट की मौत हो गई। जो पीसीएस अधिकारी डॉ. पूमन के पिता हैं। जबकि तीन घायल मेडिकल कॉलेज में उपचाररत हैं। इधर घटना के बाद कानपुर झांसी लेन पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा।

सोमी देवी।

रूरा थाना निवासी विमल चंद्र पांडेय अपनी पत्नी सोमी देवी (68) के साथ अपने साढू काशी प्रसाद त्रिवेदी के यहां केशव नगर के नौबस्ता भोज में गए थे। दंपति वहां से अपने घर वापस जा रहे थे। उनके अलावा ऑटो में अकबरपुर माती रोड गौतम बुद्ध नगर निवासी महेश प्रसाद गौतम (74) भी थे। वह पीसीएस अधिकारी पूनम गौतम के पिता थे। वहीं राजपुर के दमनपुर निवासी शैलजा पत्नी अरुण कुमार उनकी बेटी और अकबरपुर के मिलकिया गांव की रहने वाली सीता भी ऑटो पर सवार थीं। ऑटो कानपुर से अकबरपुर की ओर आ रहा था। रायपुर बंबा पर आगे जा रहे डंपर ने अचानक ब्रेक मार दी। इस कारण ऑटो उसमें जा टकराया। कुछ देर लहराने के बाद वह हाईवे पर पलट गया।

ऑटो पलटते ही सवारियों में कोहराम मच गया। लोग काफी दूर जा गिरे। सड़क से सिर टकराने के कारण तीन लोगों का बहुत अधिक रक्तस्राव हुआ। घटना की सूचना पर पहुंचे इंस्पेक्टर रनियां एसएन सिंह ने एंबुलेंस से घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने ऑटो सवार रूरा निवासी सोमी देवी व गौतम बुद्ध नगर अकबरपुर निवासी महेश प्रसाद गौतम को मृत घोषित कर दिया। वहीं शैलजा और उसकी बेटी, सीता व विमल चंद्र का उपचार मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। विमल चंद्र ने बताया कि वह एक शिक्षक से रिटायर्ड थे। रविवार की सुबह वह अपने साढू के यहां गया भोज में नौबस्ता के केशव नगर गए थे। इस संबंध में थानाध्यक्ष एसएन सिंह ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम व घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा है। घटनास्थल से ऑटो चालक फरार है, तलाश की जा रही है।

चार बच्चों को पढ़ा लिखाकर बनाया काबिल, बेटी पीसीएस

■ **कानपुर देहात।** रविवार की शाम दुर्घटना में जान गवाने वाले महेश प्रसाद गौतम यहां एमपी गौतम के नाम से मशहूर थे। वह स्वास्थ्य विभाग में चीफ फार्मासिस्ट के रूप में सेवारत रहे। सरकारी सेवा में होने के बावजूद वह सामाजिक रहे। मिलने वाले हर जरूरतमंद की उन्होंने मदद की। सेवा निवृत्ति के बाद भी वह सामाजिक रहे। एक बार प्रधानी का चुनाव भी लड़े। जीवन में उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर भरपूर ध्यान दिया। बच्चों ने उनकी उम्मीदें पूरी भी की। बड़ी बेटी नीलम टीचर बनीं। बेटा वन विभाग में चयनित हुआ तो छोटी बेटी डॉ. पूनम ने पीसीएस क्वालीफाई किया। वह सदर तहसील की एसडीएम भी रहीं। छोटा बेटा नोएडा में एक बड़ी कंपनी में बड़े ओहदे पर है। रविवार को पिता की मृत्यु की खबर लगी तो सभी में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग जिला अस्पताल पहुंचे। देर शाम डीएम कपिल सिंह भी पहुंचे और शोक संतप्त परिवारी जनों को सांत्वना प्रदान की।

महेश प्रसाद गौतम।

शतचंडी यज्ञ के साथ 22 सितंबर से शुरू होगा महामहोत्सव

संवाददाता, रसूलाबाद

- रसूलाबाद के श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में 2 अक्टूबर तक होंगे विविध आयोजन
- 22 से प्रतिदिन रासलीला, 23 को भगवती जागरण व 2 अक्टूबर को रावण पुतला दहन

अमृत विचार। श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में आयोजित वार्षिक महामहोत्सव एवं शारदीय नवरात्रि महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। भव्य पंडाल के निर्माण कार्य शुरू हो गया और आयोजन समिति की टीम द्वारा ग्रामीण इलाकों में घर-घर जाकर अब तक 600 बोरी से अधिक गेहूं एकत्र कर लिया गया है।

कानपुर देहात सहित कई जिलों में लोगों की आस्था के प्रतीक श्री धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले श्री धर्मगढ़ बाबा वार्षिक महामहोत्सव एवं शारदीय नवरात्र महोत्सव की तैयारियां तेजी से चल रहीं। 22 सितंबर से श्री दुर्गा शतचंडी महायज्ञ, श्रीमद् भागवत कथा व जवाबी कीर्तन के साथ कार्यक्रम आरंभ होंगे। 23 सितंबर की रात को मां भगवती जागरण के साथ-साथ प्रतिदिन 22 सितंबर से एक अक्टूबर तक भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं (रासलीला) का मंचन होगा। विजयदशमी पर 2 अक्टूबर को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की भव्य व दिव्य शोभा यात्रा द्वारा नगर भ्रमण करने के बाद विशाल रावण पुतला दहन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। दशहरा की रात को उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा धनुष यज्ञ लीला का मंचन किया जाएगा। 3 अक्टूबर को भारत मिलाप, राम राज्य अभिषेक के साथ-साथ अखिल भारतीय कविसम्मेलन का भी आयोजन होगा।

महोत्सव की तैयारियों को लेकर श्री धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल के पदाधिकारी सोनूपांडेय, विकास बाजपेई, बउवन चौरसिया, महेंद्र यादव , पूर्व चेयरमैन रामू गुप्ता, विपिन मिश्रा, प्रहलाद बाबू गुप्ता, रामू मिश्रा, उमेश गुप्ता ज्वेलर्स, मीनू सिंह सिसोदिया, गोपाल मिश्रा ,पंकज सिंह, वीरू कुशवाहा ,अंबर सिंह, घनश्याम शुक्ला, राजू राठौर समेत अन्य पदाधिकारी करीब एक माह से रसूलाबाद क्षेत्र के भ्रमण पर हैं। डूडामहुआ , मलखानपुर, उसरी, बिलहा ,महेरा , कठरा , भारामऊ, बैरीसाल, जोत, मेघजाल , नारखुर्द, नारखास, भवनपुर ,दशहरा ,दया , बुझवा यादवनगर, लहरापुर समेत अन्य ग्रामों के प्रत्येक घरों में जाकर कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अन्नदान एकत्र किया गया है। श्री धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल के मीडिया प्रभारी संजय मिश्रा ने बताया कि अब तक अन्नदान एकत्र करने वाली टीम के द्वारा करीब 600 बोरी गेहूं एकत्रित किया जा चुका है। इस वर्ष श्री धर्मगढ़ बाबा महोत्सव में करीब 45-50 लाख रुपये व्यय होने का अनुमान है।

धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में तैयार हो रहा भव्य पंडाल। अमृत विचार

पीएम किसान निधि में करीब नौ हजार किसानों का डाटा संदिग्ध

संवाददाता, शिवली

- कृषि मंत्री की पाटशाला में अखिलेश यादव व राहुल गांधी पर कटाक्ष
- कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों के साथ की वार्ता, दिए सुझाव

केवीके दिलीपनगर में किसानों से बातचीत करते कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही।

अमृत विचार। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार की छुट्टी के दिन जिले के दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों को उर्वरक का उपयोग खेत की जरूरत के हिसाब से करने की सलाह दी। साथ ही कृषि व पशु पालन के बहाने राजनीतिक विरोधियों सपा व कांग्रेस के बड़े नेताओं पर भी निशाना साधा। कृषि विभाग ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना में 8 हजार 8 सौ पंद्रह किसानों का डाटा संदिग्ध पाया गया है। इनके सत्यापन कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को कृषि मंत्री ने दिए।

कृषि मंत्री को गाऊपुर गांव के गोपालक किसान फूल सिंह ने गो उत्पादों से बनाए विभिन्न उत्पाद दिखाए। साथ ही कहा कि उसने खेती में उर्वरक का प्रयोग बंद कर दिया। सहतावनपूर्वा के किसान छुन्ना, भेवान के अनुराग बाजपेई, फंदा के सुनील कुमार ने अपनी अपनी सफलता की बात किसानों को बताई। कृषि मृदा वैज्ञानिक खलील खान व निमिषा अवस्थी ने भी किसानों की समस्याओं पर निस्तारण के उपाय बताए। कृषि मंत्री ने आवारा पशुओं के सवाल पर किसानों से पूछा अखिलेश यादव जब मुख्यमंत्री थे।तब कितनी गोशालाएं बनवाई। साथ ही लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह मशीनों से आलू पैदा करेंगे। किसानों को प्रगति शील बनकर अपनी आमदनी बढ़ानी होगी। इस मौके पर संयुक्त कृषि निदेशक देव शर्मा, उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव, निदेशक शोध पीके सिंह, निदेशक कृषि प्रसार आरडी मंडल, केवीके प्रभारी अजय कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता मौजूद रहे।

मंत्री ने पनीर छोड़ खाई लौकी की सब्जी

■ कन्नौज से लौटकर जिले के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पहुंचे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दोपहर का भोजन किया। उन्होंने पनीर की सब्जी छोड़कर लौकी और तरोई की सब्जी खाई इसका उल्लेख किसानों के बीच में भी किया। कहा कि आलू में उर्वरक का उपयोग बहुत किया जाता है। साथ ही पनीर केमिकल युक्त बनाया जा रहा है। इसलिए वह आलू और पनीर नहीं खाते है। उन्होंने कहा कि दाल चावल बटुली में बनाना चाहिए।

घास खड़ी देख हुए नाराज, अकर्मण्यता बताया

■ कृषि विज्ञान केंद्र का स्थलीय निरीक्षण पहुंचे कृषि मंत्री ने कुछ हिस्से में धान की फसल के अलावा सारे खेत खाली देख निराशा जताई। कहा कि इससे बड़ी अकर्मण्यता क्या हो सकती है। इस पर कृषि विज्ञान केंद्र के जिम्मेदारों ने बताया कि ट्रैक्टर व नलकूप की व्यवस्था सही न होने से दिक्कत आती है। कृषि मंत्री कानपुर नगर के जिला कृषि अधिकारी अमर सिंह के ऊपर बहुत खफा नजर आए। अनुपस्थित देखकर उनको प्रतिकूल प्रविष्टि देने की बात कही। इस पर कानपुर नगर के उप कृषि निदेशक प्रसार आया वर्मा ने बताया कि वह कुछ दिन पूर्व ही निलंबित हो चुके है। इस पर मंत्री बोले बहुत लापरवाह है।

मेघजाल गांव में अन्नदान एकत्र करने के बाद प्रचार सामग्री देते समिति के पदाधिकारी।

बैठक | रामपुर निटर्रा गांव की साधन सहकारी समिति करीब दस साल से निष्क्रिय

किसानों के लिए मॉल से कम नहीं थीं सहकारी समितियां

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

साधन सहकारी समिति को दोबारा सक्रिय को बैठक करते लोग।

- स्थानीय लोगों ने बैठक कर समिति को पुनर्जीवित कराने का लिया संकल्प

अमृत विचार। एक समय था जब गांवों की साधन सहकारी समितियां किसानों और ग्रामीणों के लिए शॉपिंग मॉल जैसी थीं। यही वह जगह थी जहां बीज, खाद, डीज़ल, कीटनाशक और रोज़मर्रा की ज़रूरतों का सामान भरोसे के साथ मिलता था। अब ऐसा नहीं रहा। अव्यवस्थाओं के कारण जरूरत मंदों को इसका समुचित लाभ नहीं मिलता।

रामपुर निटर्रा गांव की साधन सहकारी समिति करीब दस बरस से निष्क्रिय है। इसे पुनः संचालित कराने की कोशिश जारी है। इसी परिप्रेक्ष्य में रविवार को दनियापुर में सहकारी बंधुओं की बैठक का आयोजन हुआ। सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसानों को उधार सुविधा भी समिति देती थी और फसल बेचकर हिसाब चुकता होता था। आज वही समितियां उपेक्षा के कारण बंद पड़ी हैं। इन्हें पुनर्जीवित करना ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का रास्ता है। सहकारी समितियाँ फिर से सक्रिय हों, यही समय की पुकार है।

श्री चौहान ने कहा कि गांव की सहकारी समितियां किसानों की रीढ़ हैं। जो समितियाँ वर्षों से बंद पड़ी हैं, उन्हें हर हाल में पुनः चालू कराना हमारी प्राथमिकता है। समिति के पुनर्जीवन से किसानों को खाद व अन्य सुविधाएँ समय पर मिलेंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

संदलपुर सहकारी समिति के अध्यक्ष विनोद कटियार ने कहा कि बंद सहकारी समितियां किसानों की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी हैं। हमारा संकल्प है कि इन्हें पुनः सक्रिय कर खेती की लागत कम की जाए।समिति के माध्यम से खाद और बीज समय पर उपलब्ध होंगे। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। कार्यक्रम में राघवेन्द्र सिंह सेंगर, महेन्द्र पाल, जनमेजय सिंह, राम सिंह तोमर एडवोकेट, अखिलेश सिंह, मुकेश गुप्ता, रंजीत कटियार, नरेन्द्र दीक्षित आदि रहे।

बुखार का प्रकोप, दो महिलाओं और बच्चे की मौत

संवाददाता, पुखरायां

अमृत विचार। भोगनीपुर और मलासा क्षेत्र में बीमारियों से मौत का सिलसिला नहीं थम रहा। कई मौतों के बाद भी अबतक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। रविवार को बीमारी के चलते मलासा क्षेत्र में एक मासूम व दो महिलाओं की मौत हो गई। बरौर कस्बा निवासी नफीसुल हसन ने बताया कि उनकी चार वर्षीय पुत्री हजीरा को चार दिन से बुखार आ रहा था। रविवार दोपहर हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसकी मौत हो गई। वहीं बरवा रसूलपुर निवासी सोनू ने बताया कि उनकी 22 वर्षीय पत्नी प्रीती बीमार थीं। कानपुर के एक अस्पताल में उपचार चल रहा था। रविवार को मृत्यु हो गई। फैजाबाद निवासी कल्लू ने बताया कि उनकी 30 वर्षीय पत्नी रानी की बीमारी के चलते रविवार को घाटमपुर के निजी अस्पताल में मृत्यु हो गई। एक सप्ताह पूर्व उनकी नवजात पुत्री की भी मौत हो गई थी। वहीं फैजाबाद निवासी शराफत ने बताया कि उनकी पुत्री बिट्टू, गंगाराम, अनवरी, शरबरी, गुड्डी, कल्लू इत्यादि लोग बुखार से पीड़ित हैं। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. विकास ने बताया कि उन्हें जानकारी नहीं मिली है।

मंत्री ने केवीके पर रोपा रुद्राक्ष का पौधा

शिवली। जिले के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रविवार को शाम पहुंचे। उन्होंने सब से पहले केंद्र के परिसर में रुद्राक्ष का पौधा लगाया।इसके बाद केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। और किसानों से भी उन्होंने संवाद किया। और डीडी हरिशंकर भार्गव, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह, डीडीएजी उमेश गुप्ता मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार 15 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

लाउडस्पीकरों को पुलिस ने बंद कराया

चौबेपुर। कस्बे में रविवार रात बिना अनुमति के बजाए जा रहे लाउडस्पीकरों को स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस ने बंद करा दिया। रविवार की रात कस्बा स्थित एक मस्जिद में बिना अनुमति बज रहे लाउडस्पीकरों का स्थानीय लोगों ने विरोध किया और मामले की शिकायत थाना पुलिस से की। जानकारी मिलते ही सक्रिय हुई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाउडस्पीकरों को बंद कर दिया। मामले में कार्यकारी प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र यादव ने बताया कि देर रात बिना अनुमति के बजाये जा रहे लाउडस्पीकरों को स्थानीय लोगों की शिकायत पर बंद कराया गया।

मौदहा में मारपीट का वीडियो वायरल

हमीरपुर। कस्बे के तहसील रोड पर शुक्रवार शाम गोलीकांड को लोग भूले भी नहीं थे कि शनिवार देर शाम मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक युवक को बेरहमी से पीटते हुए गालियां दे रहे हैं। वायरल वीडियो मलीकुआं चौराहे का बताया जा रहा है। मारपीट करने वाले होटल के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। अमृत विचार वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

नाबालिग पुत्री को ले जाने की तहरीर दी

हमीरपुर। एक गांव के व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर बताया कि चार दिन पहले मजदूरी करने के लिए गया था। घर में नाबालिग पुत्री अकेले थी। टीहर गांव के नीरज कुशवाहा की पड़ोस में रिश्तेदारी है। वह उसकी पुत्री को अपने प्रेमजाल में फंसाकर ले गया है। चार दिन से सुराग नहीं लग रहा है। एसआई मोहम्मद सुल्तान ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जाएगी।

नशीली कोल्डड्रिंक पिला लूट का आरोप

हमीरपुर। कैथी गांव की पार्वती ने बताया कि गांव के दो युवक शुक्रवार शाम करीब 7 बजे उसके पति राकेश को घर से लिवा ले गए। दोनों युवकों ने सुनसान जगह में पति को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया और जेब से 28200 रुपये निकाल लिया। जब पति देर रात तक घर नहीं पहुंचे तो वह खोजने के लिए निकली। पति बेहोशी हालत में पड़े मिले। पति ने होश में आने के बाद घटना की जानकारी दी। इंस्पेक्टर ने कहा कि उनके संज्ञान में नहीं है। तहरीर मिलने पर जांच होगी।

बोरवेल के गड्ढे में मिला गायब बच्चे का शव

जल निगम की टंकी में डूबा शिवली निवासी विजय पाल का बेटा

संवाददाता, शिवली, कानपुर देहात

अमृत विचारः सिंहपुर शिवली गांव में एक सात वर्षीय बालक की बोरवेल में गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। बालक रात से गायब था जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे।

यश।

हादसे के बाद रोती – बिलखती महिलाएं। अमृत विचार

शिवली कोतवाली के सिंहपुर शिवली गांव में विजय पाल कमल के 7 वर्षीय पुत्र यश कुमार की जल निगम की पानी टंकी के बोर में डूबकर मौत हो गई। परिजनों ने बच्चे की काफी तलाश की। जब कहीं पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। औनहां चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस और परिजन रात भर खोजबीन करते रहे।कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने डॉग स्क्वायड की मदद से पूरे क्षेत्र की जांच की। बाद में मृतक के बगल में बन रही पानी टंकी की तलाशी ली गई। टंकी परिसर में खोदे गए 10 फुट गहरे गड्ढे में बांस से खोजने पर शव मिल गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। 10 फुट गहरे गड्ढे में बांस से खोजने पर शव मिल गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां विजय लक्ष्मी, बाबा राम नाथ, दादी फूलमती और दादा जयपाल का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि बालक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

बोर होने के बाद खुला छोड़ दिया गया था गड्ढा: ग्रामीणों ने जल निगम के अधिकारियों द्वारा बोर के गड्ढे को खुला छोड़ देने के कारण एक मासूम की जान चले जाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल निगम द्वारा गड्ढे को समय से बंद कर दिया जाता। इस घटना से बचाव हो सकता था।

टीईटी के डिप्रेशन में शिक्षक ने लगाई फांसी

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के अतरौलिया मोहल्ले के रहने वाले एक सरकारी शिक्षक ने शनिवार की शाम फांसी लगा ली। सुबह घर से स्कूल के लिए निकलने और फिर शाम तक घर वापस नहीं आने पर जब परिवार वालों ने खोजबीन शुरू की तो कस्बे के दूसरे वाले घर में उनका बिजली के तार के फंदे पर शव लटका मिला। बेटे का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट से टेट अनिवार्य किए जाने के बाद से डिप्रेशन में थे।

कस्बे के सैना रोड के रहने वाले पियूष अनुरागी ने बताया कि उनके पिता गनेशी लाल अनुरागी (52) महोबा जनपद के पनवाड़ी क्षेत्र के गौहानी गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक थे। शनिवार की सुबह उसके पिता स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे। शाम तक जब वह वापस घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोगों ने उनकी खोजबीन शुरू की। पीयूष के मुताबिक उनका कस्बे के अतरौलिया मोहल्ले में दूसरा मकान है, जहां अक्सर उनका आना-जाना था। उसने बताया कि जब वह खोजबीन करते हुए अतरौलिया के दूसरे मकान में पहुंचा तो पिता बिजली के तार के फंदे पर लटके हुए थे।

मोहनपुर पहुंचकर विधायक ने सुना लोगों का दर्द, जाना हाल

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र की विधायक सरोज कुरील ने रविवार को ब्लॉक पतारा के ग्राम धरमपुर इटरा, छाजा, मोहनपुर एवं कल्याणपुर का दौरा किया। उन्होंने यहां पर मौजूद लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निवारण भी किया।

सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत विधायक सरोज कुरील ने कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान ही हमारी प्राथमिकता है। विधायक सरोज कुरील ने गांव की जनता जनार्दन को आश्वासन दिया कि गांवों की प्रमुख समस्याओं का समाधान शीघ्र ही कराया जाएगा, ताकि विकास कार्यों का लाभ हर ग्रामीण तक पहुंचे। इस दौरान विधायक सरोज के साथ विधायक प्रतिनिधि मनीष तिवारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य तन्मय तिवारी,अंकुर मिश्रा, राजवीर सैनी, जहांगीराबाद के पूर्व प्रधान टुनटुन पांडे,नूतन तिवारी, अंकित दीक्षित, राधेश्याम तिवारी ग्राम प्रधान ईटर्रा, सहित मोहनपुर, छाझा,धर्मपुर सहित आदि क्षेत्रीय ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण करतीं विधायक सरोज कुरील। अमृत विचार

बिच्छू गैंग के सदस्यों ने 2 युवकों को पीटा रुपये छीनकर फरार

हमीरपुर। मझगवां थाने के अटगांव चौराहे पर आधा दर्जन युवकों ने दो बाइक सवारों को रोक कर रंगदारी मांगने लगे। जब बाइक सवारों ने रंगदारी देने से इंकार किया तो आरोपी युवकों ने जमकर मारापीटा। आरोप है कि रंगदारी मांगने वाले युवकों ने बाइक सवारों से रूपये छीन लिए। पीड़ितों ने थाने पहुंच घटना की जानकारी पुलिस केा दी।

अटगांव निवासी भूपेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब 10 बजे वह अपने साथी वीरेंद्र के साथ इकठौरा गांव जा रहा था। अटगांव चौराहे पर बिच्छू गैंग के सदस्यों ने उसे रोक लिया और रंगदारी मांगने लगे। बताया कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उसे मारने पीटने लगे। यह भी बताया कि उसकी जेब में पड़े रुपये भी निकाल लिए। भूपेंद्र ने आरोप लगाया कि मझगवां थाना क्षेत्र में बिच्छू गैंग का आतंक बढ़ता जा रहा है। पीड़ितों ने मझगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनेश पांडे ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। घायलों का मेडिकल परीक्षण भी करा दिया गया।

भक्तों ने सुनी धुंधकारी के मोक्ष प्राप्ति की कथा

संवाददाता बिल्हौर

- कथा व्यास श्रीकांत दास जी महाराज के मुखारबिंदु से सुनाई जा रही है कथा

अमृत विचार। जिले में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस पर भक्तों को धुंधकारी के मोक्ष की मार्मिक कथा सुनाई गई। कथावाचक दासानुदास श्रीकांत दास जी महाराज ने अपने अमृत वचनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

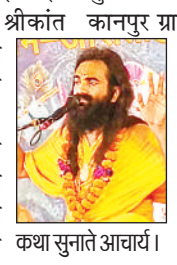

कथा सुनाते आचार्य।

कथा व्यास श्रीकांत दास जी महाराज ने धुंधकारी के पापमय जीवन और फिर सद्गति प्राप्त करने की कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे भागवत कथा के श्रवण मात्र से एक पतित आत्मा का भी उद्धार हो सकता है। यह कथा इस बात का प्रमाण है कि भगवान के नाम और उनके भक्तों की कृपा से किसी भी पापी का उद्धार संभव है। इस पुण्य अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी कानपुर ग्रामीण के पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित कृष्ण मुरारी शुक्ल, बृज बिहारी शुक्ला, रामकिशोर सैनी, आशीष शुक्ला, अभिषेक मिश्रा, विवेक शुक्ला, मुकुंद शुक्ला, पवन शुक्ला, अविरल शुक्ला और पूर्व सुबोध कटियार शामिल थे। इसके अतिरिक्त, प्रधान धीरेंद्र प्रताप सिंह, अंकुर तिवारी और कानपुर देहात के वरिष्ठ भाजपा नेता भी कथा में मौजूद रहे। सभी ने कथा का श्रवण कर धर्म लाभ उठाया। कथा के बाद सभी भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया।

घाटमपुर क्रिकेट अकादमी ने एफजीके को 24 रनों से हराया

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर क्रिकेट अकादमी ने एफजीके क्रिकेट अकादमी को 24 रनों से हरा कर मैच जीत लिया। इस दौरान मैच का लुत्फ लेने के लिये तमाम दर्शक मौजूद रहे।

टॉस जीतकर घाटमपुर के कप्तान आरुष सिंह ने पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। घाटमपुर की तरफ से बैटिंग करते हुए विशेष तिवारी ने 24 रन, आरुष सिंह ने 20 रन ,अनमोल पंथ ने 19 रन , सात्विक श्रीवास्तव ने 15 रन और वैभव यादव ने 14 रन समेत कुल 144 रन बनाये। वहीं एफजीके की तरफ से बॉलिंग करते हुए वंशुल सिंह ने 4 विकेट वहीं लक्ष्य और यश ने 2 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एफजीके कानपुर 120 रन में ही ढेर हो गई। एफजीके की तरफ से बैटिंग करते हुए वंशुल सिंह ने 27 रन और धैर्य ने 13 और कृष्ण ने 13 रन बनाए। वहीं घाटमपुर की तरफ से बॉलिंग करते हुए विशेष तिवारी ने 4 विकेट और कृष्ण गुप्ता ने 3 विकेट लिए और शिवम परमार ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विशेष तिवारी को सुनील परमार द्वारा दिया गया और बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार वंशुल सिंह को भूप किशोर द्वारा दिया गया और बेस्ट बॉलर का पुरस्कार कृष्ण गुप्ता को संजय कटियार द्वारा दिया गया।

शील्ड व मेडल के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

- विशेष तिवारी बने मैन आफ द मैच और बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार वंशुल सिंह को मिला

भरत मिलाप कार्यक्रम को लेकर की गई बैठक

संवाददाता घाटमपुर

- घाटमपुर में नवयुवक संघ की बैठक का हुआ आयोजन
- पूर्व अध्यक्ष पंकज मिश्रा को यादकर दी गई श्रद्धांजलि

अमृत विचार। नगर में रविवार को नवयुवक संघ के पूर्व अध्यक्ष पंकज मिश्रा के आकास्मिक निधन के बाद एक आवश्यक कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई। बैठक में विगत कई वर्षों से हो रहे ऐतिहासिक भव्य भरत मिलाप कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान नवयुवक संघ के सभी पदाधिकारियों ने पूर्व अध्यक्ष पंकज मिश्रा के उत्कृष्ट योगदान को यादकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने मां कुष्मांडा देवी मंदिर के सुंदरीकरण अभियान, शिव बरात, मंदिरों के निर्माण सहित बहुत से सामाजिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों एवं मिलनसार स्वभाव के कारण उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने भव्य भरत मिलाप के निरंतर आयोजित किए जाने का समर्थन किया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. कृष्ण कन्हैया शुक्ला ने की। जिसमें नव निर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष शिवम मिश्रा, महामंत्री संदीप शुक्ला, उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण मिश्रा (श्री पण्डित), पवन तिवारी, अंकुर तिवारी, प्रिंस सोनी, कोषाध्यक्ष शिवा पांडे, मंत्री अमन चक, विमल सिंह सेंगर, कृष्णा पांडे, प्रचार मंत्री अमित अवस्थी (ईशू) बनाए गए। इस ऐतिहासिक भव्य भरत मिलाप में राजू अवस्थी, पप्पू शर्मा, पंकज पांडे, राजेश इले, राजन मिश्रा, पप्पू यादव, भोला तिवारी, छोटे तिवारी, अनुराग पांडे, राजा पांडे, सन्नी पांडे आदि पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

शीतलपुर के कोटेदार पर कम राशन देने का आरोप, वीडियो वायरल

संवाददाता घाटमपुर

- एसडीएम ने कहा कि जांच करा कर कार्रवाई की जायेगी
- 35 की जगह 33 किलो राशन देने का आरोप लगाया

अमृत विचार। घाटमपुर के शीतलपुर गांव में कोटेदार का घटतौली करते वीडियो रविवार दोपहर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में 35 किलो की जगह पर 33 किलो और 25 किलो में 23 किलो राशन देने की बात बात कही जा रही है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग तरह तरह के कमेंट्स कर रहे है।

घाटमपुर तहसील क्षेत्र में रविवार दोपहर को सोशल मीडिया पर कोटेदार का घटतौली करते हुए चार वीडियो वायरल होने लगे। वायरल वीडियो घाटमपुर तहसील क्षेत्र के शीतलपुर की कोटेदार इति सिंह पत्नी श्याम सिंह की उचित दर की दुकान के बताये जा रहा हैं। वायरल वीडियो में ग्रामीण आरोप लगाया रहे हैं, कि वे 35 किलो राशन की बोरियां तराजू पर रखकर तौल रहे हैं तो वह 33 किलो निकल रही हैं। वहीं 25 किलो राशन की बोरियां कांटे में रखकर तौल रहे तो 23 किलो निकल रही हैं।

लोगों के आरोप है, कि कोटेदार उन्हें डरा धमकाकर कम राशन दे रहे हैं। इसी के चलते ग्रामीणों ने घटतौली का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने घाटमपुर सप्लाई इंस्पेक्टर को जांच के आदेश दिए हैं। घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह का कहना है, कि जांच रिपोर्ट में अगर घाटतौली की बात सही पाई जाती है, तो कोटेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अमृत विचार अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

अरौल पुलिस ने दबोचे दस जुआरी

बिल्हौर। अरौल पुलिस ने शुक्रवार को छापा मार कर दस जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि सभी को निजी मुचालके पर थाने से ही जमानत दे दी गई । थाना प्रभारी जनार्दन यादव ने बताया कि हासिमपुर गांव मे कई दिनों से जुआं खेलने की शिकायत मिल रही थी, जिसके बाद पुलिस ने छापा मार कर ईसाक मुहमम्द ,संतोष ,नीर कटियार ,वीरेन्द्र कटियार ,पवन ,सुमित कटियार ,अरविन्द कमल ,नीरज ,विवेक ,बब्लू को गिरफ्तार कर लिया व। पुलिस ने मौके से नकदी और ताश के पत्ते भी बरामद किए हैं। । उपनिरीक्षक कृष्णकांत की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मधुमक्खियों के हमले में दर्जन भर लोग घायल

संवाददाता, मौदहा हमीरपुर

अमृत विचार। साप्ताहिक बाजार में उमड़ी भीड़ के बीच मधुमक्खियों ने हमला कर दिया जिसमें लगभग 15 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां पर सभी का इलाज किया जा रहा है।

बिवांर थानाक्षेत्र के ग्राम ढुनगवां में तालाब के किनारे साप्ताहिक बाजार लगी हुई थी। उसी समय अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई और लोग छिपने के लिए सुरक्षित जगह तलाश करने लगे। इस दौरान प्रेमा (60) पत्नी सुभाष, कृष्ण दत्त (40) पुत्र रामनारायण, आयुष (02) महेश, चंद्रगुप्त (08) पुत्र मुकेश, अंजलि (08) महेश, जानवी (04) पुत्री मुकेश, शोभा (28) मुकेश, सुभाष (60) पुत्र रामलाल सभी निवासी ग्राम ढुनगवां के साथ आधा दर्जन से अधिक दूकानदारों को मधुमक्खियों ने हमला कर घायल कर दिया। जिन्हें एंबुलेंस के एमटी अरविंद कुमार और पायलट अवधेश ने इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर सभी का इलाज किया जा रहा है।

गाड़ी पलटने से महिला गंभीर रूप से घायल

मौदहा हमीरपुर। बिवांर क्षेत्र के लदार निवासी विकास और कस्बा निवासी सत्यम चार पहिया गाड़ी से नेशनल कॉलेज से तिंदुही की ओर जा रहे थे, तभी मध्य प्रदेश के लवकुश नगर निवासी लीला (40) पत्नी भगवानदास ने उनसे लिफ्ट मांगी। जैसे ही गाड़ी आगे बढ़ी तो संतुलन बिगड़ने से पलट गई, जिससे महिला घायल हो गई। एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां से महिला को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को हिरासत में लिया है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपने पुत्र हुसैन उर्फ गुब्बा के गलत संगत के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कार्यो का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा हुसैन उर्फ गुब्बा से कोई वास्ता एवं सरोकार नहीं है। **शकील पुत्र छम्मन निवासी– छोटी जुल्हैटी राठ (हमीरपुर) उप्र**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हूँ मेरा एक मूल बैनामा बही खो गया है जो कि अभिलेखों में जिल्द सं0 1607, पृष्ठ सं0–273 से 334 दिनांक 26/9/2017 को बैनामा हुआ है। **प्रीती देवी मो0–7054002928 जमुनापुर – रायबरेली**

सूचना

मैने अपना नाम SIMMI PRAVEEN से बदलकर SIMMI AHMED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-AFZAL AHMED ADD-39R/6M, VIP COLONY, GHAUS NAGAR KARELI GTB NAGAR DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-210016 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम PRAKASH SHERMA से बदलकर PRAKASH SHARMA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SURYABHAN SHARMA ADD-E-3/337 VINEET KHAND GOMTINAGAR DIST-LUCKNOW-226010 (U.P)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि मेरे पासपोर्ट संख्या R7762354 में मेरा नाम Nazifur Rahman ,पुत्र Mohammad Afzal Rahman मो. नुमाईश पुरवा हरदोई है जबकि मेरे आधार में मेरा सही नाम – Mohd Nazeefur Rahman है तथा पिता का नाम Mohammad Afzalurrahman अंकित है उक्त पासपोर्ट में मेरा नाम आधार के अनुसार संसोधित कर प्रति जारी की जाये।

सूचना

मेरी पत्नी सीमा सिंह पीपीओ में नामिनी है। पीपीओ सहित अन्य दस्तावेजों में त्रुटिवश उनकी जन्मतिथि 15/06/1978 दर्ज हो गई है। जबकि उनकी वास्तविक जन्मतिथि 18/06/1982 है। (Army no-15469373y) रंजीत कुमार सिंह, पूर्व सैनिक पुत्र स्व. सुरेंद्र सिंह निवासी–मकान नं.13ए सेमरा गौढ़ी, मड़ियांव, लखनऊ।

आवश्यकता है

दुष्यंत सिंह भाले सुल्तान पीजी कॉलेज सादीपुर मुसाफिरखाना जनपद अमेठी को परास्नातक विज्ञान संकाय– जन्तु विज्ञान, 2 पद, रसायन विज्ञान–2 पद, गणित– 2 पद परास्नातक कला संकाय अंग्रेजी–2 पद प्राचीन इतिहास स्नातक 1 पद। **इच्छुक अभ्यर्थी अपने डाक्यूमेंट के साथ विद्यालय में संपर्क करें।**
प्रबंधक, धनवंत सिंह।
सम्पर्क सूत्र – 8318708840

सूचना

मैने अपना नाम RIYAZ से बदलकर MOHD RIYAZ रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAHAMAT ALI ADD-500/108 KUTUBPUR NEAR EKKA STAND DALIGAN POST-NIRALA NAGAR DIST-LUCKNOW-226020(U.P.)

अभियान | विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष विनय यादव ने संभाली कमान

संगठन की मजबूती को सपा गांव–गांव बना रही बीएलए

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी (सपा) ने बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में अपने संगठन को मजबूत करने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर, बिल्हौर विधानसभा के अध्यक्ष विनय यादव खुद गांव-गांव जाकर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक बूथ पर पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करना है।

इस अभियान में सपा नेत्री रचना सिंह गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष, जोनल अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उनका लक्ष्य सभी 433 बूथों पर बीएलए. नियुक्त कर उनकी सूची प्रदेश कार्यालय में जमा करना है। विनय यादव ने इस पहल के महत्व को बताते हुए कहा कि बीएलए. की नियुक्ति से न सिर्फ मतदाता सूची को सही करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह बूथ स्तर पर वोट सुरक्षित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

कार्यकर्ताओं से बतायीत करतीं सपा नेता रचना सिंह गौतम। अमृत विचार

उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग जल्द ही मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत करेगा और इसी को ध्यान में रखते हुए सपा ने हर बूथ पर अपने अधिकृत बीएलए तैनात करने का निर्णय लिया है। रचना सिंह गौतम ने कार्यकर्ताओं से इस जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाने का आग्रह किया।

इस दौरान रमेश गौतम, जगरूप यादव, सुनील शर्मा, सुनील पाल, राजू पाल, बंटी , सुनील यादव, पूर्व प्रधान मुन्ना अजहर, सौरभ कुशवाहा, कल्लू यादव, निर्मल, और श्याम सिंह सहित कई अन्य समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नोटिस चस्पा कर की जा रही है अवैध वसूली

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। लोक निर्माण विभाग एवं नगर पंचायत द्वारा कस्बे के वार्ड नंबर एक में दुकानदारों एवं मकान मालिकों को नोटिसें देकर अतिक्रमण हटाने को कहा गया है। इसी के चलते व्यापारियों एवं निवासियों की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए शनिवार को सपा नेत्री रचना सिंह ने कस्बे में जनसम्पर्क किया।

रचना सिंह को नगर पंचायत वासियों ने बताया कि शिवराजपुर नगर पंचायत द्वारा सुंदरीकरण के बहाने उनके घरों के सामने सीमेंट की पटिया लगाकर उनके दरवाजे बंद किये जा रहे हैं। वार्ड नम्बर एक में घरों में नोटिस चस्पा कर अवैध वसूली की जा रही है। कुछ दिन पहले नगर पंचायत और एनएचएआई ने मिलकर वसूली करने के लिए दुकानों पर नोटिसें लगाई थीं और सैकड़ों दुकानदारों से नगर पंचायत और प्रशासन ने लाखों रुपये की वसूली की थी। वहीं भाजपा नेत्री गीता गुप्ता द्वारा अवैध निर्माण कराया गया। उस पर बिल्हौर प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। वहीं नगर वासियों की शिकायत पर सपा नेत्री ने मौके पर एसडीएम बिल्हौर को फोन कर अवैध वसूली की शिकायत और लोगों के दरवाजों पर खड़ी की जा रही दीवार को रोकने को कहा। सपा नेत्री ने कहा कि नगर पंचायत अधिकारियों ने ग्रामीणों का उत्पीड़न बंद नहीं किया तो सपा नगर पंचायत का घेराव करेगी।

अत्यधिक शराब पीने से युवक की मौत

बिल्हौर। ककवन थाना क्षेत्र के औरौंताहारपुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत हो गई। थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत के अनुसार और तहरपुर गांव के रामू पुत्र शोभरन कश्यप उम्र 27 वर्ष लगातार कई दिनों से शराब के नशे में पड़ा था।

शनिवार को देर शाम शराब ठेका के समीप ही शराब पीकर बेहोश हुए रामू को ककवन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां पर हालत नाजुक होने पर उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया था। इसी दौरान उपचार के दौरान ही रामू की मौत हो गई, जिसके बाद रामू केशव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बता दे कि बीते कई दिनों से अत्यधिक शराब पीने के चलते ही पत्नी छोड़कर चली गई थी।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, सोमवार 15 सितंबर 2025

सुविचार

अनेकता में एकता और विभिन्न रूपों में एकता की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की सोच रही है।

-पंडित दीनदयाल उपाध्याय

कानपुर के प्रमुख समाचार

- बार-बार गर्भपात रोकने को प्री-मैरिज काउंसिलिंग महत्वपूर्ण- II
- वैश्य समाज आगे नहीं आता, इसलिए राजनीति में पीछे - III
- 'सफाई का सफाया' नाटक के जरिये दिया संदेश- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS

• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

80 फीट रोड अशोक नगर में छंटाई के नाम पर काट दिए गए पूरे पेड़। अमृत विचार

पेड़ों से गुंडागर्दी, उफ! ऐसी बेदर्दी...

मोटे-मोटे पेड़ काट डाले गए जिनपर सैकड़ो पक्षी बैठते थे। अमृत विचार

कटाई से पहले ही सूख चुका है एक पेड़। अमृत विचार

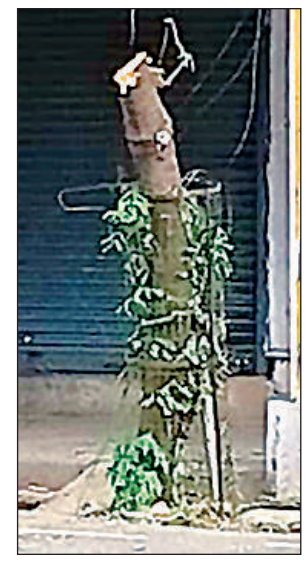

आधे से ज्यादा पेड़ उड़ा दिया।

कानपुर। हम सभी को पता है कि कानपुर महानगर में हरियाली का प्रतिशत आज 2% से भी काम है और हर साल होने वाला लाखों पौधरोपण कहां होता है, कानपुर की अधिकतर आबादी को इसका पता ही नहीं चल पाता। इसके बाद जो चंद अंतिम पेड़ शहर में बढ़ते प्रदूषण से संघर्ष कर रहे हैं, उनके प्रति भी लोगों की बेरुखी और बेरहमी देखने को मिल जाती है। 80 फीट रोड अशोक नगर में पेड़ों के साथ ऐसी ही बेदर्दी देखने को मिली। यहां छंटाई के नाम पर मोटे-मोटे पेड़ों को नीचे तने से काट दिया गया। अब शायद ये दोबारा पनप भी न पाएं। 80 फीट रोड पर पेड़ बेहद कम हैं उस पर ऐसी बेरहमी से क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय व्हाट्सएस ग्रुप में क्षेत्रीय लोगों ने क्षेत्रीय पार्षद के खिलाफ काफी नाराजगी जताई है। हम में से ही बहुत से लोग हैं जो पेड़ों से होने वाले फायदे को तो जानते नहीं और उन्हें बेवजह काटने, कटवाने का काम भी करते हैं। यह वही लोग हैं जिन्हें न अपनी सांसों की कद्र है न अपने घर में पलने वाले छोटे बच्चों के भविष्य की फिक्र है ना ही पर्यावरणीय प्रदूषण पर तनिक भी ध्यान है। यह समाचार अमृत विचार को पर्यावरण प्रेमी, गौरैया बचाओ अभियान के संचालक **गौरव वाजपेयी** ने भेजा है और इस कृत्य पर दुख जताया है।

सिटी ब्रीफ

विवि में आज से शुरू होगी जांच

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की नियुक्ति और मानदेय भुगतान संबंधी शिकायतों की जांच के लिए शासन से गठित जांच टीम सोमवार को कानपुर पहुंच रही है। चार सदस्यीय टीम विश्वविद्यालय कुल सचिव से मिलकर शिकायत संबंधी दस्तावेज प्राप्त करेगी। इसके बाद कर्मचारियों से भी उनका पक्ष लिया जाएगा।

शहर में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी

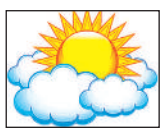

कानपुर। शहर में रविवार को गर्मी से शहरवासियों को परेशानी हुई। सीएसए विवि के मौसम विभाग के अनुसार शहर में अधिकतम तापमान 34 .3 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 25 .6 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि अगले कुछ दिनों में शहर में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। 15 से 17 सितम्बर तक दिन में मौसम शुष्क रहेगा। रात से मौसम बदलने की संभावना है।

आज यहां पर नहीं आएगी बिजली

कानपुर। शहर के बाबूपुरवा, बगाही भट्ठा, नयापुरवा, बर्रा छह, श्याम नगर, केडीए कॉलोनी, गोपाल नगर, मंगला विहार, देवकी नगर, यादव मार्केट, बर्रा दो, तिकोनिया पार्क, खलासी लाइन, आर्य नगर, तिवारीघाट, विष्णुपुरी, तिलक नगर, नानकारी व बारा सिरोही में बिजली आपूर्ति बधित रहेगी, इनमे से कई क्षेत्रों में बिजली तीन से चार घंटे, जबकि कुछ जगहों पर दिन में पांच से छह घंटे तक नहीं रहेगी।

दिव्यांग बच्चे दिखाएंगे अपना हुनर

कानपुर। देशभर के 100 से अधिक दिव्यांग बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ये दिखाएंगे कि हम किसी से कम नहीं है। दिव्यांग डेवलपमेंट सोसाइटी की निदेशक मनप्रीत कौर ने बताया कि 1 नवंबर 2025 को लाजपत भवन मोतीझील में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसके लिए दिव्यांगजन एवं उनके अभिभावक मोबाइल नंबर 7007127755 पर संपर्क कर सकते हैं।

नगर निगम ने अपनी सड़कों को बनाना किया शुरू, पीडब्ल्यूडी और मेट्रो भी जुटा

नवरात्र तक सड़कें लल्लनटाप फिर फर्राटा भरियेगा नान स्टॉप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पिछले एक वर्ष से सड़कों पर गड्ढों का दंश झेल रही शहर की जनता को नवरात्र तक इससे मुक्ति मिल जाएगी। नगर निगम ने अपने हिस्से की सड़कों का निर्माण शुरू कर दिया है। लक्ष्य रखा गया है कि नवरात्र तक लगभग सभी सड़कों का निर्माण हो जाए। नवरात्र को देखते हुए मंदिरों, रामलीला मैदानों के आस-पास पहले सड़कें बनेंगी। नगर निगम के साथ ही पीडब्ल्यूडी और मेट्रो नेमनभी सड़क पर पक्के पैचवर्क के कार्यों के लिए अलग से 35 करोड़ रुपये का बजट रखा है।

नगर निगम ने अपनी छोटी-बड़ी सड़कों के लिए टेंडर प्रक्रिया करा दी है। 15वें वित्त और नगर नगम निधि से 50 करोड़ रुपये से नई सड़कों को बनाया जाएगा। पिछले दिनों हुए टेंडरों के बाद वर्क आर्डर भी जारी कर दिए गए हैं। जिसके बाद ठेकेदारों ने निर्माण कार्य शुरू किया है। जोन 3 में साकेत नगर पार्क से कल्याण जी तक हॉट मिक्स प्लांट से सड़क का निर्माण हो गया। वहीं, जूही में ब्लॉक 12 से 331 तक एक तरफ हॉट मिक्स प्लांट से सड़क का निर्माण किया जा रहा है। यहां एक तरफ की सड़क का निर्माण हो गया है। बरसात में जलभराव की वजह से जीटी रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग, हैलट रोड, मैनावती मार्ग के साथ ही विजय नगर से बर्रा 8 रोड, सचान से शास्त्री चौक, केशव नगर में सड़कों में गड्ढे हो गए हैं। नगर निगम और पीडब्ल्यूडी, एनएच पीडब्ल्यूडी ने बरसात के मौसम में कच्चा पैचवर्क कराया पर वह बारिश के पानी में ही उखड़ गया। सड़कों पर गिट्टी, बजरी फैलने से हालत और भी बदतर हो गई। नगर निगम मुख्य अभियंता एसएफए जैदी ने बताया कि सभी जोनों में जिन सड़कों के टेंडर हो चुके हैं उनके वर्क आर्डर जारी कर निर्माण कार्य शुरू करा दिए गए हैं। कुछ टूटी सड़कों पर पक्का पैचवर्क कराना है, 15 सितंबर के बाद पैचवर्क भी शुरू करा दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि नगर आयुक्त ने देवी मंदिरों, दुर्गा पूजा स्थलों, रामलीला शोभायात्रा रूटों पर प्राथमिकता पर पैचवर्क व सड़क निर्माण के निर्देश दिए हैं।

साकेत नगर पार्क से कल्याण जी तक बनी हॉट मिक्स प्लांट से सड़क। अमृत विचार

जूही में ब्लॉक 12 से 331 तक एक तरफ हॉट मिक्स प्लांट से सड़क का निर्माण हो गया है। अमृत विचार

441 सड़कों में 1100 किमी में पक्का पैचवर्क होगा

50 करोड़ रुपये से नई सड़कों को बनाया जाएगा

35 करोड़ रुपये का बजट पक्के पैचवर्क के लिए

15 सितंबर के बाद पैचवर्क होगी तेजी से

- नवरात्र को देखते हुए कार्य शुरू मंदिरों, रामलीला मैदानों के आस-पास पहले बनेंगी सड़कें
- सभी जोन में टेंडर हो चुकीं सड़कों के निर्माण के लिए वर्क आर्डर जारी कर दिया गया

पीडब्ल्यूडी ने भी की तैयारी

- पीडब्ल्यूडी के एई अनिल कुमार ने बताया कि विभाग 15 सितंबर के बाद अपनी सड़कों पर पक्का पैचवर्क शुरू करेगा। दीपावली से पहले सड़कें गड्ढामुक्त कर दी जाएंगी। नगर निगम के साथ पीडब्लूडी, मेट्रो भी अपनी सड़कों पर पैचवर्क करेगा। इसके लिए गड्ढों को चिन्हित किया गया है। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार जहां-जहां निर्माण कार्य पूरा हो गया है, वहां पैचवर्क पूरा किया जायेगा। जलनिगम द्वारा खोदी गई सड़कों को भी बनाने के लिए तैयारी पूरी की गई है। इसमें सबसे ज्यादा दक्षिण की सड़कें खराब हैं।

अखिलेश ने मुझे घर से उठवाया पिस्टल तानकर गालियां दीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अखिलेश दुबे से पीड़ित किदवईनगर की एक महिला उद्यमी ने पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से मिलकर तहरीर दी है जिसकी करोड़ों की संपत्ति, घर-फैक्ट्री पर अखिलेश ने उसके भाई का कब्जा करा दिया था। पीड़िता का आरोप है कि अखिलेश की करतूतों का विरोध करने पर उसे असलहाधारियों की मदद से घर से उठवा लिया। अपने कार्यालय बुलाकर गालियां दीं, पिस्टल तान दी। लकवा से पीड़ित उनके पिता की सदमें में जान चली गई। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर एसआईटी ने तहरीर पर जांच शुरू कर दी है।

किदवईनगर स्थित के-ब्लाक की महिला उद्यमी नीति बजाज ने अपनी तहरीर के माध्यम से बताया कि उनके भाई विपिन बजाज की संगत ठीक नहीं थी, वह जिद्दी और हठी स्वभाव का है। शराब पीकर पिता स्व. रमेश कुमार बजाज और मां स्नेहा से अक्सर मारपीट करता था। माता-पिता को घर से निकाल भी दिया था। प्रताड़ना से तंग आकर माता-पिता उनके ससुराल डब्ल्यू ब्लाक केशवनगर आकर रहने लगे थे, लेकिन भाई विपिन की हरकतों में कोई बदलाव नहीं आया। उसकी स्वभाव और हठी होता गया। इस पर पिता ने 2018 में भाई और उसकी पत्नी रितिका बजाज के खिलाफ नौबस्ता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। जब पिता फैक्ट्री जाते तो भाई वहां भी पहुंचकर उनसे अभद्रता करता। भाई की संगत व उसकी हरकतों से परेशान होकर पिता ने आठ सितंबर 2017 को तीन फैक्ट्री, घर और प्लाट समेत करोड़ों की संपत्ति उनके नाम रजिस्टर्ड वसीयत कर दी थी। उसी के बाद से भाई विपिन बौखला गया था। इसके बाद उसने इलाके के टोनू यादव से संपर्क किया। उसके माध्यम से अखिलेश दुबे के पास पहुंचा। फिर अखिलेश ने अपने पुलिस मददगारों के सहयोग से लकवाग्रस्त पिता पर चार फर्जी मुकदमे दर्ज करा दिए। इसके बाद मकान व फैक्ट्री पर कब्जा करवा लिया। पिता ने पुलिस अफसरों के यहां चक्कर काटे लेकिन कुछ नहीं हुआ। झूठे मुकदमों से माता-पिता पस्त हो गए। जिससे पहले माता स्नेहा की मौत हुई, फिर 30 अप्रैल 2021 को पिता की मौत हो गई।

पुलिस कमिश्नर से मिली उद्यमी : पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के अनुसार महिला उद्यमी नीति ने मिलकर पूरी घटना बताई और तहरीर दी है। जिसे जांच के लिए एसआईटी को सौंपा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। प्राथमिक जांच में यह पाया गया है कि महिला के नाम घर, फैक्ट्री समेत अन्य संपत्ति है, जिस पर उसके भाई का कब्जा है। रिपोर्ट आते ही कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश दुबे।

नीति बजाज।

- महिला उद्यमी ने अखिलेश दुबे के खिलाफ दी तहरीर, एसआईटी ने जांच शुरू की
- पीड़िता का आरोप, घर-फैक्ट्री समेत करोड़ों की संपत्ति पर भाई का कब्जा कराया

झूठी रिपोर्ट भी दर्ज कराई

- पीड़िता नीति बजाज के अनुसार दिसंबर 2022 को टोनू यादव अपने साथियों के साथ उनके घर पहुंचा। धमकाते हुए उसने कहा कि अखिलेश दुबे ने बुलाया है। उन्होंने बताया कि जब वह अखिलेश के कार्यालय पहुंची तो उनका भाई, टोनू और दो मुस्लिम व्यक्ति मौजूद थे। अखिलेश ने उन्हें देखकर कहा कि विपिन हमारा साथी है। हमारे लिए काम करता है। इसलिए उसे फैक्ट्री, मकान पर कब्जा दिलाया है। अब तुम कोई कार्रवाई नहीं करोगी। नहीं तो जान से मरवा देंगे। फैक्ट्री व घर छोड़ने से मना करने पर अखिलेश ने सभी के सामने गालियां दीं। अपनी पिस्टल सिर पर तान दी। कार की चाबी छीन ली। अखिलेश ने भाई की ओर से एक झूठी रिपोर्ट भी उनके खिलाफ गोविंदनगर थाने में दर्ज कराई, लेकिन जांच में क्लीनचिट मिली।

महिला को खंभे से बांधा पीटा, चार युवक फरार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में रात में चोर-बदमाशों के टहलने की अफवाह बढ़ती ही जा रही है। रात में लोग लाठी-डंडे लेकर अपने-अपने इलाके में गश्त कर रहे हैं। शनिवार रात बर्रा, सीटीआई, शास्त्री चौक और गुजैनी में नाले किनारे बस्ती में चोरों के आने की अफवाह पर रात भर लोग पहरा देते रहे। बर्रा-7 में रात करीब 3 बजे एक महिला और चार युवकों को घूमते क्षेत्रीय लोगों ने दौड़ा लिया। युवक तो भाग निकले लेकिन महिला को लोगों ने पकड़कर खंभे से बांधकर पीट दिया। बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। नौबस्ता बंबा में भी अधेड़ को लोगों ने चोर के शक में पकड़कर पीटा।

बर्रा-7 में क्षेत्रीय लोग रात में लाठी-डंडे लेकर पहरा दे रहे थे। उन्होंने बताया कि रात करीब 3 बजे एक अन्जान महिला और चार युवक घूमते दिखे। वे लोग एक खाली प्लॉट में गए और बगल के मकान पर चढ़ने लगे। इस पर उन्होंने शोर मचाया तो चारों युवक भाग निकले लेकिन महिला को लोगों ने पकड़ लिया। पकड़ी गई महिला ने अपना नाम सोनी बताया। वो मर्दनपुर की रहने वाली है। लोगों ने महिला को खंभे से बांध कर पिटाई कर दी। बाद में बर्रा पुलिस ने महिला को अपनी हिरासत में लिया। बर्रा थाना पुलिस का कहना है कि महिला से पूछताछ की जा रही है। दूसरी ओर नौबस्ता बंबा में भी रविवार तड़के ऐसा ही वाक्या पेश आया जहां एक अधेड़ को लोगों ने चोर-चोर चिल्लाते हुए पकड़ लिया और पीटा।

- अलग-अलग क्षेत्रों में रात में चोर-बदमाशों के टहलने की अफवाह
- बर्रा, सीटीआई, शास्त्री चौक और गुजैनी में रातभर भीड़ सड़क पर रही

धमकाने पर हिस्ट्रीशीटर समेत पांच पर रिपोर्ट

कानपुर। गुजैनी में हिस्ट्रीशीटर युवक को मुकदमा वापस न लेने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़ित ने कमिश्नर से गुहार लगाई। तब पांच हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है।

मेहरबान सिंह का पुरवा निवासी रंजीत यादव ने बताया कि वर्ष 2021 में बारहवीं में पढ़ने के दौरान हिस्ट्रीशीटरों अपराधी मनोज सिंह, हिमांशू गुप्ता, ऋषि सिंह उर्फ उजाला, सचिन वर्मा और सिंह ने गोलियां चलाकर जान से मारने का प्रयास किया था। उसके पिता ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। आरोपी धमकी दे रहे हैं कि सचिन वर्मा को गोली मारकर रंजीत व उसके परिचितों को फंसाया जाएगा। हिस्ट्रीशीटर अभिषेक चौबे आरोपियों को शह दे रहा है।

शांति-शांति | कुरीतियों का तर्पण करने गंगा तट पर उतरीं महिलाएं, विधि विधान से किया पूजन

अजन्मी बेटियों का तर्पण-पिंडदान कर मोक्ष की कामना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कुछ बेटियों को आज भी गर्भ में ही मार दिया जाता है, जिसकी वजह से वह दुनिया नहीं देख पाती हैं। ऐसी बेटियों का कोई जिक्र तक भी नहीं करता है, तर्पण तो दूर की बात है। ऐसी अजन्मी बेटियों का तर्पण करने का जिम्मा युग दधीचि देहदान संस्थान ने लिया है। जिसके तहत रविवार को सरसैया घाट में महिलाओं ने अजन्मी बेटियों का अपने हाथों से तर्पण व पिंडदान करते हुए उनके मोक्ष की कामना की।

युग दधीचि देहदान संस्थान के नेतृत्व में रविवार को कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व महापौर कैप्टन जगतवीर सिंह द्रोण ने की। उन्होंने इस कार्यक्रम को उत्तर भारत का अनूठा कार्यक्रम बताया। डॉ. उमेश पालीवाल व पं.शेषनारायण त्रिवेदी ने दीप पूजन संपन्न किया। मुख्य पूजन प्रयागराज से आईं लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ.प्रभा अवस्थी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पौत्री नंदिता मिश्रा, शिक्षाविद् डा. अलका दीक्षित, राज्य महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता व रोटरी क्लब महासाचिव डॉ.नीलम त्रिवेदी ने किया। कलश पूजन डॉ. सीमा श्रीवास्तव, भावना महाना, रमा महाना व पुष्पलता मिश्रा ने किया। देव पूजन डॉ.अमित अवस्थी, सुधीर महाना, डॉ. आनन्द निगम व सुमित मिश्रा ने किया। कार्यक्रम संयोजक मनोज सेंगर ने बताया कि जिन बेटियों की गर्भ में हत्या कर दी गई, उनके लिये कहीं कोई पूजन तर्पण नहीं किया जाता है। हमने समाज की उसी भूल को सुधारा है और अजन्मी बेटियों से क्षमा मांगते हुये उनका तर्पण पिण्डदान सम्पन्न कर रहे हैं। यह कार्यक्रम कई साल से किया जा रहा है। मनीषा माहेश्वरी, डॉ.प्रतिभा बन्धु, गायत्री परिवार से कमलेश उपाध्याय, विमल राय, रमा राय, अंबिका श्रीवास्तव, कामिनी दास, छाया, गौरी, डॉ.अनुपम जैन, रेखा शुक्ला, सरला शुक्ला ने सम्पूर्ण विधिविधान से तर्पण कार्य सम्पन्न किया। समापन महाआरती गोल्डी मसाले निदेशक सुरेंद्र गुप्ता व विहिप प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव महाना ने किया। इस दौरान संयोजिका माधवी सेंगर, जगमहेन्द्र अग्रवाल, सुमित मिश्रा गोल्डी, अनिल राय, रवि तिवारी, संजय भारती, पीयूष दास, अभिषेक, गौतम, दीपक, मनोज दास, अंशिका समेत 40 महिलाएं शामिल रहीं।

अजन्मी बेटियों का तर्पण करतीं महिलाएं। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

भटकने के बाद डीसीपी के आदेश पर रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी के सनिगवां में बाइक सवार युवक की हादसे में मौत के बाद पीड़ित परिजन रिपोर्ट दर्ज करने के लिए भटकते रहे। सुनवाई न होने पर डीसीपी पूर्वी से गुहार लगाई। उनके आदेश पर रिपोर्ट दर्ज हुई। सुल्तानपुर के बस्दीराम वौरचौरा निवासी महिला खुशबू के अनुसार उनके पति शिवम कुमार गुप्ता कोयलानगर दहेली सुजानपुर में एक कंपनी में काम करते थे। बीती दो जुलाई को वह कंपनी के काम से निकले थे, तभी सनिगवां के पास दूसरी बाइक से टक्कर होने पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। नौ जुलाई पति की मृत्यु के बाद वह चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए भटकती रहीं। सुनवाई न होने पर डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता से गुहार लगाई, तब उनके आदेश पर रिपोर्ट दर्ज हुई। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि पीड़िता के थाने आने की जानकारी नहीं है। इसकी जांच की जाएगी।

हमला कर दी जान की धमकी, रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी के नेताजीनगर में महिला ने आरोपियों पर अवैध हथियार से हमला करने का आरोप लगाया है। नेताजीनगर पीएसी मोड निवासी मुन्नी देवी के अनुसार बीती शनिवार रात सुरेंद्र यादव फौजी, नीलू बाथम, गौरव शर्मा अपने साथियों के साथ उनके घर आए। आरोपियों ने अवैध हथियार से हमला किया। उन्होंने जान बचाने के लिए गेट बंद कर दिया। आरोपी ने उनके बेटे पवन तोमर को जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित के अनुसार सुरेंद्र यादव फौजी के ऊपर चकेरी थाने में हत्या, हत्या का प्रयास के मामले दर्ज है। दो माह पहले फायरिंग के आरोप में उसे जेल भेजा गया था। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

बिजली कनेक्शन के नाम पर 10 हजार हड़पे

कानपुर। गुजैनी के जरौली फेज दो टिकरा में एक महिला को बिजली कनेक्शन दिलाने का झांसा देकर 10 हजार रुपये हड़प लिए गए। महिला ने रुपये वापस मांगे तो धमकाया। इस पर पीड़िता ने कथित पत्रकार व उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता नेहा ने बताया कि वह कच्चे मकान में रहती है। खुद को पत्रकार बताने वाले रामपाल शर्मा ने 20 हजार रुपये में मीटर लगवाने की बात कही थी। इसके बाद एक प्रतीक नाम के कर्मचारी से मिलवाया। उसे 10 हजार रुपये दे दिए, उसके तीन माह बाद भी मीटर नहीं लगा। जब वह उसके घर पर रुपये मांगने गई तो गालियों दी और भगा दिया। राम पाल ने रुपये वापस करने से मना कर दिया। गुजैनी थाना प्रभारी अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सफाईकर्मी का मोबाइल, बाइक लूटी

कानपुर। नौबस्ता में हंसपुरम स्थित बंबा मेट्रो स्टेशन के नीचे लुटेरों ने जिला पंचायत कर्मी को रुमाल सुंघाकर बेहोश किया और लूट लिया। मोबाइल व बाइक लेकर फरार हो गए। होश में आने पर पीड़ित ने नौबस्ता पुलिस से शिकायत की है। बारादेवी एन-ब्लाक निवासी सुनील कुमार बिधनू की हाजीपुर ग्राम पंचायत में सफाई कर्मी हैं। शनिवार सुबह 10 बजे वह बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। बंबा मेट्रो स्टेशन के पास साइकिल उनकी बाइक से टकरा गई। सुनील उसे उठाने लगा, तभी पीछे से आए दो युवक उन्हें रुमाल सुंघाकर मोबाइल और बाइक ले गए। सुनील होश आने पर परिजन के साथ नौबस्ता थाने पहुंचे और तहरीर दी है।

बार-बार गर्भपात रोकने को प्री-मैरिज काउंसिलिंग महत्वपूर्ण

यह समस्या क्रोमोसोम में बदलाव के कारण होती, फॉग्सी नेशनल प्रेसिडेंशियल कॉफ्रेंस में दी गई जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

वर्ष 2027 के लिए चुनी गईं फॉग्सी की राष्ट्रीय अध्यक्ष को सम्मानित करतीं डॉ.मीरा अग्निहोत्री, साथ में अन्य। अमृत विचार

- 27 फीसदी महिलाओं में बार-बार गर्भपात की आशंका
- 35 वर्ष से अधिक की महिलाओं में गर्भपात की दर अधिक

अमृत विचार। शादी के बाद महिलाओं में बार-बार गर्भपात होने की आशंका 27 फीसदी रहती है, जिसकी वजह से उन्हें मां बनने के सुख से वंचित रहना पड़ जाता है। इसके अलावा महिलाओं को परिजनों के ताने भी सहने पड़ते हैं और इसकी वजह से दाम्पत्य जीवन दुखभरा हो जाता है। बार-बार हो रहे गर्भपात की वजह डॉक्टरों ने खोज ली है। यह समस्या क्रोमोसोम में बदलाव के कारण होती है। यह जानकारी रविवार को मुंबई से आए डॉ.मिलिंद्र शाह ने दी। बार-बार गर्भपात रोकने के लिए प्री-मैरिज काउंसलिंग महत्वपूर्ण है।

परेड स्थित होटल लैंडमार्क में रविवार को फॉग्सी नेशनल प्रेसिडेंशियल कॉफ्रेंस के दूसरे दिन डॉ.मिलिंद्र शाह ने महिलाओं में बार-बार होने वाले गर्भपात के कारणों और निदान पर चर्चा की। बताया कि अधिकांश शुरुआती गर्भपात भ्रूण में आनुवंशिक गड़बड़ी के कारण होते हैं। कुछ मामलों में माता-पिता में गुणसूत्र संबंधी असमान्यताएं, जैसे क्रोमोसोमल ट्रांसलोकेशन भी बार-बार गर्भपात का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा गर्भाशय का आकार असामान्य होने या गर्भाशय के अंदर ऊतक की दीवार (सेप्टम) होने से गर्भावस्था को बनाए रखने में बाधा डाल सकती है। गर्भाशय में फाइब्रॉएड (ट्यूमर) या पॉलीप्स होने पर गर्भपात का जोखिम बढ़ सकता है। गर्भाशय ग्रीवा का कमजोर होना गर्भावस्था के दौरान खुलने का कारण बन सकता है, जिससे गर्भपात हो सकता है। थायराइड (हाइपोथायरायडिज्म), मधुमेह, और प्रोलैक्टिन हार्मोन का उच्च स्तर भी गर्भपात का कारण बन सकता है।

एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम जैसी स्थितियां रक्त के थक्के बनने के जोखिम को बढ़ाती हैं, जिससे भ्रूण को रक्त की आपूर्ति बाधित हो सकती है। कुछ मामलों में कुछ प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी स्थितियां भी गर्भपात के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान, शराब और कोकीन जैसी नशीली दवाओं का सेवन करने से गर्भपात का खतरा बढ़ता है। वहीं, तनाव और भारी वजन उठाने के कारण भी बार-बार गर्भपात की वजह हो सकता है। बताया कि अधिक वजन होना या मोटापा और उम्र बढ़ने के साथ गर्भपात का खतरा भी बढ़ जाता है। 35 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में गर्भपात की दर अधिक होती है।

महिलाएं इस उम्र में लगवाएं ये टीके

- डॉ.रितु खन्ना ने बताया कि 09 वर्ष से 14 वर्ष की उम्र की बच्चियों को एचपीवी संक्रमण (जो गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कारण बनता है) से बचाव के लिए एचपीवी टीके की दो खुराकें लगवानी चाहिए। 26 साल तक के सभी वयस्कों को यह टीका लगवाना जरूरी है। 14 से 18 साल की उम्र में टिटनस, डिप्थीरिया और पर्टुसिस (काली खांसी) से बचाव के लिए टीडीएपी बूस्टर लगवाना जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को टीडीएपी टीका लगवाएं, ताकि नवजात शिशु को काली खांसी से बचाया जा सके। गर्भावस्था के दौरान आरएसवी का टीका लगवाने से शिशु को आरएसवी से गंभीर बीमारी से बचाया जा सकता है। 50 वर्ष और इससे अधिक उम्र की महिलाओं को हर 10 वर्ष में टिटनेस और डिप्थीरिया का बूस्टर टीका लगवाना चाहिए। 50 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए दाद का टीका लगवाने की सलाह दी। 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए न्यूमोकोकल रोग (जैसे निमोनिया) से बचाव के लिए टीके जरूरी है। वहीं, 19 से 59 वर्ष की उम्र की सभी महिलाओं को हेपेटाइटिस बी का टीका लगवाना अतिआवाश्यक है।

ये डॉक्टर रहे मौजूद

- इस दौरान डॉ.मीरा अग्निहोत्री, डॉ.नीलम मिश्रा, डॉ.कल्पना दीक्षित, डॉ.किरन पांडेय, डॉ.कंचन शर्मा, डॉ.रेशमा निगम, डॉ.किरन सिन्हा, डॉ.राशि मिश्रा, डॉ.नीना गुप्ता, डॉ.शैली अग्रवाल, डॉ.रेनू गुप्ता, डॉ.सीमा द्विवेदी, डॉ.निल्जा अग्निहोत्री, डॉ. नरेंद्र मेहरोत्रा, डॉ.हेमा दीवाकर, डॉ.रंजना खन्ना, डॉ.उषा शर्मा, डॉ.आभा सिंह, डॉ.मधु कुमार, डॉ.रीता मित्तल, डॉ.प्रतिमा वर्मा, डॉ.अनीता गौतम समेत आदि डॉक्टर शामिल रहे।

- मुंबई से आए डॉ.मिलिंद्र शाह ने बताया कि बार-बार होने वाले गर्भपात को रोकने के लिए डॉक्टर की सलाह से हार्मोन स्तर को नियंत्रित करना जरूरी है। डॉक्टर की सलाह पर फोलिक एसिड लें, स्वस्थ वजन बनाए रखें। धूम्रपान, शराब और कैफीन से बचें। नियमित व्यायाम करें और संतुलित आहार व पर्याप्त नींद लें। एंटीफॉस्फोलिपिड सिंड्रोम या गुणसूत्र असामान्यताओं की जांच के लिए खून व अन्य की जांच जरूर कराएं।

- डॉ. माधुरी पटेल ने बताया कि भारत में 35 फीसदी प्रसव प्राइवेट हॉस्पिटल और 65 फीसदी प्रसव सरकारी अस्पताल में होते हैं। गर्भावस्था में जोखिम तब बढ़ता है, जब महिला एनीमिया ग्रस्त होती है या ब्लड प्रेशर बढ़ता है। पिता से विरासत में मिले जीन गर्भवती में ब्लड प्रेशर के खतरे को बढ़ा सकते हैं, पिता के जीन में कुछ असमानताएं हैं तो यह गर्भावस्था में मातृ रक्तचाप पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

अच्छे खानपान से पीसीओएस का निदान हो सकता आसान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हार्मोनल असंतुलन और मॉर्डन लाइफ स्टाइल की वजह से बीमारी

अमृत विचार। भारत में पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) की व्यापकता लगभग 3.7 फीसदी से 22.5 फीसदी के बीच है। हर पांच में से एक किशोरी प्रभावित है। प्रजनन आयु की लगभग 15.3 फीसदी महिलाओं में यह एक आम स्वास्थ्य विकार है। पीसीओएस के मामलों में वृद्धि आंशिक रूप से बढ़ते प्रदूषण और जीवनशैली में बदलाव जैसे कारकों से जुड़ी है और इसके लिए विस्तृत अध्ययनों व निवारक रणनीतियों के साथ जागरूकता कार्यक्रमों की भी आवश्यकता है। यह जानकारी आगरा से आयीं डॉ.जयदीप मेहरोत्रा ने दी।

डॉ.जयदीप मेहरोत्रा ने बताया कि किशोरियों व प्रजनन उम्र की महिलाओं में पीसीओएस की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यह समस्या हार्मोनल असंतुलन और मॉर्डन लाइफ स्टाइल की वजह से अधिकांश होती है। डॉ.रचना दुबे ने बताया कि पीसीओएस के निदान में अच्छे खानपान का अत्याधिक महत्व है। एक संतुलित आहार जो सूजन रोधी, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला हो, जैसे कि साबुत अनाज, फल, सब्जियां और लीन प्रोटीन लेना चाहिए। इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने, हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करता है। ब्राउन राइस, जौ और अन्य साबुत अनाज रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साबुत फल फाइबर प्रदान करते हैं और पाचन को बढ़ावा देते हैं, जबकि पत्तेदार सब्जियां सूजन रोधी गुणों से भरपूर होती हैं। अंडे, मछली और टोफू जैसे प्रोटीन स्रोत ऊर्जा प्रदान करते हैं। जैतून का तेल और मेवे स्वस्थ वसा के अच्छे स्रोत हैं, जो सूजन कम करते हैं। इसके अलावा दही और अन्य खाद्य पदार्थ आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, जो हार्मोन संतुलन में भूमिका निभाता है। पुदीने की चाय एण्ड्रोजन के स्तर को कम कर सकती है और दालचीनी इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार कर सकती है।

इन चीजों के सेवन से बचना चाहिए

विशेषज्ञों के मुताबिक सफेद ब्रेड, मैदे से बने खाद्य पदार्थ और चीनी युक्त पेय पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि ये सूजन और रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ जिनमें कृत्रिम सामग्री और वसा अधिक होती है, उन्हें सीमित करना चाहिए। चाऊमीन, बर्गर, पिज्जा, पास्ता, माइक्रोनी, मैगी, मोमोस व मैदे वाले रोल आदि फॉस्ट फूड व जंक फूड के सेवन से बचाव करना चाहिए। क्योंकि इनके सेवन से पेट तो भरता है, लेकिन शरीर को पौष्टिक ऊर्जा नहीं मिल पाता है, जिसकी वजह से यह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। वहीं, बचाव के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और तनाव का प्रबंधन भी पीसीओएस के प्रबंधन में आहार के समान ही महत्वपूर्ण है।

रेडियोलॉजी की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- काकादेव में गर्ल्स छात्रावास में रहकर कर रही थी पढ़ाई
- एंजाइटी और डिप्रेशन की बीमारी से पीड़ित थी छात्रा

अमृत विचार। काकादेव में सीजेएसजेएमयू से रेडियोलॉजिस्ट प्रथम वर्ष की छात्रा ने हास्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हास्टल के मेस संचालक ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर दरवाजा तोड़कर देखा तो शव फंदे से लटकता मिला। इस पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के साथ पहुंची फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की और शव मोर्चरी भेजा। पुलिस के अनुसार छात्रा एंजाइटी और डिप्रेशन से पीड़ित थी।

पलक धर।

फर्रूखाबाद के कायमगंज सिंघीरामपुर निवासी अरधेंदु कुमार धर की 18 वर्षीय बेटी पलक धर सीएसजेएमयू से रेडियोलॉजिस्ट प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पलक काकादेव के रानीगंज स्थित गर्ल्स हास्टल में चौथी मंजिल पर रह रही थी। उसकी छोटी बहन दीप्ति भी बिठूर स्थित संस्थान से पढ़ाई कर रही है। छात्रा की रूम पार्टनर आराध्या मिश्रा के अनुसार रविवार शाम वह किसी काम से बाहर गई थी।

पलक के कमरे में होने पर मेस संचालक ने चाय व खाना देने के लिए दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। पलक के आराम करने की बात सोचकर उसने किसी को कोई जानकारी नहीं दी। इसके बाद मेस संचालक को संदेह होने पर उसने दरवाजा तोड़ा तो अंदर पंखे के कुंडे से उसका शव लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव मोर्चरी के लिए भेजा गया। पुलिस ने इस घटना की जानकारी परिवार वालों को दी है। काकादेव थाना प्रभारी ने बताया कि पलक की बहन दीप्ति से जानकारी हुई कि छात्रा एंजाएटी और डिप्रेशन की बीमारी से पीड़ित थी। जिसका इलाज भी चल रहा था। हास्टल में अकेले होने पर उसने दुपट्टे से फांसी लगाई है। सूचना पाकर परिजन फर्रुखाबाद से निकल चुके हैं।

छेड़छाड़ के विरोध पर भाई को पीटा

कल्याणपुर। पनकी में छेड़छाड़ का विरोध करने पर दबंगों ने छात्रा के भाई को पीट दिया। भाई गंभीर रुप से घायल हो गया। पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पनकी के गंगागंज भाग दो निवासी युवती दसवीं की छात्रा है। छात्रा के अनुसार कुछ दिनों से इलाके का एक युवक दोस्ती के लिए दबाव बना रहा है। परेशान होकर उसने मामले की जानकारी अपने भाई को दी। आरोप है कि शनिवार दोपहर जब उसके भाई ने युवक को रोककर छेड़छाड़ का विरोध किया, तो दबंग ने अपने साथियों को बुलाकर उसे पीट दिया। रहागीरों के हस्तक्षेप पर आरोपी भाग निकले।

योग से शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

योग निद्रा ध्यान विधि कार्यक्रम में मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। फजलगंज स्थित एक गेस्ट हाउस में रविवार को ऋषि चैतन्य विजन ने योग निद्रा ध्यान विधि कार्यक्रम के तृतीय सत्र का आयोजन किया। जिसमे लगभग 300 साधकों ने ध्यान विधि का लाभ लिया। यह योग निद्रा ध्यान कार्यक्रम छह से अधिक देश और राष्ट्रीय स्तर पर 50 से अधिक शहर में एक साथ-एक समय पर आयोजित किया गया। ऋषि चैतन्य विजन के पदाधिकारियों व सदस्यों के मुताबिक योग निद्रा का उद्देश्य मानव का आध्यात्मिक, शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्तर पर विकास करना है। इससे अनेक प्रकार के शरीरिक लाभ जैसे हाई बीपीपर नियंत्रण, कोलेस्टॉल को कम करना, अनिद्रा, तनाव व हदृय, रोग आदि को दूर करने में यह विधि बहुत सहायक है। विद्यार्थियों के अध्ययन में यह विधि वरदान है। इससे ग्रहण शक्ति व स्मृति शक्ति दोनों ही बढ़ती है।

अंत में प्रसाद वितरण व साधकों को स्मृति भेंट (पौधा) दिया गया। इस दौरान उमेश भसीन,, रघुनाथ सिंह, अंकुश भसीन, रवेन्द्र सिंह चौहान, ओम प्रकाश मेहरोत्रा, पारस भाटिया, हर्षित चावला, अविजित दुबे, नेहा गुप्ता, अंजू भटेजा व अन्य लोग रहे।

चोरी की रकम समेत नौकर गिरफ्तार

कल्याणपुर। रावतपुर पुलिस ने रविवार कोहना के विष्णूपुरी स्थित घर से साढ़े चार लाख रुपये चोरी कर भागे नौकर को उस समय धर दबोचा, जब वह बिहार भागने के लिए आटो से रेलवे स्टेशन जाने का प्रयास कर रहा था। पीड़ित ने कोहना थाने में नौकर के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कोहना थाना क्षेत्र के विष्णुपुरी निवासी भरत कुमार भगत के मुताबिक रविवार सुबह जब वह सोकर उठे, तो कमरे में रखी अलमारी का लाकर खुला देख वह आवाक रह गए। अलमारी में रखें लगभग साढ़े चार लाख रुपए गायब थे। जिसके समबन्ध में जानकारी करने पर उन्हें घर का नौकर बिहार के मधुबनी बेनी पट्टी निवासी संतोष कुमार अपने समान समेत लापता मिला। जिसकी सूचना उन्होंने कोहना पुलिस को दी। इधर रावतपुर पुलिस ने संतोष को मसवानपुर चौराहा के पास से उस समय धर दबोचा, जब वह बिहार भागने का प्रयास कर रहा था।

मानसिक कमजोर महिला ट्रेन से कूदी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इलाज के लिए मायके बिहार जा रही थी, गोविंदनगर आउटर पर कूदी

अमृत विचार। मानसिक कमजोरी का इलाज कराने के लिए मायके जा रही महिला गोविंदपुरी के आउटर पर ट्रेन से कूद गई। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने परिजनों से पूछताछ के बाद शव मोर्चरी भिजवाया।

कासगंज निवासी राजू की 36 वर्षीय पत्नी अनीता मानसिक कमजोर थी। जिसका इलाज चल रहा था। राजू के अनुसार इन दिनों पत्नी की हालत ज्यादा खराब हो गई थी। इसलिए उसे इलाज के लिए उसके मायके बिहार ले जाने के लिए निकले थे। पत्नी को संभालने के लिए उनका भतीजा शैलेंद्र भी उनके साथ था। राजू के अनुसार वह कासगंज से कानपुर आए और यहां से आगे के लिए ट्रेन पकड़ी। शनिवार रात उनकी आंख लग गई, इसी बीच पत्नी अनीता गोविंदपुरी के आउटर पर ट्रेन से कूद गई। यात्रियों का शोर सुनकर उनकी व भतीजे की नींद टूटी तो ट्रेन रुकवाई गई। पत्नी को रेलवे लाइन पर पड़ा पाया। सूचना पर जीआरपी पहुंची, लेकिन तब उसकी सांसे थम चुकी थीं। जीआरपी ने परिजनों से पूछताछ के बाद कार्रवाई की। अनीता के दो बच्चे एक बेटा व एक बेटी है।

बढ़ी परेशानी | सीएमओ ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में लगे कैंप में उपलब्ध कराई स्वास्थ्य सुविधा

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फैला बुखार, डेंगू की भी जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

गांव के मुख्य मार्ग पर पानी उतरने से आवागमन शुरू। अमृत विचार

अमृत विचार। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 85 लोग बुखार की जद में आ गए हैं और 100 लोग चर्म रोग से ग्रस्त हो गए। डेंगू व मलेरिया जैसे लक्षण नजर आने पर बुखार ग्रस्त लोगों की जांच कराई गई। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बीमार लोगों को दवा वितरित की गई।

गंगा बैराज व आसपास गांव में बाढ़ का पानी लोगों के घरों तक घुस गया है। ऐसे में संचारी रोगों का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा जलीय जीव द्वारा लोगों का नुकसान पहुंचाने का भी डर लोगों को सता रहा है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से गंगा बैराज में शिविर लगाए गए हैं, जहां पर महिला, पुरुष व बच्चों की जांच और इलाज मुहैया कराया जा रहा है। शिविर में लोगों को किस स्तर तक स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है, यह देखने सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी पहुंचे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लगे शिविर का निरीक्षण किया और उपकरण दवा व जरूरी उपकरण की जानकारी ली। सीएमओ के मुताबिक ग्राम बनियापुरवा, प्रतापपुर व रामपुर स्वास्थ्य शिविर में 464 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमे से 85 लोग बुखार से ग्रस्त मिले। इन मरीजों की मलेरिया किट व स्लाइड से परीक्षण और चिन्हित मरीजों की डेंगू की जांच की गई। 57 मरीज चर्म रोग से ग्रस्त मिले हैं। सभी रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए दवा वितरित की गई। वहीं, सीएमओ के आदेश पर 13 बच्चों का टीकाकारण किया गया। स्वास्थ्य टीम द्वारा क्लोरीन टेबलेट व ओआरएस का वितरण करते हुए स्वास्थ्य सुविधा दी गई। गांवों में लार्वा का छिड़काव कराया गया।

तीन दिन में 1.4 मीटर घटा पानी, आवागमन हुआ शुरू

- **कानपुर।** गंगा नदी का जलस्तर लगातार उतर रहा है। तीन दिनों में पानी 1.4 मीटर घटा है। बनियापुर में गांव के मार्ग पर आवागमन शुरू हो गया है। लोग यहां गाड़ियों और पैदल आ-जा रहे हैं। पिछले गुरुवार को गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 115 मीटर तक पहुंच गया था, इस कारण कई गांवों में पानी भर गया था और हजारों लोग सड़क पर रहने को मजबूर हुए थे। रविवार को गंगा बैराज पर अपस्ट्रीम पर गंगा का जलस्तर 113.96 मीटर दर्ज किया गया। वहीं, शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 112.40 मीटर पर रहा। अभी बैराज के 30 गेट खुले हैं। बैराज के अधिकारियों के अनुसार अनुमान है कि जलस्तर इसी तरह तेजी से घटेगा। पानी के घटने के साथ ही अब गांवों में गंदगी, सड़ांध और संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, लक्ष्मणपुरवा, दुर्गापुरवा, मक्कापुरवा, बनियापुरवा, चैनपुरवा, भगवानदीनपुरवा, भोपालापुरवा और रामपुर के लोग अब धीरे-धीरे अपने घर लौटने लगे हैं। घरों में घुसे पानी की मात्रा भी कम होने लगी है।

घरों में मिलादुन्नबी की महफिलें सजाएं

कानपुर। मरकजी शहरकाजी मुफ्ती डॉ. मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी रजवी का कहना है कि पीढ़ियों में इस्लाम की रूह को पहुंचाने का सबसे बेहतरीन जरिया ईद मीलाद है। मुसलमान अपने घरों में मिलादुन्नबी की महफिलें सजाएं ताकि ईमान और अकीदत की रौशनी नस्ल दर नस्ल जारी रहे। आल इंडिया सुन्नी जमीअतुल उलेमा एवं मरकजी मीलाद फाउंडेशन के द्वारा बाबूपुरवा में कारी मोहम्मद इसरार रजवी के संयोजन में ईद मीलाद का जलसा आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता मरकजी शहरकाजी मुफ्ती डॉ. मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी रजवी एवं सरपरस्ती खलीफा-ए-ताजुश्शरिया मुफ्ती मोहम्मद इलियास खां नूरी ने की। मदरसा जमालिया के प्रिंसिपल हाफिज कारी जफर सईद ने कुरआन पाक की तिलावत की।

हिस्ट्रीशीटर के भतीजे ने घर में घुसकर पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घर के बाहर शराब पीकर गाली-गलौज के विरोध पर हमला

अमृत विचार। रायपुरवा में घर के बाहर साथियों के साथ शराब पीने व गाली-गलौज कर विरोध करने पर हिस्ट्रीशीटर के भतीजे ने दंपती को घर में घुसकर पीटा। जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी आएदिन उसके घर के नीचे शराब पीकर देररात तक गालियां बकते हैं। देर रात तक हो-हल्ला और गाली-गलौज से उनका परिवार व मोहल्ले के लोग असहज व डर महसूस करते हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर कृष्णा शुक्ला को गिरफ्तार किया है। रायपुरवा थाना प्रभारी विजय सरोज ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की गई है। नशेबाजी को लेकर विवाद हुआ है। वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

वैश्य समाज आगे नहीं आता, इसलिए राजनीति में पीछे

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने सर्किट हाउस में उद्यमियों, व्यापारियों और वैश्य समाज के पदाधिकारियों से की बातचीत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हर समाज के अपने नेता हैं और वह अपनों के लिए कार्य कर रहे हैं। वैश्य समाज भाजपा का परंपरागत वोट है। जो विपरीत परिस्थितियों के बाद भी इधर से उधर नहीं हुआ। संघ के समय से अभी तक 100 फीसदी वोट भाजपा को ही मिलता है। जबकि यह 356 उप वर्गों में बटे हैं। यह बात रविवार को सर्किट हाउस में में यूपी आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने उद्यमियों, व्यापारियों, वैश्य समाज के पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि इन उपवर्गों की गिनती की जाए तो पूरे हिंदुस्तान में सबसे अधिक बड़ी संख्या का समाज वैश्य समाज ही निकलेगा लेकिन यह अपने हक के लिए और अपनी लड़ाई के लिए आगे नहीं आते जिस कारण से यह सदैव राजनीति की ताकत से लाभ लेने में पीछे हो जाते हैं। वे अखिल भारतीय सर्व वैश्य महापरिषद द्वारा आयोजित बैठक में बोल रहे थे।

बैठक में कानपुर के व्यापारी, उद्यमी और सर्व समाज के लोग रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता समाज ने कहा कि जब तक हमारे समाज को राजनीतिक ताकत नहीं मिलेगी तब तक हम लोगों का भला नहीं होगा। हमारे समाज के नौजवानों को सभासद, विधायक, प्रधान, ग्राम पंचायत के चुनाव लड़कर उसमें जीत कर आना चाहिए। सुरेंद्र गुप्ता गोल्डी ने समाज को एकजुट रहने की बात कही। आरके पोरवाल ने कहा कि मंत्री जी आपके पिता नरेश अग्रवाल प्रदेश समाज के नेता हुआ करते थे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवकुमार जायसवाल, राजू कसौधन, मानिक लोहिया, अखिलेश गुप्ता, लखन ओमर, सुरेंद्र जायसवाल, मदन जयसवाल, नीरज जायसवाल, विकास जायसवाल, प्रदीप गुप्ता, योगेश गुप्ता, उमेश लोहिया, योगेंद्र, विजय गुप्ता, अनुराग अग्रवाल, अमित गुप्ता, शाश्वत, रोहित, भूपेंद्र आदि रहे।

सर्किट हाउस में आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल उद्यमियों, व्यापारियों, वैश्य समाज के पदाधिकारियों से वार्ता करते। अमृत विचार

कार्यशाला में बोलते जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

भाजपा कार्यकर्ता 24 घंटे सातों दिन सेवा कार्य में लगा

कानपुर। भाजपा उत्तर जिले के राम लला मंडल और पनकी मंडल की कार्यशाला रविवार को हुई। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान के माध्यम से हम सब कार्यकर्ताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। अनिल दीक्षित ने कहा भाजपा सिर्फ चुनाव लड़ने वाली पार्टी नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करती है। हमारा कार्यकर्ता 24 घंटे सातों दिन सेवा कार्य में लगा है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से पार्टी द्वारा विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन कर रही है। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक भाजपा रक्त दान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ शिविर, दिव्यांगों व वरिष्ठजनों को शिविर लगाकर जीवन सहायक उपकरणों का नि:शुल्क वितरण कर सेवा कार्य करेगी। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दीपक शुक्ला ने की, साथ ही क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री राजेश भदौरिया, प्रमोद विश्वकर्मा, सीमा एमबीए, अजय शुक्ला, राजा पंडित, जितेंद्र गांधी, धर्मेंद्र यादव, अभिषेक सेंगर, सचिन दिवाकर, अभिषेक सिंह, दीपू राजवत आदि रहे।

चार ज्योतिर्लिंगों और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की रेलयात्रा

कानपुर। चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी यात्रा के लिए विशेष भारत गौरव एक्सप्रेस चलेगी। नौ दिवसीय यात्रा पैकेज होगा।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि इस भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचालन 25 अक्तूबर से शुरू होगा। यात्रा की शुरुआत अमृतसर से होगी और इसमें जालंधर, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली कैंट और रेवाड़ी से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इस यात्रा में उज्जैन के महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर, द्वारका के नागेश्वर तथा सोमनाथ (गिर-सोमनाथ) ज्योतिर्लिंग मंदिरों के साथ गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर और केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दर्शन कराया जाएगा। ट्रेन में कुल 762 यात्री यात्रा कर सकेंगे। इन्हें इकोनॉमी, स्टैंडर्ड और कम्फर्ट श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। किराया 19,555 रुपये से 39,410 रुपये प्रति यात्री तक होगा।

सिटी ब्रीफ

प्रदर्शन करने वाले सपाइयों पर रिपोर्ट

कानपुर। कर्रही की सड़कों के गड्ढों को लेकर शुक्रवार दोपहर को प्रदर्शन करने वाले समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ रविवार को बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। इनमें आठ नामजद और 15 अज्ञात समेत 23 लोग आरोपी बनाए गए हैं। यह रिपोर्ट चौकी प्रभारी दीपक गिरी ने दर्ज कराई है। बर्रा थाना प्रभारी रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार दोपहर सपाइयों ने सरकार विरोधी नारेबाजी की और कर्रही सड़क पर जाम लगा दिया था। अचानक हुए इस प्रदर्शन से कई घंटे तक सड़क पर राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ी थी। बर्रा चौकी प्रभारी दीपक गिरी ने धारा 163 लागू होने का हवाला देते हुए समझाया लेकिन प्रदर्शनकारी डटे रहे। अर्पित त्रिवेदी, अजय श्रीवास्तव, मुकेश दीक्षित, शिवम खन्ना, साहिल यादव, सत्यम पांडेय, अंकुर उत्तम और कृपा शंकर के अलावा 10–15 अज्ञात लोग भी सड़क पर प्रदर्शन में मौजूद रहे। इन पर रिपोर्ट दर्ज की है।

बिजली न आने से परेशान रहे लोग

कानपुर। शहर के नवीन मार्केट, यूपी स्टॉक एक्स्चेंज, सिविल लाइंस, फजलगंज उपकेंद्र के 16 फीडर, जरीब चौकी, जेके जूट मिल, बनिया बाजार और पॉलीमर उपकेंद्र के गोल्फ, अपट्रान, थम्सअप व ई ब्लाक में बिजली रविवार को तीन से चार घंटे तक गुल रही। बिजली नहीं आने की वजह से क्षेत्र के 20 हजार से अधिक लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक जरूरी कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल की गई।

विनम्रता नेतृत्व गुण

कानपुर। रोटरी क्लब ऑफ कानपुर की ओर से रविवार को इस्कॉन मंदिर में पथ प्रदर्शक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आरती एवं छप्पन भोग से हुई। इसके बाद श्रीमद्भगवद्गीता से नेतृत्व के पाठ विषय पर इस्कॉन कानपुर मंदिर अध्यक्ष प्रेम हरिनाम प्रभु के द्वारा व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान के दौरान उन्होंने विनम्रता एवं सहनशीलता को नेतृत्व गुण बताया।

झांकी प्रबंध समिति के निर्देशक को श्रद्धांजलि

कानपुर। श्री रामलीला सोसाइटी की ओर से रविवार को झांकी प्रबंध समिति के निर्देशक महेश सिंह की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। रामलीला भवन में श्री रामलीला सोसाइटी के सदस्यों एवं कार्यकताओं ने उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

महेश सिंह।

पुनरीक्षण के लिए प्रशिक्षण

कानपुर। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के मुताबिक सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 15 सितंबर को प्रात: 11 बजे अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम के कार्यालय कक्ष में निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम की फोटोग्राफ्स एवं वीडियो रिकॉर्डिंग जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराए जाएंगे। सीसामऊ के समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को अपर नगर मजिस्ट्रेट (तृतीय), कार्यालय कक्ष में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण प्रदान दिया जाएगा।

विधायक कमीशन का 4 करोड़ लौटाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कांग्रेस ने टूटी सड़कों के पास गांधी टोपी पहन कर रामधुन गाते हुए जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया। जनता से कहा कि यदि आप विधायक के बयान को भ्रष्टाचार मानते हैं, यदि आप विधायक द्वारा कमीशन लेने को किदवई नगर में विकास में रोड़ा मानते हैं, यदि आप विधायक से 8 वर्ष का कार्यकाल में कमीशन जो लगभग 4 करोड़ रुपया होता है, उसे सरकारी कोष में वापस चाहते हैं तो कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान का हिस्सा बनें।

रविवार को कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में किदवई नगर में जनता के बीच जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। पवन गुप्ता ने कहा कि किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेश त्रिवेदी द्वारा 10 प्रतिशत कमीशन लेना स्वीकार करना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कमीशन की बात करना देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ,सेना के वीर शहीदों, शहीद पुलिस कर्मियों की शहादत का अपमान है जो देश को ईमानदार संसदीय सरकार देना चाहते हैं। विधायक के इस कबूलनामे पर कानपुर आक्रोशित हैं। अतीक अहमद, प्रतिभा अटल पाल, दीपक त्रिवेदी बल्ली, सीता अग्निहोत्री, पूजा भारद्वाज, रौशनी चौधरी, अजय प्रकाश तिवारी, अनुराग गुप्ता, कमला कांत तिवारी, राज सागर, राजेश पांडे, विनय बाजपेई, हिमांशु अवस्थी, पंकज मिश्रा, अशफाक अहमद, मुश्ताक सोलंकी, आनंद शर्मा, लखन गुप्ता, विकास सोनकर, पदम मोहन मिश्रा, राकेश साहू, धर्मेंद्र चौहान, मो नईम, संदीप शुक्ला, सुनील साहु, राम शंकर राय,उपेन्द्र यादव आदि मौजूद थे।

किदवई नगर में कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान चला। अमृत विचार

- कमीशन लेने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

भूमि हो रही बीमार, सुधारने की जिम्मेदारी हमारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कृषि मंत्री ने किया दौरा, किसानों से की बातचीत
- किसानों को प्राकृतिक खेती बढ़ाने पर दिया जोर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दौरा किया। किसानों के साथ बातचीत में कृषि तंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती को बढ़ाने पर जोर दिया। कहा कि भूमि का स्वास्थ्य गिर रहा है। उसे सुधारने की जिम्मेदारी भी हमारी है।

कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि मंत्री ने कृषकों से उनकी खेती के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही किसानों को मिनी किट जैविक खेती के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने ग्राम जसापुर ब्लॉक झींझक के कृषक फूल सिंह से प्राकृतिक खेती की जानकारी ली। फूल सिंह 7 एकड़ में प्राकृतिक खेती कर रहे। 22-22 गायें तीन जगह रख कर जीवामृत, घन जीवामृत, दुष्परनी नीमस बनाकर खेती कर रहे हैं। ऐसे ही अन्य किसान चुन्ना सिंह ने बताया कि खेती में सिंचाई का समय सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। देशराज भारती ने बताया कि वह भी जैविक खेती की तरफ अग्रसर है। कृषि मंत्री ने किसानों से कहा कि उन्होंने भूमि को सुधारने के लिए दलहनों के मिनी किट,तिलहनों के मिनी किट विभिन्न जिलों में भिजवाई है। जिससे किसान बीज उत्पादन कर अपने खेत में अगले साल अपना बीज प्रयोग करें। यह भी कहा कि ढैंचा सभी ने बोया और जमीन में मिला दिया। यह भी कहा कि भूमि का स्वास्थ्य गिर रहा है। उनको सुधारने की हमारी जिम्मेदारी है इसलिए किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती की तरफ ही जाना होगा। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि जिले में ऑर्गेनिक कार्बन स्तर निम्न है। इससे संबंधित प्रशिक्षण दिए जाते हैं। केंद्र के अन्य वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ अरुण सिंह व डॉ शशिकांत ने भी जानकारी दी। डॉ निमिषा अवस्थी ने कहा कि सभी भोज्य विविधीकरण के लिए गृह वाटिका जरूर लगाएं। इसके साथ ही हरी सब्जियों का भरपूर उपयोग करें। कार्यक्रम में लगभग सौ किसान शामिल रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा करते कृषि मंत्री। अमृत विचार

तलाक महल स्थित हामिद हॉस्पिटल में स्वास्थ्य शिविर लगा। अमृत विचार

टूटी सड़कों से हड्डियों का निकल रहा दम

कानपुर। खस्ताहाल सड़कों पर वाहन चलाने से अचानक झटके लग रहे हैं जिससे लोगों की हड्डियों में विभिन्न प्रकार की बीमारियां पनप रही हैं। हामिद हॉस्पिटल में लगे मेगा स्वास्थ्य शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवांश त्रिवेदी ने 250 से अधिक हड्डी रोग से पीड़ित रोगियों का चेकअप करने के बाद यह बात कही। तलाक महल स्थित हामिद हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मुबारक अली के संयोजन में निःशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 1860 मरीजों का चेकअप किया गया और दवाएं भी निःशुल्क दी गईं। इस दौरान 28 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. फहद वसीम, मुख्य अतिथि विधायक नसीम सोलंकी, विधायक हसन रूमी रहे। मौलाना अब्दुल्लाह ओसामा, शाहिद, कामरान, हाफिज जमील अहमद, जौहरी, आरिफ मार्टिन, अबरार अली, जावेद, मसरूर, सैफ मुबारक रहे।

फर्जी दस्तावेज से कारोबारी की जमीन हड़पी, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। रायपुरवा में स्क्रैप कारोबारी ने आरोपियों पर फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने का आरोप लगाया। कहा कि विरोध करने पर अपहरण कर तमंचा लगाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अनवरगंज निवासी स्क्रैप कारोबारी मो. शरीफ के अनुसार उन्होंने 2014 में ओ ब्लॉक किदवई नगर में 1225 वर्ग जमीन खरीदी थी। जिस पर वह स्क्रैप का कारोबार करते थे। आरोप है कि 21 अप्रैल 2025 को सरदार नीतू सिंह, सीताराम, दिनेश राज श्रीवास्तव, अब्दुल रसीद, रियाज समेत अन्य लोग उनके गोदाम पहुंचे। आरोपी फर्जी दस्तावेज दिखाकर गोदाम की जमीन उनकी बताने लगे, जबकि जमीन का कब्जा और दाखिल खारिज उनके नाम है। आरोपी गाली-गलौज व हत्या करने की धमकी देने लगे। जेसीबी से खुदाई शुरू कर दी। साथ ही उनके गुल्लक में रखे 50 हजार रुपये लूटे। आरोप है कि पुलिस से शिकायत पर दोनों पक्षों को थाने ले गई। जहां आरोपियों के दबाव में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और उन्हें भगा दिया। जिसके बाद जबदस्ती निर्माण करवाने लगे। बीती 29 अप्रैल 2025 को हत्या करने के उद्देश्य से कार से उनका अपहरण कर ले गए। सिर में तमंचा लगाकर धमकाया। उन्होंने जान बचाने के लिए शोर मचाया तो लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। जिस पर आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। उन्होंने शिकायत पुलिस से की। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। तब उन्होंने न्यायालय में गुहार लगाई।

सिटी डायरी

रक्तदान करते जेसीआई सदस्य। अमृत विचार

जेसीआई वीक में रक्तदान शिविर

कानपुर। जेसीआई वीक 2025 के अंतर्गत जेसीआई ब्रह्मावर्त ने कैप्सूल रेस्टोरेंट, सिविल लाइन्स, में ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया। इसमें 93 लोगों ने रक्तदान किया। अध्यक्ष जेसी तरुण सेहगल ने बताया कि शिविर का उद्देश्य समाज में रक्तदान-महादान का संदेश प्रसारित करना और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। डॉक्टर हेमंत मोहन ने बताया कि 15 वर्ष से अधिक एवं 65 वर्ष से कम आयु के स्वस्थ लोग रक्तदान साल में तीन बार बिना किसी दिक्कत के कर सकते हैं। जेसी कन्हैया अग्रवाल, मनीष सेठिया, अभिनव गुप्ता, डॉ. आरती मोहन, पूजा माहेश्वरी, प्रेरणा सेहगल, राहुल जैन, नितेश महेश्वरी, निखिल महेश्वरी, संदीप भूकानिया आदि मौजूद थे।

90 वीं बार रक्तदान करते जय मिश्रा। अमृत विचार

छात्राओं को साइकिल दी गई। अमृत विचार

रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्तदान

कानपुर। पं. सत्यनारायण पारसनाथ दिवाकर प्रसाद शिक्षा एवं सेवा समिति द्वारा 40वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर हरमिलाप मिशन स्कूल, रतनलाल नगर में आयोजित किया गया। शिविर में 40 यूनिट रक्तदान हुआ। यह कार्यक्रम रक्तमित्र स्व. राजेन्द्र यादव को समर्पित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. राजेन्द्र यादव के पिता सुंदर लाल यादव ने किया। साथ ही राजेंद्र यादव के दोनों बेटों ने भी रक्तदान किया और रक्तदाताओं को जूस पिलाकर उनका उत्साह वर्धन किया। रक्तदान उर्सला ब्लड बैंक की टीम ने सम्पन्न करवाया एवं एकत्रित रक्त उर्सला ब्लड बैंक को समर्पित किया गया। टीम का नेतृत्व डॉ आशीष ने किया। कार्यक्रम संयोजक जय मिश्रा ने 90वीं बार रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को स्वैच्छिक रक्तदान प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। राजीव भाटिया, शिवम् यादव, शुभम यादव, ज्योति गौरी, गौरव आदि मौजूद रहे।

शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, अवसरों की समानता है

कानपुर। रोटरी क्लब ऑफ कानपुर इंडस्ट्रियल द्वारा रविवार को साइकिल वितरण समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया गया। सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो विनय पाठक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, अवसरों की समानता है। जब हम किसी छात्रा को आगे बढ़ने का साधन देते हैं, तो हम समाज को एक नई दिशा देते हैं। एनएलके स्कूल, विष्णुपुरी में हुए आयोजन में आनंद डेवलपर्स लिमिटेड के सहयोग से 105 जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। विश्वनाथ गुप्ता, रघुनाथ गुप्ता, आनंद गुप्ता, अभिषेक चतुर्वेदी, रोटरी क्लब अध्यक्ष सत्यशील शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

बदलता समाज

कानून की दहशत से मुस्लिम तीन तलाक नहीं दे रहे

तीन तलाक पर ब्रेक, महिलाओं को चाहिए खुला

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। ट्रिपल तलाक कानून से मुस्लिम युवाओं में दहशत तो फैली है लेकिन महिलाओं के लिए ये कानून मुसीबत बन गया है। मुस्लिम एक साथ तीन तलाक नहीं दे रहे हैं क्योंकि उनको जेल जाने का खतरा है। ऐसे में पत्नी अपने शौहर से खुला लेने के लिए दारुल कजा में इंसाफ मांगने पहुंच रही हैं।

रविवार को रजबी रोड स्थित मोहकम-ए-शरीया दारुल कजा में दैनिक अमृत विचार संवाददाता ने जायजा लिया तो देखा कि पुरुषों से ज्यादा महिलाओं की भीड़ दारुल कजा में मौजूद है। दारुल कजा में मौलाना मोहम्मद जाकिर कासमी, मुफ्ती अब्दुल रशीद कासमी, मौलाना सलमान कासमी, मौलान शान मोहम्मद कासिमी पीड़ितों की समस्याओं को कलमबंद कर रहे थे। दारुलकजा प्रमुख मौलाना अब्दुल्लाह ओसामा मोहकम-ए-शरीया दारुल कजा की टीम को दिशा निर्देश जारी कर रहे थे। यहीं पर कन्नौज से आई महिला अपने शौहर से खुला चाहती थी क्योंकि उसके शौहर उसे तलाक देने को तैयार नहीं हैं। शौहर का कहना है कि तलाक देकर जेल नहीं जाना है। मौलाना अब्दुल्लाह ओसामा ने पूछा कि क्यों खुला चाहती हो तो महिला ने कहा कि उसके पति नशे के आदी हैं, घर में खर्च भी नहीं देते, हमसे शराब पीने के लिए पैसे मांगते हैं, जब नहीं देते तो मारपीट करते हैं। मुझे शौहर से छुटकारा दिला दीजिए। ये तो एक उदाहरण मात्र है। इसी प्रकार के तमाम मामले प्रतिदिन दारुल कजा में आ रहे हैं। कोई सऊदी कमाने गया है तो कई वर्षों तक अपनी बीवी से संपर्क ही नहीं किया। मोबाइल भी समाज को बिगाड़ने में अहम रोल अदा कर रहा है। मौलाना ओसामा ने कहा कि ये चिंता का विषय है कि तेजी से खुला की रफ्तार बढ़ रही है। मुस्लिम समाज को शराब, जुआ जैसे से बचाने के लिए महाभियान चलाने की जरूरत है।

रजबी रोड पर जमीअत बिल्डिंग में दारुल कजा। अमृत विचार

कुरआन की रोशनी में देते फैसला-ओसामा

मोहकम-ए-शरीया दारुल कजा के प्रमुख मौलाना अब्दुल्लाह ओसामा ने बताया कि कुरआन व हदीस की रोशनी में दारुल कजा में आपसी सहमति से समझौते कराए जाते हैं। जब कोई महिला या पुरुष दारुल कजा में संपर्क करता है तो दूसरी पार्टी को 15 दिन का नोटिस दिया जाता है। यदि 15 दिन में कोई जवाब नहीं आता तो फिर मोबाइल से संपर्क किया जाता है। दोनों पक्षों को बिठाकर मामला हल कराया जाता है, जो इस्लामी फैसले को मानते हैं, उनकी दीन दुनिया दोनों संवर जाती है।

क्या है शरई कानून खुला

इस्लाम में बीवी को अपने शौहर से तलाक (इसे खुला कहते हैं) लेने का अधिकार है लेकिन ज्यादातर महिलाओं को पिछले एक दशक तक जानकारी का अभाव था। अब महिलाएं जान गई हैं कि यदि उनका शौहर परेशान कर रहा है तो उन्हें कैसे खुला मिल सकता है। महिला दारुल कजा में जाती हैं और मुफ्ती हजरात के जरिये खुला ले लेती हैं यानी उन्हें शौहर से आजादी मिल जाती है। खुला लेने के बाद उनका शौहर इस्लामी कानून के तहत शौहर नहीं रहता।

नशे की लत ने बढ़ाई खुला की रफ्तार

किसी जमाने में मुस्लिम शराब को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। अल्लाह रसूल के खौफ से उनके हाथ कांप जाया करते थे लेकिन अब मुसलमानों में जैसे शराब आम हो गई है जिसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं। नशे की लत इतनी बढ़ रही है कि महिलाएं अपने शौहर से खुला लेने के लिए परेशान हैं और दारुल कजा आ रही हैं।

सीएसए में आजाद प्रतिमा का सुंदरीकरण शुरू

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय में स्थापित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का सुंदरीकरण शुरू हुआ। सुंदरीकरण के लिए छात्रों की ओर से मांग उठाई जा रही थी। छात्रों ने मांग की थी कि प्रतिमा की साफ-सफाई कराकर सुंदरीकरण कराया जाए। इसके अलावा प्रतिमा के समीप एक संक्षिप्त विवरण पट्ट भी लगाया जाए। जिसमें चंद्रशेखर आजाद के जीवन और योगदान का उल्लेख हो। छात्र नेता अनस शाहू ने इस कार्य के लिए कुलपति का आभार व्यक्त किया।

चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा संवारी जा रही। अमृत विचार

कानपुर की संस्कृति के पुरोधा थे पं. प्रताप नारायण मिश्र

कानपुर। प. प्रताप नारायण मिश्र जयंती एवं हिन्दी दिवस पर कानपुर इतिहास समिति ने गोविन्दनगर में संगोष्ठी की। समिति के अध्यक्ष विश्वंभरनाथ त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हम सबका गौरव है। हिन्दी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। गर्व है हमें हिंदी भाषा पर और हिन्दीभाषी होने पर। समिति के महासचिव अनूप शुक्ल ने कहा कि उन्नीसवीं शती में कानपुर से ब्राह्मण पत्र के संपादक पण्डित प्रतापनारायण मिश्र ने भी भारतेंदु की भांति हिन्दी का झण्डा बुलंद किया। उन्होंने अपनी कविताओ में भी हिन्दी, हिन्दु और हिन्दुस्तान की बात कही है। डीबीएस कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. नीलम शुक्ला ने कहा कि प्रताप नारायण मिश्र कनपुरिया संस्कृति के पुरोधा थे। मिश्र जी ने ब्राह्मण पत्र के माध्यम से हिन्दी सेवा की है। राजकीय महाविद्यालय शिवराजपुर की प्रोफेसर डॉ. सुमन शुक्ला बाजपेई ने कहा कि हिन्दी भाषा को बढ़ावा देना है तो उसके विधागत साहित्य को भी बढ़ावा देना चाहिए। महेश शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में दिए हिंदी पठन-पाठन के प्रावधानों को लागू करते हुए प्रारंभिक शिक्षा में हिंदी की अनिवार्यता की जाय।

हिंदी पर अंग्रेजी का शासन कायम

मंगल पांडेय की गाथा हिन्दी में नहीं लिखी।

नाना साहिब का बखान भी अंग्रेजी भाषा में लिखा है।

नगर निगम व विकास प्राधिकरण विभाग द्वारा सुसज्जित नानाराव पार्क के मुख्यद्वार की दीवार पर स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नाना साहब और मंगल पांडेय का जीवर परिचय अंग्रेजी में लिखा गया है। माना कि विदेशी पर्यटकों के लिए अंग्रेजी में लिखना जरूरी है पर सवाल यह है कि अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी क्यों नहीं लिखा। वहीं दूसरे छोर पर ग्लो साइन बोर्ड पर स्मार्ट सिटी कानपुर अंग्रेजी में लिखा है। इसके नीचे दीवार पर नानाराव पार्क का नाम हिंदी में जरूर लिखा गया था लेकिन उसमें कई शब्द गायब हो गए हैं। अपनी मातृ भाषा हिंदी की ये दुर्गति अपने हिंदुस्तानी ही कर रहे हैं।

फोटो - मनोज तिवारी

कानपुर स्मार्ट सिटी अंग्रेजी में लिखा और नानाराव पार्क के शब्द ही गायब हो गए हैं।

सिटी ब्रीफ

मुसलमानों के नाम बोर्ड का खुला खत

कानपुर। सुप्रीमकोर्ट में 15 सितंबर यानी सोमवार को वक्फ संशोधन कानून को लेकर मुकदमे का फैसला सुनाया जाना है, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सैफ उल्लाह रहमानी ने 13 सितंबर को मुसलमानों के नाम खुला खत जारी करते हुए कहा है कि मुसलमान विशेषतौर पर नमाज हाजत पढ़ें ताकि मुकदमे का फैसला मुसलमानों के हक में आ सके। कानपुर में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के संस्थापक सदस्य प्रोफेसर मोहम्मद सुलेमाने ने बताया कि फिलहाल कोर्ट ने तीन कानून को रद्द कर रखा है। अब कोर्ट इस मामले में अहम फैसला सुनाने जा रहा है। बोर्ड के सभी सदस्य, मिल्लत के लोग, 15 सितंबर को विशेष तौर पर हाजत नमाज पढ़ें। अल्लाह की बारगाह में दुआ करें।

सीरत पर परीक्षा

कानपुर। तरबीयाह एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पैगंबर मोहम्मद साहब की सीरत पर शहर के 33 विभिन्न स्कूलों पर परीक्षा कराई गई जिसमें बच्चों ने प्रश्नों के उत्तर दिये। एमएमए जौहर फैंस एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी के अलावा मौलाना हस्सान कादरी नक्शबंदी, डॉ शहनवाज खान, हेमा खान, रईस खान बरकाती, फैज बेग, जोया, फिजा, मोहम्मद आकिब आदि थे।

'सफाई का सफाया' नाटक के जरिये दिया संदेश

हिंदी दिवस पर सेकंड इनिंग विमेन थिएटर व संरक्षण परिवार की और से रंगमंच कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सेकंड इनिंग विमेन थिएटर व संरक्षण परिवार की ओर से रविवार को हिंदी दिवस पर रंगमंच कार्यक्रम का आयोजन हुआ। रोहतगी म्यूजिक एंड आर्ट गैलरी में मुंबई से फिल्म अभिनेता राकेश चतुर्वेदी ओम आए। कार्यक्रम की शुरुआत रिदम डांस ग्रुप के कलाकारों द्वारा गणेश स्तुति से किया गया। एक्शन प्रमुख अनु गोयल ने उपस्थित अतिथियों को पौधा और शॉल पहनाकर सम्मानित किया। सेकंड इनिंग वूमेन थियेटर की महिला कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक सफाई का सफाया का प्रदर्शन किया गया, नाटक के जरिए कलाकारों ने बड़ा संदेश दिया। विशेष अतिथि आईएम रोहतगी ने हिंदी दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में राकेश चतुर्वेदी, अमित शर्मा ने नुक्कड़ नाटक में सुनीता वार्ष्णेय के अभिनय को बहुत सराहा। दीपा डालमिया, सरिता द्विवेदी, अनु गोयल, सुमन बाजपेई, अर्चना गुप्ता, शोभा, कविता ,परविंदर, कौर, सोनल, अरुणा गर्ग आदि ने प्रस्तुति दी। प्रस्तुति फाऊंडेशन की मीनाक्षी अनुराग ने सभी को कपड़े के थैले वितरित किए।

महिला थिएटर ने प्रस्तुत की नाटिका। अमृत विचार

अभिनेता राकेश चतुर्वेदी को सम्मानित करते पदाधिकारी। अमृत विचार

अदृश्य में कलाकारों ने अभिनय की छटा बिखेरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अपने उपन्यास लेखन के लिए झूठ बोलकर महिला तांत्रिक से तंत्र विद्या कराने के बाद वापस लौटी पत्नी की अदृश्य आत्मा ने लेखक को खूब सताया तो दर्शकों को हंसाया भी। रागेंद्र स्वरूप ऑडोटोरियम में अनुभूति नाट्य इकाई के रतन राठौर द्वारा निर्देशित नाटक अदृश्य में कलाकारों ने अपने अभिनय की खूब छटा बिखेरी। तंत्र विद्या के कारण वापस लौटी पूर्व मृत पत्नी अमृता (प्रिया वर्मा) ने अपने अभिनय से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। नाटक में उपन्यासकार संजीव (मुरारी गौड़), डॉ. अरूण (योगेन्द्र श्रीवास्तव) व उनकी पत्नी (श्रेया बनोधिया) की मदद से नया किरदार खोजने के लिये तांत्रिक मित्र (मीत कमल) व उनके सहयोगी (सौरभ) का सहारा लेता है।

नाटक का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

भाषा मस्तिष्क में उपजती है

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लैंग्वेजज की ओर से हिन्दी भाषा विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान भाषा संकाय के निदेशक डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि, हिंदी भाषा हमारी संस्कृति की वाहक है। भाषा सबसे पहले हमारे मस्तिष्क में उपजती है और उसके बाद वह लिखित रूप में हमारे सामने आती है।

मोहम्मद साहब ने महिलाओं बेटियों को इंसाफ दिलाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पड़ोसी को जरा भी तकलीफ हुई तो कयामत के दिन पकड़े जाओगे

अमृत विचार। जब महिलाओं-बेटियों पर जुल्म हो रहा था, अरब में बेटी के पैदा होते ही उसकी हत्या कर दी जाती थी। भारत में विधवाओं को पुरुष की चिता के साथ जला दिया जाता था। यूरोप में महिलाओं पर जुल्म होता था तब पैगंबर मोहम्मद साहब के पैगाम से समाज में बदलाव आया और बेटियों के साथ ही महिलाओं के प्रति लोगों का दृष्टिकोण बदला।

रविवार को खानकाहे हुसैनी में हजरत सैय्यद ख्वाजा दाता हसन सालार शाह रहमतुल्लाह अलैहे कर्नलगंज में पैगंबर मोहम्मद साहब के 1500 वें यौम ए विलादत पर जशन ईद मिलदुन्नबी का आयोजन किया गया जिसका आगाज हाफिज मोहम्मद असद ने कुरआन पाक की तिलावत करके किया। शोरा हजरात ने पैगंबर मोहम्मद साहब की शान में कलाम पेश किये। खादिम खानकाहे हुसैनी इखलाक अहमद डेविड चिश्ती ने जलसे को खिताब करते हुए कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने सभी मनुष्यों के प्रति प्रेम, भाईचारा, दया, सामान्यता और न्याय के सिद्धांतों की शिक्षा दी। दूसरे मजहब के मानने वालों के प्रति सहिष्णुता और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का पैगाम दिया। सूफी मोहम्मद हारुन तौस्वीं, अबुल हाशिम कश्फी, हाफिज मोहम्मद असद, मुनीर खान कादरी, मोईनउद्दीन चिश्ती, सैय्यद मोहम्मद इमरान, मोहम्मद फैजान अजहरी, कारी मोहम्मद हसीब, जुबैर सकलैनी, मोहम्मद अनवार नियाजी, शारिक वारसी थे।

जलसे को संबोधित करके मौलाना। अमृत विचार

स्वतंत्रता सेनानियों के वेश में बच्चों ने दिखाई देशभक्ति

श्रीराम एजूकेशन सेन्टर पनकी में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्रीराम एजुकेशन सेन्टर पनकी में आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्ले ग्रुप, एलकेजी और यूकेजी के छात्र-छात्राओं ने स्वतंत्रता सेनानियों का वेश धारण कर तालियां बटोरीं। बच्चों ने सरदार भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस समेत विभिन्न स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का वेश धरकर देशभक्ति की जोश भरा।

परेड श्रीरामलीला सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव गर्ग ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्ले ग्रुप में दो छात्रों ने प्रथम स्थान ख्याति, दर्शित उमराव, द्वितीय स्थान वामिका कटियार एवं तृतीय स्थान अन्वेश चौधरी ने प्राप्त किया।

एलकेजी ए के प्रथम स्थान पर अनाया सचान, द्वितीय स्थान पर तेजस राजावत एवं तृतीय स्थान आद्या मिश्रा ने प्राप्त किया। विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक परिधानों को धारणकर यूकेजी सी में जोया नसीम प्रथम, श्रीराम शुक्ला, अनाया दुबे द्वितीय एवं अर्श सिंह व राधिका अग्रवाल तीसरे स्थान पर रहे। प्रधानाचार्य अमित कुमार तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। विजयी छात्रों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिए गए।

डीपीएस में प्रस्तुति देते स्कूली बच्चे। अमृत विचार

डीपीएस में मना वरिष्ठ अभिभावक दिवस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर में वरिष्ठ अभिभावक दिवस मनाया गया। जिसमें प्री-नर्सरी से कक्षा एक तक के छोटे-छोटे बच्चों ने अपने दादा-दादी और नाना-नानी के सामने प्रस्तुति दी। छात्रों ने गीत-गायन, कविताओं आदि की प्रस्तुति दी। दादा-दादी द्वारा अंताक्षरी प्रस्तुत की गई जिसमें उन्होंने अपनी छिपी हुई प्रतिभा को दर्शाया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या शिल्पा मनीष, सीनियर मिस्ट्रेस प्रतिभा शुक्ला आदि अध्यापिकाएं रहीं।

श्याम के जैसा इस दुनिया में कोई दातार नहीं

कानपुर। श्री श्यामजी मित्र मण्डल की ओर से रविवार को मोतीझील लॉन में श्याम महोत्सव आयोजित हुआ। बाबा श्याम का भव्य शृंगार किया गया। भजन गायकों ने अपने भजनों से माहौल में उत्साह भर दिया। देर रात तक भक्त बाबा के भजनों में भावविभोर हो रहे थे। महोत्सव के दूसरे दिन की शुरुआत संदीप दीक्षित कानपुर की ओर से श्री श्याम प्रभु खाटू वाले के जीवन चरित्र पर आधारित श्री अखण्ड ज्योति पाठ के साथ हुई। ग्वालियर से आए आशीष शर्मा ने 'मेरी बिगड़ी बनाने वाला मेरा श्याम सांवरा है' एवं 'लगी श्याम संग प्रीत खाटु श्याम' गाकर सभी भक्तों को उत्साहित किया। इसके बाद फतेहाबाद से आईं परविन्दर पलक ने 'जो भी मांगों मिल जाता है करता कभी इन्कार नहीं, श्याम के जैसा इस दुनिया में कोई दाता नहीं' गाकर सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया।

सिटी डायरी

शिक्षकों का सम्मान किया गया। अमृत विचार

एनएलके ग्रुप ऑफ स्कूल्स में हुआ शिक्षकों का सम्मान

कानपुर। एनएलके ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा शिक्षक दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। चेयरमैन एमएन सबरवाल व डायरेक्टर अभिषेक चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह में विभिन्न शाखाओं से आए शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिसमे सुनीता त्रिपाठी, रंजन बनर्जी, ज्योति पांडेय, नीरू धिंगरा, मीनू अग्निहोत्री, श्वेता धवन, मोना सबरवाल व पीयूष गौड़ शामिल थे। दिल्ली के प्रसिद्ध सूफी बैंड ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जेके मंदिर से निकली कलश यात्रा। अमृत विचार

पितृपक्ष में भागवत कथा सुनने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती

कानपुर। सनातन साहित्य संगम की ओर से रविवार को कमला नगर स्थित जेके मंदिर में कथा का आयोजन हुआ। श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई। इस दौरान पीले वस्त्र धारण किए महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर मंदिर की परिक्रमा कर कलशों का विधि-विधान से पूजन कर स्थापना की। कथा में हमीरपुर के झलोखर आश्रम से आए आचार्य डॉ. सर्वेश द्विवेदी ने कथा वाचन किया। उन्होंने कहा कि पितृ पक्ष में भागवत कथा सुनने से पितृ और ऋषि ऋण से मुक्ति मिलती है। आचार्य ने तर्पण की अनिवार्यता को सनातन धर्म का प्रमुख कर्तव्य बताते हुए इसका महत्व समझाया। कहा कि पितृपक्ष में सभी को यथासंभव कर्मकांड करना चाहिए। कथा की शुरुआत में प्रधान परीक्षित दीपशिखा त्रिवेदी और उमाशंकर त्रिवेदी ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर प्रांगण में मौजूद रहे।

प्रशिक्षक व खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि।

प्रशिक्षकों व खिलाड़ियों को मिला खेल सम्मान

कानपुर। कानपुर मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से पनकी स्थित एक गेस्ट हाउस में सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें शहर का नाम राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय व प्रादेशिक खेलकूद में रोशन करने वाले 70 खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक पंडित भूधर नारायण मिश्रा, विशिष्ट अतिथि शिवम त्रिपाठी, बृजेश दुबे, गुरदीप सिंह, चिरंजीत सिंह ने खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। उन्हें शहर का गौरव बढ़ाने वाला बताया। कानपुर मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज शर्मा, सचिव विनय अवस्थी, कोषाध्यक्ष राजेश सिंह, शिव यादव, अंजली शर्मा, रक्षा चतुर्वेदी, अमर सिंह, यशवंत श्रीवास्तव, सुनील कुमार, मुकेश साहू आदि रहे।

जीतिया पूजा करतीं महिलाएं। अमृत विचार

महिलाओं ने रखा जीतिया व्रत

कानपुर। शहर में रविवार को महिलाओं ने जीतिया व्रत रखकर पुत्र के दीर्घायु होने की कामना की। इस दौरान सुबह से घरों में जीतिया माता का पूजन कर व्रत की शुरुआत की। शाम को महिलाओं ने नहरों की ओर से रुख किया। अर्मापुर छठ पूजा समिति की ओर से अर्मापुर नहर में पूजन की व्यवस्था की गई। शाम को महिलाओं ने अर्घ्य देकर संतान के लिए जीतिया तैयार की। विधान पूर्वक तैयार की गई जीतिया को पूजन के बाद महिलाओं ने संतान के गले में बांधा। प्रार्थना की गई कि इस विधान से जीतिया माता संतान पर अपने कृपा बरसाएंगी।

धर्म-अध्यात्म

रामलीला सोसाइटी परेड के तत्वावधान में श्री रामकथा का आयोजन

प्रभु राम के आदर्श अपनाने से ही रामराज्य : मंदाकिनी दीदी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

श्रीराम कथा कहतीं मन्दाकिनी दीदी।

अमृत विचार। भगवान श्रीराम की लीला में सामाजिक और आध्यात्मिक संदेश है। उनके आदर्श को अपनाने से ही रामराज्य आएगा। प्रभु ने यह संदेश दंडकारण्य में भ्रमण के दौरान दिया था। प्रभु ने वनवास के दौरान पशु, पक्षी, भीलनी शबरी, सभी को अपनाया। ये बातें दीदी मन मंदाकिनी ने रामलीला सोसाइटी परेड के तत्वावधान में मर्चेंट चैंबर हाल में आयोजित श्री रामकथा में कहीं।

उन्होंने कहा कि प्रभु की लीला में जो आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश है उसे यदि ग्रहण किया जाए तो निश्चित रूप से हमारे जीवन में रामराज्य की स्थापना आज से ही हो सकती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम और गोस्वामी तुलसीदास पर आक्षेप करने वाले चाहे वह जातिवाद का हो या पक्षपात और प्रताड़ना का हो केवल स्वार्थ के कारण समाज में ऐसी अनर्गल भ्रांतियां फैलाते हैं।

शूद्र गवार ढोल पशु नारी चौपाई के संबंध में दीदी मां ने कहा कि भगवान राम ने भी वनवासी शबरी को मां की तरह सम्मान दिया। प्रभु उनसे मिलने के लिए खुद आश्रम तक गए । प्रभु ने गिद्धराज जटायु को एक पक्षी के रूप में स्नेह ही नहीं बल्कि पिता के रूप में सम्मान भी दिया। प्रभु ने पक्षी के रूप में उनसे संवेदना और पशु प्रेम ही नहीं प्रदर्शित किया बल्कि उनका श्राद्ध किया। प्रभु की जो झांकी शबरी की कुटिया में प्रकट होती है ऐसा दिव्य अलौकिक दर्शन अन्यत्र कहीं कभी भी देखने को नहीं मिलता। शबरी के फल में न तो कामना की गुठली थी और ना ही प्रदर्शन का आडंबर झलक रहा था। विशुद्ध प्रेम भाव और रस से भरे फल प्रभु को अति प्रिय लगे। यदि हमारा मन निर्मल है और हृदय शुद्ध है तो प्रभु हमसे प्रेम अवश्य करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से सोसाइटी के अध्यक्ष महेंद्र मोहन गुप्त, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव गर्ग, प्रधानमंत्री कमलकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल , लाल जी शुक्ल, संरक्षक राकेश गर्ग, आलोक अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, मंत्री अमरनाथ मेहरोत्रा, रामबाबू अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

नहर में बहता दिखा महिला का शव

गंजमुरादाबाद उन्नाव, अमृत विचार : बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव रामदीन खेड़ा के पास शारदा नहर में ग्रामीणों ने एक शव तेज़ धारा में बहता देखा। नहर के समानांतर स्थित सड़क से गुजरने वाले राहगीरों ने बहते शव का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि अमृत विचार ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। फिर भी नहर में बहते शव की चर्चा आसपास के गावों में जोरों पर है। ग्रामीणों के अनुसार शारदा नहर में बहते देखा गया शव किसी महिला का है। वह काले रंग के कपड़े पहने है और शव कई दिन पुराना है। फिलहाल पुलिस शव ढूंढने के लिए नहर खंगालने में जुटी है।

गंगा में कूदते बच्चों का वीडियो वॉयरल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नवीन पुल से गंगा नदी में बच्चों के छलांग लगाने का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वॉयरल हो गया। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ बच्चे पुल पर पहुंचकर पहले डिवाइडर फिर रेलिंग पर चढ़े और बिना किसी डर के एक-एक कर गंगा में छलांग लगा दी। खास बात यह रही कि सभी बच्चे छलांग लगाने के बाद तैरकर बाहर भी निकलते दिखे। वहीं पुल से गुजरने वाले राहगीरों ने भी बच्चों को रोकने की कोशिश नहीं की और न ही किसी जिम्मेदार ने ध्यान दिया। इस तरह की लापरवाही से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि वॉयरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

कांग्रेसियों ने बाढ़ पीड़ितों को बांटे लंच पैकेट

उन्नाव, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान व कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी के संयोजन में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष जंग बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष संगठन चंद्र प्रकाश शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमत सिंह, महामंत्री अजय गौतम, सेवादल जिलाध्यक्ष विश्वास निगम, कार्यालय सचिव महेश सहित एक दर्जन कांग्रेसियों ने ग्रामीणों की मदद से करीमाबाद, प्यारेपुर, विक्रम खेड़ा व दो अन्य मजरों में लंच पैकेट वितरित किए।

महिला को जहरीले कीड़े ने काटा, भर्ती

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : नवाबगंज विकासखंड क्षेत्र के जैतीपुर गांव निवासी अंजू (35) पत्नी बनवारी रविवार दोपहर 2 बजे घर के बाहर घास साफ कर रही थी। तभी उसे जहरीले कीड़े ने काट लिया। जानकारी होने पर परिजन पहले एक गांव में झाड़फूंक कराने ले गए। लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि महिला का इलाज किया जा रहा है। वह खतरे से बाहर है। फिर भी निगरानी के लिए उसे भर्ती रखा गया है।

डंपर की टक्कर से युवक की हुई मौत

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मौलवी खेड़ा गांव निवासी अवधेश रावत (28) पुत्र कुंवर लाल शनिवार रात साढ़े 8 बजे ऊंचा द्वार में काम करने के बाद बाइक से घर जा रहा था। तभी मोहान अजगैन मार्ग पर गैस एजेंसी के सामने तेज रफ्तार डंपर उसे पीछे से टक्कर मारते हुए भाग गया। जिससे बाइक सवार गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को सीएचसी ले गई। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अवधेश मजदूरी कर परिवार पालता था। प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार ने बताया कि हादसे में युवक की मौत हुई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

चोरी करने वाले पांच आरोपी गए जेल

उन्नाव,अमृत विचार : सदर कोतवाली अंतर्गत मगरवारा चौकी क्षेत्र के मसवासी गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधान शिक्षिका अमिता शुक्ला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि बीती रात विद्यालय की रसोई का ताला तोड़कर चोर बच्चों के मध्याह्न भोजन बनाने के लिए रखा गैस सिलेंडर, बर्तन व थालियां उठा ले गए। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। रविवार को कोतवाली प्रभारी संजीव कुशवाहा व दरोगा अरविंद पांडेय ने मगरवारा के आगे नाले की पुलिया के पास से विशाल पुत्र सालिगराम, नन्हा उर्फ राजा पुत्र ब्रजमोहन, सचिन उर्फ लल्लू मसवासी सदर कोतवाली, अनुराग उर्फ गोलू पुत्र छत्रपाल निवासी बिलसी रऊ करना थाना माखी व दीपेश नेवरना अचलगंज को पकड़ लिया।

सरकारी आदेश का उड़ रहा मखौल मात्र 8 घंटे मिल रही विद्युत सप्लाई

अधिशासी अभियंता बोले- दैवीय आपदा के चलते एरा भदियार पवार हाउस बंद है

संवाददाता,परियर उन्नाव

अमृत विचार : सफीपुर विद्युत उपखंड के परियर क्षेत्र में बीते तीन वर्ष से सरकार की मंशा के अनुसार विद्युत आपूर्ति नहीं मिल रही हैं। मुश्किल से 4 से 8 घंटे सप्लाई मिलती हैं। उसमें भी घंटे भर में 8 से 10 बार ट्रिप करती हैं। वोल्टेज भी 50 से 90 के बीच आता है। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार तीन वर्षों से शिकायत की जा रही है किंतु अभी तक कोई लाभ नहीं मिला है। इस संबंध में बांगरमऊ अधिशासी अभियंता राजनाथ यादव ने बताया कि परियर क्षेत्र में अभी दैवीय आपदा के चलते एरा भदियार पवार हाउस बंद है। वहां भी कुछ घंटे सप्लाई देनी पड़ती है। कुछ दिनों की बात है फिर सरकार की मंशानुसार आपूर्ति की जाएगी। परियर, सैदापुर, बीबीखेड़ा, जमाल नगर, न्यामतपुर, मरौंदा सुचित, मरौंदा मझवारा, पनपथा, लालतू पुरवा, देवीपुरवा, बंधन पुरवा, माना बंगला सहित क्षेत्र में आधा सैकड़ा गावों के लोगों को कुछ त्योहार व चुनाव को छोड़कर सरकार की मंशानुसार आपूर्ति नहीं मिल रही है। नीरज, मनमोहन, रामजी, अलोक आदि ने बताया कि बिजली घर का सरकारी नंबर अधिकांश आउट ऑफ कवरेज बताता है। कई बार शिकायत पर भी कोई सुधार नहीं हुआ है।

10 वर्ष में सबसे अधिक खराब स्थित इस समय है

अमन शर्मा।

अमन शर्मा ने बताया कि बीते 10 वर्षों से भी खराब स्थित हो गई है विद्युत सप्लाई की। पावर हाउस का नंबर तक कोई नहीं उठाता। जब अधिकारियों के नंबर मिलाओ तो बताते हैं कंट्रोल रूम में मिलाओ।

मात्र 4 से 8 घंटे मिल रही सप्लाई

डॉ. अनुराग।

डॉ. अनुराग राठौर ने बताया कि बीते कई वर्षों से क्षेत्र में विद्युत सप्लाई की स्थित बहुत खराब है। मुश्किल से 4 से 8 घंटे सप्लाई मिलती है। जिसमें लो वोल्टेज व हर 5 से 10 मिनट पर ट्रिपिंग होती है।

2017 से पहले अच्छी मिलती थी बिजली

मनमोहन।

मनमोहन ने बताया कि इससे अच्छी बिजली वर्ष-2017 से पहले मिलती थी। अब परियर में कई वर्षों से विद्युत आपूर्ति न के बराबर होती है। यदि किसी अधिकारी से शिकायत करो तो लाइन मेंटीनेंस की नोटिस जारी कर हफ्तों आपूर्ति बंद कर दी जाती है।

गावों में 18 घंटे सप्लाई का सरकारी वादा झूठा

शिवा राजपूत।

शिवा राजपूत ने बताया कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को 15 से 18 घंटे विद्युत सप्लाई का वादा झूठा साबित हो रहा है। परियर क्षेत्र के गावों में ठीक से तीन घंटे भी आपूर्ति नहीं मिल रही है।

कई फीडरों की 3 घंटे गुल रहेगी बत्ती

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। सोमवार को 33/11 केवी उपकेंद्र शुक्लागंज का नियमित परीक्षण किया जाएगा। विद्युत विभाग के अनुसार परीक्षण कार्य के चलते उपकेंद्र से जुड़े 11 केवी फीडर नंबर 2, 3 और 5 की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली कटौती प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक लगभग छह घंटे तक रहेगी। इस दौरान उपभोक्ताओं को आपूर्ति न मिलने से प्रभावित क्षेत्रों में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद ने दी। इसी तरह 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र मगरवारा (गोकुलबाबा) में नियंत्रण कक्ष की छत व दीवारों की मरम्मत और रंगाई-पुताई के चलते सोमवार को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खंड-द्वितीय के अनुसार, उपकेंद्र से जुड़े सभी 11 केवी फीडरों शुक्लागंज प्रथम, गायत्री नगर, नेहरू बाग, मगरवारा औद्योगिक एवं मगरवारा ग्रामीण की बिजली सुबह 7 बजे से 10 बजे तक बंद रहेगी। इस दौरान अंबिकापुरम, गांधी नगर, सर्वोदयनगर, कंचन नगर, रहमत नगर, गायत्री नगर, आदर्श नगर, नेहरू बाग, नाथू खेड़ा, मगरवारा समेत करीब दो दर्जन मोहल्लों और गांवों की आपूर्ति बाधित होगी।

रानी शंकर सहाय स्कूल का मना 70वां स्थापना दिवस

रानी शंकर सहाय की मूर्ति पर माल्यार्पण करतीं प्रधानाचार्या रुचि श्रीवास्तव व अन्य।

उन्नाव, अमृत विचार: रानी शंकर सहाय बालिका इंटर कॉलेज का 70वां स्थापना दिवस समारोह रविवार को मनाया गया। प्रधानाचार्य रुचि श्रीवास्तव, शिक्षिका प्रीति पटेल, हरजिंदर वालिया, गौसिया खान, ज्योति अस्थाना, अनुराधा श्रीवास्तव, कविता पांडे, गरिमा शुक्ला, शुभी सिंह, विनीता, अंजली, साधना, अभिषेक त्रिपाठी आदि ने रानी शंकर सहाय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसमें बताया गया कि राजा शंकर सहाय के बेंटों कुंवर गुरु नारायण सेठ, हृदय नारायण सेठ आदि ने 22 सितंबर 1946 को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज की स्थापना की थी। वहां लड़कियों की शिक्षा न होने के कारण 14 सितंबर 1956 को राजा शंकर सहाय की पत्नी रानी शंकर सहाय के नाम से इसकी स्थापना की थी। राजा शंकर सहाय के पौत्र दिनेश नारायण सेठ ने 14 सितंबर 2006 को रानी शंकर सहाय की मूर्ति की स्थापना की थी। कारण यह था कि रानी शंकर सहाय का जन्म 14 सितंबर 1894 हुई था। इसमें प्रधानाचार्य सहित सभी शिक्षिकाओं व कर्मचारियों ने रानी शंकर सहाय की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

साहब! नहीं मानेंगे यातायात के नियम

गांधी नगर तिराहा के पास बिना नंबर व हेलमेट के जाता पुलिस कर्मी।

उन्नाव, अमृत विचार: जिले के कप्तान दीपक भूकर ने यातायात नियमों का गंभीरता से पालन कराने की मंशा से सभी के लिये (आम हो या खास) एक नियम लागू करने के निर्देश दे रखे हैं। इसके पीछे मानना है कि अधिकारियों-कर्मचारियों के नियम पालन करने से आमजन में पुलिस की छवि अच्छी होगी। इसके चलते लगातार सख्ती बरती जा रही है लेकिन, यह सख्ती सिर्फ आमजन तक ही सीमित है। क्योंकि उनके विभाग के ही कुछ कर्मचारी इन आदेशों को धता बताते हुए खुलेआम इनकी धज्जियां उड़ा रहे हैं। वाक्या है शनिवार दोपहर का जब एक पुलिस कर्मी अपनी बिना नंबर की बुलेट बाइक पर बिना हेलमेट लगाए शहर के गांधी नगर तिराहा जहां पुलिस व यातायात विभाग की पूरी टीम तैनात रहती है वहां से सभी निर्देशों को दरकिनार कर बेखौफ होकर गुजर गया और उस पर कार्रवाई करना तो दूर किसी ने उसकी ओर देखा तक नहीं? इसे लेकर यातायात निरीक्षक सुनील सिंह ने बताया कि नियम सबके लिए एक है। जो भी यातायात नियमों का उल्लंघन करेता है उस पर कार्रवाई की जाती है।

शिक्षकों ने डिप्टी सीएम से सुप्रीम कोर्ट फैसले में संशोधन की मांग की

- शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर बेसिक शिक्षकों में असमंजस और अवसाद

संवाददाता,उन्नाव

उपमुख्यमंत्री को भगवान राम का चित्र देते शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

अमृत विचार : यूपी जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र, महामंत्री रामजन्म सिंह व कोषाध्यक्ष सरल कुमार के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मिला।

प्रधानमंत्री व केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन देते हुए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 1 सितंबर 2025 को शिक्षक पात्रता परीक्षा के विषय में देश के बेसिक शिक्षकों के संबंध में दिए निर्णय पर अध्यादेश लाकर संशोधित किये जाने की मांग की। शिक्षक नेताओं ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सेवारत शिक्षकों को जिनकी सेवा अवधि 5 वर्ष से अधिक है उनको शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के आदेश दिए गए हैं। जबकि उसी आदेश में 3 सितंबर 2001 तक के नियुक्त शिक्षकों को मुक्त करने की बात कही गई है। साथ ही आदेश के अन्य भाग में 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भी शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त करने की बात की है।

केशव से मिले प्रतिनिधि मंडल ने जताई चिंता

आदेश में यह भी कहा गया है कि शिक्षा अधिकार अधिनियम व संशोधित अधिनियम 10 अगस्त 2017 के अनुसार देश के सभी बेसिक शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण किया जाना है। इन स्थितियों से देश व प्रदेश का बेसिक शिक्षक नौकरी जाने के भय से परेशान व अवसाद ग्रस्त है। जबकि देश व प्रदेश में सेवारत सभी बेसिक शिक्षकों को तत्समय विभाग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों व योग्यता को पूर्ण करते हुए नियुक्त किया गया था। शिक्षक पात्रता परीक्षा एनसीटीई द्वारा 23 अगस्त 2010 को अधिसूचना जारी की गई व शिक्षा अधिकार अधिनियम 2011 में लागू किया गया। ऐसे में उपरोक्त अधिसूचनाओं के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा में लाना उचित नहीं है तथा देश के करीब 40 लाख शिक्षक और उनके परिवार प्रभावित होंगे। केवल उत्तर प्रदेश में ही लगभग 4 लाख शिक्षक प्रभावित होंगे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनका ज्ञापन प्रधानमंत्री व केंद्रीय शिक्षा मंत्री तक पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने इसमें पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा उप मुख्यमंत्री को भगवान राम का चित्र भी भेंट किया। प्रतिनिधि मंडल में संरक्षक राघवेंद्र सिंह, उमेश चंद्र, अनूप शुक्ला, विवेक सिंह, सुरेश कुमार, अनिल दिवाकर, अरविंद शुक्ला, सरल कुमार, वरुण सिंह आदि उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस पर साहित्यकारों का हुआ सम्मान

संवाददाता,उन्नाव

साहित्यकार कवि डॉ. महेश चंद शुक्ला को सम्मानित करते आयोजक। अमृत विचार

अमृत विचार: स्थानीय महात्मा गांधी पुस्तकालय में हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें जिले के वयोवृद्ध साहित्यकार कवि डॉ. महेश चंद्र शुक्ल को अतुल मिश्र व कवि व कहानीकार नसीर अहमद को कमला शंकर अवस्थी की स्मृतियों में निराला शिक्षा निधि व साहित्य भारती की ओर से हिंदीसेवी जनपदीय सम्मान से अलंकृत किया गया। इसमें जिले के अनेक साहित्यकार, कवि व वक्ताओं ने हिंदी भाषा व साहित्य की ज्वलंत समस्याओं पर विचार व्यक्त किए। अनेक कविओं ने हिंदी पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। वक्ताओं व कवियों में दिनेश प्रियमन, सरल, शैलेन्द्र द्विवेदी, केके मिश्र, विवान दीक्षित, पंकज दीक्षित, मृदुल, सचिन, अनिल वर्मा, योगेश दीक्षित, पीके मिश्रा, सरोज, संजीव श्रीवास्तव, ऋषभ बाजपेई, मोहित वर्मा आदि रहे। संचालन डॉ. रामनरेश ने किया। धन्यवाद तनुज अवस्थी व शरद मिश्र ने ज्ञापित किया। सम्मानित अतिथियों को श्रीराम सिंह, अमरेंद्र सिंह आदि ने प्रतीक चिन्ह देकर शाल व माला पहनाई।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की हुई मौत

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार: अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव कुसुम्भी में किसान की इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया गया कि छेदी बाबू (58) अपने खेत में खाद डालकर शाम साढ़े 5 बजे लौट रहा था। तभी दो रेलगाड़ियां दोनों ट्रैक पर आने से वह स्थिति को समझ नहीं पाया और लखनऊ से कानपुर जा रही ट्रेन से टकरा गया। इसमें उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसकी मौत की खबर से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। पत्नी आशा, बेटा अखिलेश, अंकित व बेटी नेहा गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बहन की मृत्यु के वियोग में युवक गंगा में कूदा, गोताखोरों ने बचाया

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: अजगैन निवासी राजेश अपनी बहन के अंतिम संस्कार के बाद आत्महत्या का प्रयास करने पहुंचा नजदीकी श्मशान घाट पर गंगा में छलांग लगा दी। रविवार दोपहर करीब सवा बारह बजे नबावगंज थाना क्षेत्र के हरचंदपुर निवासी उसकी बहन का निधन हुआ। परिजन और ग्रामीण मिश्रा कॉलोनी स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए इकट्ठा हुए।क्रिया पूरी कर परिजन और अन्य लोग पक्के घाट पर गंगा स्नान के लिए पहुंचे ही थे कि वियोग के बीच नशे की हालत में बताया जा रहा राजेश अचानक गंगानदी में छलांग लगा दिया। घटना देख डर के मारे लोगों ने शोर मचाया और मौके पर मौजूद गोताखोर पहुंचकर उसे पानी से निकालकर बचा लिया। गोताखोरों ने समय रहते कार्रवाई कर उसकी जान बचाई। बचाए जाने के बाद राजेश ने दोबारा आत्महत्या की धमकी दी तथा पुनः छलांग लगाने का प्रयास किया, जिससे परिजन घबरा गए। सुरक्षा के मद्देनजर परिजनों ने उसकी हाथ-पाँव रस्सी से बांधकर नियंत्रित किया और बाद में उसे ट्रैक्टर पर बैठाकर अपने साथ ले गए।

एक साथ रहने को राजी हुए 29 जोड़े

उन्नाव, अमृत विचार। एसपी दीपक भूकर के निर्देश पर जिले के सभी थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। इसमें परिवार परामर्शदाताओं व महिला हेल्पडेस्क की टीम ने उनकी काउंसिलिंग कर उनके विवाद खत्म कराए और खुशी-खुशी विदा किया।इसमें परिवार परामर्श केंद्र पुरवा से 5, महिला थाना से 5, थाना औरास से 4, थाना पुरवा व अचलगंज से 3-3, थाना गंगाघाट व बांगरमऊ से 2-2, थाना बिहार, कोतवाली सदर, आसीवन व सोहरामऊ से 1-1 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया।

पुलिस ने महिला समेत चार को उठाया

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गैर जनपद की पुलिस ने करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में लगातार दूसरे दिन कंचन नगर में छापेमारी कर सनसनी फैला दी। आरोप है कि गिरोह शादी का झांसा देकर युवतियों और उनके परिवारों से मोटी रकम हड़पता था। शुक्रवार शाम बाहरी पुलिस दो वाहनों से कंचन नगर पहुंची और एक घर पर दबिश दी। शुक्रवार को भी पुलिस ने इसी मोहल्ले से एक तथाकथित अधिवक्ता को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से लाखों रुपये बरामद हुए थे। उसकी निशानदेही पर शनिवार को फिर छापा मारा गया। पुलिस ने आरोपी युवक के घर से नगदी और जेवरात बरामद किए तथा उसकी पत्नी, किरायेदार युवक-युवती और पड़ोस में रहने वाले एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

सपा कार्यकर्ताओं ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा, बांटी राहत सामग्री

संवाददाता,शुक्लागंज, उन्नाव

बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री देते जिला सचिव व कार्यकर्ता। अमृत विचार

अमृत विचार : नगर पालिका गंगाघाट क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने रविवार को दौरा कर पीड़ितों की मदद की। जिला अध्यक्ष राजेश कुमार यादव के निर्देश पर जिला सचिव शुभ गुप्ता और छात्रसभा नगर अध्यक्ष हिमांशु गौतम कार्यकर्ताओं संग कटरी क्षेत्र पहुंचे।कार्यकर्ताओं ने ग्राम पीपरखेड़ा, मझरा पीपरखेड़ा, गंगानगर, ठाकुरखेड़ा सहित कई बाढ़ग्रस्त गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और राहत सामग्री वितरित की। सपा नेताओं ने कहा कि संकट की इस घड़ी में पार्टी पीड़ितों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। दौरे में अवधेश यादव, विशाल शर्मा, उदय गौतम, पीयूष, आयुष सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवक को पीटने का मामला सोशल मीडिया में वायरल, जांच के आदेश

संवाददाता,शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंचन नगर निवासी युवक को पुलिस कर्मियों द्वारा पीटे जाने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। शनिवार देररात कंचन नगर निवासी आकाश गुप्ता मरहला चौराहे के पास स्थित अपने मुसाफिर कैफे पर दुकान बढ़ाने के बाद पीछे जमा बाढ़ का पानी निकाल रहे थे। इसी दौरान दो पुलिस कर्मी पहुंचे और दुकान खुली देख कथित रूप से गाली गलौज करते हुए युवक से मारपीट करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि बिना किसी वजह के पुलिस कर्मियों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। घटना के बाद नगर के समाज सेवियों और युवाओं ने इस प्रकरण को सोशल मीडिया पर उठाया। एक्स, फेसबुक सहित अन्य प्लेटफार्मों पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। पोस्ट वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीओ सिटी को जांच सौंपी है। इस बाबत सीओ सिटी दीपक यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

महामारी का डर | **जलस्तर घटने के बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ा**

24 घंटे में 39 सेंटीमी. घटा गंगा का जलस्तर

संवाददाता,शुक्लागंज,उन्नाव

जलस्तर घटने के बाद गोताखोर में फैली गंदगी। ऊअमृत विचार

अमृत विचार: गंगा का जलस्तर घटने के बाद भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। तीन दिनों से लगातार जलस्तर में गिरावट दर्ज की जा रही है, मगर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के तीन दर्जन से अधिक मोहल्लों और गांवों में अब भी पानी भरा हुआ है। इससे गलियों और घरों में गंदगी का अंबार जमा हो गया है और लोगों को संक्रामक बीमारियों का खतरा सताने लगा है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार शनिवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 112.760 मीटर से घटकर रविवार शाम छह बजे 112.370 मीटर रह गया। चौबीस घंटे में कुल 39 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, गंगा अभी भी चेतावनी बिंदु से ऊपर बह रही है, जिससे लोगों की चिंताएं कम नहीं हो पाई हैं। बीते दिनों गंगा का जलस्तर 113 मीटर से ऊपर पहुंच गया था, जिससे आजाद नगर, शारदा नगर, नई बस्ती, श्रीनगर, गंगानगर, गायत्री नगर, भातू फार्म, अंबिकापुरम, गोताखोर, शाही नगर, मोहम्मद नगर, कर्बला, हुसैन नगर, सैय्यद कंपाउंड, चंपापुरवा, तेजीपुरवा और मनसुखखेड़ा सहित करीब तीन दर्जन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी भर गया। जलस्तर घटने के बाद पानी गलियों से उतरना शुरू हुआ, लेकिन गंदगी, कीचड़ और काई की मोटी परत जमा होने से स्थिति और खराब हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदे पानी और बदबू के बीच रहना मजबूरी बन गया है। जलभराव और गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया, टायफाइड और हैजा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। सैकड़ों घरों में रहने वाले लोग गंदे पानी से होकर आने-जाने को विवश हैं। क्षेत्रीय लोगों ने पालिका प्रशासन से सफाई और दवा छिड़काव की मांग की है।

मुफ्त नेत्र शिविर में 125 मरीजों की हुई जांच

संवाददाता, शुक्लागंज उन्नाव

शिविर में जांच करते नेत्र परीक्षक व 50 को दिए चश्मे। अमृत विचार

अमृत विचार: जनता कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में रविवार को गांधी नगर स्थित एक विद्यालय में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे और नेत्र परीक्षण का लाभ लिया। शिविर में विशेषज्ञ नेत्र परीक्षक तुषार कुमार ने मरीजों की आंखों की जांच की और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी। समिति की ओर से बताया गया कि कुल 125 मरीजों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 50 मरीजों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। समिति के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य लोगों को समय पर नेत्र रोगों से बचाव एवं उपचार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान नगर में नेत्र परीक्षण की सुविधा मिलने से मरीजों ने संतोष जताया। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। आयोजन में हरी गुप्ता, कमल साहू, अभयराज गुप्ता, मनोज निषाद, अजय कुमार, नरेन्द्र कुमार, पंकज तिवारी, धर्मेन्द्र दत्त, दीपक खरे, संगीता सोनवानी, अजीत दीक्षित और एस.के. गौतम सहित कई लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

सोमवार, 15 सितंबर 2025

अच्छे चरित्र का निर्माण करना ही छात्रों का मुख्य कर्तव्य होना चाहिए।
– नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

मणिपुर में शांति की राह

मणिपुर, जो अपनी सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, पिछले कई वर्षों से असामाजिक गतिविधियों, जातीय संघर्षों और हिंसा की आग में झुलस रहा है। इस संकट ने न केवल राज्य की सामाजिक संरचना को तोड़ा है, बल्कि आर्थिक प्रगति की राह को भी बाधित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया संदेश है कि हिंसा छोड़कर शांति और समृद्धि की राह पर आगे बढ़ें, इस घाव से जूझ रहे राज्य के लिए आशा की किरण है। किसी भी राज्य की प्रगति की पहली शर्त शांति है। मणिपुर की स्थिति यह स्पष्ट करती है कि विकास योजनाएं और सरकारी प्रयास तभी सफल होंगे जब लोगों के दिलों से भय और असुरक्षा का माहौल मिटे। प्रधानमंत्री ने प्रभावित परिवारों से मिलकर यह संकेत दिया कि केंद्र सरकार उनके साथ खड़ी है। यह संवेदनशील पहल मणिपुर के आम नागरिकों में विश्वास बहाल करने का प्रयास है। मणिपुर में वर्षों से चले आ रहे संघर्ष ने हजारों लोगों को विस्थापित किया है। बच्चों की शिक्षा बाधित हुई है, महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं और युवाओं की ऊर्जा हथियार उठाने में खर्च हो रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री का यह आह्वान कि सभी संगठन हथियार छोड़कर संवाद और सहयोग की राह अपनाएं, सही मायनों में स्थायी समाधान की दिशा में एक कदम है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी स्पष्ट किया कि मणिपुर के लिए कई विकास परियोजनाएं तैयार हैं। 17,300 करोड़ रुपये से अधिक की आधारशिला रखी जा चुकी है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करेगी। यह निवेश न केवल रोजगार पैदा करेगा, बल्कि राज्य की मुख्यधारा से जुड़ाव को भी सुनिश्चित करेगा। मणिपुर जैसे संवेदनशील राज्य में शांति स्थापित करना केवल एक राजनीतिक या प्रशासनिक चुनौती नहीं है। यह एक सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। केंद्र सरकार ने प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिया है, लेकिन केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है कि राज्य सरकार, सुरक्षा बल, सामाजिक संगठन और स्थानीय नेतृत्व मिलकर ठोस रणनीति बनाएं। पुनर्वास, शिक्षा और रोजगार सृजन जैसे प्रयासों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि हिंसा की ओर जाने वाले युवाओं को सही दिशा मिल सके। इसके लिए जरूरी है कि सभी जातीय समूहों के बीच संवाद की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए। असहमति और मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन इन्हें हिंसा में बदलने देना पूरे समाज के लिए आत्मघाती कदम है। प्रधानमंत्री का यह संदेश कि शांति और समृद्धि मणिपुर का अधिकार है, केवल राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए। भारत जैसे बहुलतावादी समाज में किसी भी राज्य की पीड़ा पूरे राष्ट्र की पीड़ा है। अगर मणिपुर फिर से हिंसा की राह पर जाएगा तो यह न केवल वहां के नागरिकों, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के विकास को प्रभावित करेगा। इसलिए मणिपुर के लिए शांति और विकास केवल विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मणिपुर में हिंसा से उपजी पीड़ा गहरी है, लेकिन इससे उबरने की संभावना भी उतनी ही मजबूत है। केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयास, स्थानीय संगठनों की सहभागिता और सबसे बढ़कर आम नागरिकों का संकल्प, इस राज्य को नई दिशा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री का यह आह्वान एक शुरुआत है अब जिम्मेदारी मणिपुर के नागरिकों और नेतृत्व पर है कि वे इस अवसर को शांति और समृद्धि की नींव में बदलें।

प्रसंगवश

डीप टेक से सशक्त होता भारत

15 सितंबर का दिन भारत में अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो केवल इंजीनियरों के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि उन असंख्य विचारों, प्रयासों और तकनीकी नवाचारों का उत्सव है, जिन्होंने भारत को आधुनिकता की राह पर अग्रसर किया है। इस वर्ष अभियंता दिवस का विषय है 'डीप टेक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टताः भारत के टेकएड को आगे बढ़ाना।' यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है, क्योंकि भारत आज तकनीकी नवाचार के नए युग में प्रवेश कर चुका है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, जैव-इंजीनियरिंग और नैनो टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में डीप टेक समाधान देश की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान बन रहे हैं।

अतुल गोयल

लेखक

भारत की इंजीनियरिंग यात्रा की नींव उन दूरदर्शी अभियंताओं ने रखी थी, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद निर्माण, विकास और आत्मनिर्भरता का सपना देखा। इनमें सबसे प्रेरणादायी नाम है मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का, जिन्हें आधुनिक भारत का विश्वकर्मा कहा जाता है। आज जब हम डीप टेक की बात करते हैं तो जल प्रबंधन, स्मार्ट सिटी निर्माण, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरणीय संकटों का समाधान जैसे क्षेत्र उसी दूरदृष्टि की अगली कड़ी हैं, जिनकी शुरुआत विश्वेश्वरैया जैसे महान अभियंताओं ने की थी।

आज भारत में स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और विज्ञान आधारित समाधान उसी विरासत का विस्तार हैं। वर्तमान समय में डीप टेक उन समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र बिंदु बन चुका है, जिनका सामना पारंपरिक तकनीकें नहीं कर पा रही थी। उदाहरण के लिए जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, स्वास्थ्य सेवाओं में पहुंच, कृषि उत्पादकता में गिरावट, शहरीकरण और आपदा प्रबंधन जैसी समस्याएं अब तकनीकी रूप से जटिल, लेकिन संभव समाधान की मांग करती हैं। भारत सरकार की नीति के तहत 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे कार्यक्रम डीप टेक को अपनाकर नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इंजीनियरों की भूमिका अब केवल मशीनें बनाने या संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे डेटा विश्लेषण, स्वचालन, एआई आधारित निर्णय प्रणाली, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और सटीक चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में नए समाधान विकसित कर रहे हैं।

आज भारत के युवा अभियंता डीप टेक की दिशा में कई उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्वास्थ्य उपकरण, ड्रोन तकनीक से कृषि उत्पादकता में सुधार, स्मार्ट ग्रिड के जरिए ऊर्जा का बेहतर वितरण और थ्रीडी प्रिंटिंग से निर्माण सामग्री का नवाचार, ये सभी पहल तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण हैं। न केवल बड़े शहरों में बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंजीनियर नई तकनीकों का उपयोग कर जल संरक्षण, सौर ऊर्जा और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। डीप टेक का अर्थ केवल जटिल एल्गोरिदम या बड़े उपकरण नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, अनुसंधान, वैज्ञानिक सोच, प्रयोग और व्यावहारिक कार्यान्वयन का संयोजन है। विज्ञान का उद्देश्य जानना है जबकि इंजीनियरिंग का उद्देश्य करना, यही बात अमेरिकी इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कही थी। विश्वेश्वरैया जैसे महान अभियंताओं की प्रेरणा से आज के युवा इंजीनियर भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्हें चाहिए ज्ञान, अनुशासन, नवाचार और सेवा का समन्वय ताकि भारत तकनीकी विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके। डीप टेक की राह में चलकर इंजीनियर न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक नई तकनीकी शक्ति के रूप में देश की पहचान स्थापित कर रहे हैं। यही इस दिवस का संदेश है, ज्ञान से नवाचार, नवाचार से सेवा और सेवा से समृद्ध भारत।

बढ़ती न्यायिक सक्रियता 'सिस्टम' की विफलता

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

सुदृढ़ प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए शक्तियों का पृथक्करण अपरिहार्य होता है। विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका लोकतंत्र के "मेरुदंड" माने जाते हैं। विधायिका कानून बनाती है। कार्यपालिका नीतियां/प्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए उक्त नियमों को लागू करती है। न्यायपालिका कानूनों की व्याख्या करती है, न्याय तक पहुंच प्रदान करती है। उक्त जानकारी तो सामान्य, किंतु विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका का आपसी खींचतान असामान्य। प्रजातंत्र के तीनों स्तंभ वर्चस्व/अहम का शिकार होते दिख रहे हैं। कहीं मंत्री व नौकरशाह तो कहीं नीति-नियंता व न्यायपालिका अपने को सर्वश्रेष्ठ साबित करने व एक-दूसरे से नूरा कुश्ती लड़ते दिख रहे हैं।

भारत में बढ़ती न्यायिक सक्रियता यह जताने को काफी है कि विधायिका व कार्यपालिका कदाचित वह कर पाने में विफल है, जिसकी अपेक्षा न्यायपालिका कर रही। अहम यह भी है कि विधायिका को कहीं दिशाभ्रम तो नहीं हो रहा? कार्यपालिका पटरी की जगह कहीं और तो नहीं दौड़ने लगी है?

न्यायपालिका "सुपर संसद" तो नहीं बनना चाहती? न्यायिक सक्रियता ने कहीं "न्यायिक अतिक्रमण" की राह तो नहीं पकड़ ली है? सरकार के नीतिगत मामलों में अवांछित दखल तो नहीं दे रही? प्रजातंत्र में जनता एक निश्चित अवधि के लिए अपना प्रतिनिधि चुनती है। ये प्रतिनिधि ही विधायिका के क्रियाकलापों सरकार की गतिविधियों के मूल में होते हैं, लेकिन जनता के नुमाइंदे या नीति-नियंता ही जब अपनी भूमिका के प्रति उदासीन हो जाएं तो लोकतंत्र का प्रभावित होना लाजिमी। जनता के मन में यह सवाल घर करने लगा है कि उनके प्रतिनिधि कहीं "खोटे सिक्के" तो साबित नहीं हो रहे। "राइट टू रिकाल" की अवधारणा ने भी अब जन्म लेना शुरू कर दिया है। राइट टू रिकाल पद्धति में जनता अपने चुने प्रतिनिधि को निश्चित समयावधि से पहले मतदान प्रक्रिया के जरिए हटा सकती है। इसका सीधा अर्थ यह कि राजनीतिज्ञ जिन वादों के साथ सत्ता में आते हैं और उनको पूरा नहीं कर पाते तो उन्हें पद छोड़ना ही पड़ेगा। जान लें, मध्य प्रदेश व राजस्थान में नगर निकाय चुनाव में उक्त व्यवस्था लागू है। विधायिका की मजबूती के लिए राइट टू रिकाल व्यवस्था अब समीचीन लगने लगी है।

न्यायिक सक्रियता का एक बड़ा कारण "बेलगाम नौकरशाही" भी है। लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, पक्षपात, अहंकार, अभिजात्य के लिए कुख्यात हो चुकी भारतीय नौकरशाही से मजबूत लोकतंत्र की आस करना "मूसल में सिर रखने" के मानिंद। प्रगति, कल्याण, सामाजिक परिवर्तन, कानून व्यवस्था व सुरक्षा की थीम से आज के अधिकांश नौकरशाह काफी दूर हो चुके हैं। जनता के टैक्स से वेतन-भत्ते लेने व भोग-विलास वाला जीवन जीने वाले अधिकांश दंभी नौकरशाह अपने को जनता का सेवक नहीं वरन स्वामी मान चुके हैं।

अब बात कर लें, लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तम्भ न्यायपालिका की। निचली अदालतों व जिला अदालतों में राज्यों की लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित जज ही निर्णयकर्ता होते हैं। उच्च न्यायालयों व सुप्रीम कोर्ट के अधिकांश न्यायाशीधों का चयन कोलेजियम प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। ये न्यायाधीश ही न्यायिक सक्रियता के भी पहरुए होते हैं। लोकतंत्र की मजबूती के लिए इन्हें भी "अतिक्रमणकारी कृत्यों" से बचना होगा। न्यायिक सक्रियता की अवधारणा वर्ष 1947 में अमेरिकी आर्थर स्लेसिंगर जूनियर ने गढ़ी थी, लेकिन भारत में यह अवधारणा 1970 के दशक के मध्य में न्यायमूर्ति वीआर कृष्णा अय्यर व न्यायमूर्ति पीएन भगवती जैसे न्यायाधीशों ने बलवती की। भारत में न्यायिक सक्रियता के यूं तो अनेकानेक उदाहरण मिलते हैं, लेकिन हालिया उदाहरणों जैसे तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा पुनः अधिनियमित विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजने को विधि की दृष्टि से गलत बताया जाना। आनलाइन गेमिंग अधिनियम के खिलाफ अलग-अलग उच्च न्यायालयों में दायर याचिकाओं की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में कराए जाने, वक्फ संशोधन अधिनियम की सुप्रीम कोर्ट में अनवरत सुनवाई किए जाने, वोट चोरी के आरोपित मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्रीय चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कठघरे में खड़ा करने के अलावा संसद व राष्ट्रपति द्वारा पारित 130 वां संविधान संशोधन अधिनियम-2025 भी न्यायिक सक्रियता की जद में हैं।

प्रश्न उठना स्वाभाविक कि जो बड़े मुद्दे विधायिका व कार्यपालिका समय रहते सुलझा सकती थी, उसमें सरकारी मशीनरी ने लापरवाही/उदासीनता क्यों दिखाई? न्यायिक सक्रियता को बढ़ावा क्यों दिया? देश में बढ़ती न्यायिक सक्रियता विधायिका व कार्यपालिका के लिए उचित नहीं। लोकतंत्र के तीनों स्तंभों को आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए जनता को "शक्तिपूंज" मानना ही होगा। ज्वलंत व सामयिक मुद्दों पर तीनों के "मतभेद" तो हो सकते, लेकिन "मनभेद" से लोकतंत्र की गाड़ी सरपट नहीं दौड़ सकती। वर्चस्व के लिए तीनों स्तंभों का आपसी टकराव सर्वथा अनुपयुक्त। तीनों को "इर घाट" व "वीर घाट" चलने से उबरना ही होगा।

भारत में बढ़ती न्यायिक सक्रियता यह जताने को काफी है कि विधायिका व कार्यपालिका कदाचित वह कर पाने में विफल है, जिसकी अपेक्षा न्यायपालिका कर रही। अहम यह भी है कि विधायिका को कहीं दिशाभ्रम तो नहीं हो रहा? कार्यपालिका पटरी की जगह कहीं और तो नहीं दौड़ने लगी है?

आमने

कैमरों के जरिए वे देखते हैं कि हमारी महिला विधायक किस दिशा में बैठी है, कैसी अवस्था में बैठी हैं, क्या बातें कर रही हैं? हम कुछ लोगों पर तो नजर रखते ही हैं, लेकिन महिलाओं पर ज्यादा फोकस है। स्पीकर जैसे संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति कैमरा लगाकर उसका एक्सेस अपने पास रखते हैं।

– गोविन्द सिंह डोटासर,
राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष

सामने

कांग्रेस नेता के शर्मनाक बयान से उनकी संकीर्ण व महिलाओं के प्रति ओछी मानसिकता साफ झलकती है। पिछली विधानसभा में भी कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने यह कहकर कि 'यह तो मर्दों का प्रदेश है' महिलाओं का अपमान किया था। आज फिर उसी विकृत सोच की झलक देखने को मिल रही है। इससे कांग्रेस की हताशा व गिरी हुई राजनीति का स्तर साफ दिखाई देता है।

– दिया कुमारी
उपमुख्यमंत्री, राजस्थान

सोशल मीडिया और युवा असंतोष

शिशिर शुक्ला

असिस्टेंट प्रोफेसर

यह कितनी चिंता एवं शर्म की बात है कि नेपाल में सोशल मीडिया पर पाबंदी के परिणामस्वरूप हिंसक प्रदर्शन हुआ और 19 लोगों की मौत हो गई। भले ही युवाओं के मध्य असंतोष एवं क्रोध की चिंगारी भड़कने के पीछे सरकार का भ्रष्टाचार एवं अन्य कारक दीर्घकालिक रूप से उत्तरदायी रहे हों, किंतु अगर मामले को गौर से देखा जाए तो इसे हिंसक रूप देने के पीछे जिम्मेदार तात्कालिक कारण सरकार के द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए जाने वाले प्रबंध ही हैं।

युवाओं के इस आंदोलन को जेनरेशन-जी का आंदोलन कहा जा रहा है। निश्चित रूप से आज सोशल मीडिया जीवन की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुका है। दरअसल बीते 25 अगस्त को नेपाली कैबिनेट के द्वारा यह फैसला लिया गया था कि सभी इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्मों को 'डायरेक्टिव ऑन रेगुलेटिंग द यूज़ ऑफ़ सोशल मीडिया 2023' के तहत सात दिनों के अंदर पंजीकरण कराना होगा। समय सीमा खत्म होते ही सरकार के द्वारा पंजीकरण न कराने वाले 26 प्लेटफॉर्मों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। बेशक सरकार के द्वारा लिया गया निर्णय बिल्कुल सही था, किंतु इसकी वजह से असंतोष एवं हिंसा का ऐसा माहौल पनप उठेगा, यह कल्पना शायद किसी ने नहीं की होगी। नेपाल की स्थिति यह है कि तीन करोड़ की जनसंख्या में लगभग 90 फीसदी लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। यह नेपाल की ही नहीं, अपितु विश्व के हर देश की स्थिति मानी जा सकती है। विशेष रूप से जेनरेशन जी का सोशल मीडिया के साथ कहीं गहरा लगाव है। इस जेनरेशन के अंतर्गत वे लोग आते हैं, जिनका जन्म 1997 से 2012 के मध्य हुआ है।

सरकार के द्वारा सोशल मीडिया मंचों पर लगाए गए प्रतिबंध को प्रदर्शनकारियों के द्वारा अभिव्यक्ति पर आघात बताते हुए घोर आक्रोश जताया गया है। आज सोशल मीडिया समाज के भीतर अपने दो स्वरूपों में विद्यमान है। निस्संदेह इसका एक स्वरूप बच्चों से लेकर युवाओं एवं बुजुर्गों तक के लिए लाभकारी है, क्योंकि क्योंकि यह कहीं न कहीं वैचारिक अभिव्यक्ति एवं लोगों से जुड़ने के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान करता है। किंतु इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इसी सोशल मीडिया का अतिशय दुरुपयोग भी हो रहा है। नेपाल सरकार के द्वारा भी यह बताया गया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल फेक आईडी, साइबर अपराध, भ्रामक सूचनाओं एवं नफरती बयानों के लिए हो रहा था। सरकार के द्वारा टिकटॉक एवं वाइबर जैसे प्लेटफार्म पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया, क्योंकि उनके द्वारा समय सीमा के भीतर पंजीकरण कर लिया गया। निस्संदेह युवाओं की मांगें अपने स्थान पर पूर्णतया उचित हैं, क्योंकि भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद एवं असमानता देश की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा हैं एवं इनके खिलाफ आवाज उठाना प्रत्येक युवा का अधिकार है। किंतु युवाओं के द्वारा जिस लहजे में एवं जिस स्तर पर प्रदर्शन किया गया, वह पूर्णतया अनुचित एवं अशोभनीय है।

सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग को देखते हुए उस पर प्रतिबंध लगाना किसी भी स्थिति में गलत नहीं है। हाल ही की अगर बात करें तो ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने संबंधी कानून को लाए जाने की पूरी तैयारी की जा रही है। सरकार के द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि सोशल मीडिया कंपनियां नाबालिग उपयोगकर्ताओं के खातों को स्वयं हटाकर नए खातों के लिए आयु सत्यापन सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें। ऑस्ट्रेलिया में यह कानून 10 दिसंबर से प्रभावी हो जाएगा। एक शोध के अनुसार दस में से चार ऑस्ट्रेलियाई बच्चे यू ट्यूब से होने वाले नुकसान की जानकारी दे चुके हैं। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज ने कहा है कि उनके द्वारा बच्चों के लिए सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन अभियान भी चलाया जाएगा। चीन के द्वारा भी बच्चों के द्वारा इंटरनेट उपयोग पर लगाम लगाने की तैयारी शुरू की जा रही है। फ्रांस के द्वारा भी वर्ष 2023 में कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के प्रयोग पर पाबंदी लगा दी गई थी। इसके अतिरिक्त ईरान, उत्तर कोरिया, तुर्कमेनिस्तान, अमेरिका, माली, केन्या, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं जॉर्जिया आदि देश भी सोशल मीडिया के प्रयोग पर प्रतिबंध से संबंधित कानून बना चुके हैं अथवा बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

आज का युग सूचना, तकनीक और संचार का युग है। इस युग की सबसे बड़ी पहचान है सोशल मीडिया। सोशल मीडिया से अति एवं अनावश्यक लगाव की वजह से युवावर्ग का बाहरी दुनिया से संबंध टूट सा जाता है एवं वह कहीं न कहीं सामाजिक एकाकीपन की ओर मुड़ने लगता है। निस्संदेह इन समस्याओं से निजात पाने के लिए सटीक एवं मजबूत समाधान करने की आवश्यकता है। ऐसा तभी संभव है जब सरकारें एवं सोशल मीडिया कंपनियां परस्पर समन्वय स्थापित करके ऐसी नीतियां एवं नियम निर्धारित करें, जो पूर्णतया युवाओं के हित में हों। नीतियां ऐसी हों कि फेक न्यूज़, साइबर अपराध एवं अनावश्यक कंटेंट पर पूर्णतया अंकुश लग सके एवं युवा वर्ग उसकी चपेट में आकर दिशाहीनता की ओर मुड़ने से बच सके।

आज आवश्यकता है कि सोशल मीडिया साधन बने न कि साध्य। वास्तविक जीवन की संवेदनाओं, रिश्तों और जिम्मेदारियों को पीछे छोड़कर यदि युवा पूरी तरह सोशल मीडिया की काल्पनिक दुनिया में खो जाएंगे, तो भविष्य निस्संदेह खोखला होगा, लेकिन यदि वे संतुलित रूप से इसका उपयोग करेंगे, तो यही मंच उन्हें सतत विकास का मार्ग दिखाते हुए अभिप्रेरित करेगा।

सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग को देखते हुए उस पर प्रतिबंध लगाना किसी भी स्थिति में गलत नहीं है। हाल ही की अगर बात करें तो ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने संबंधी कानून को लाए जाने की पूरी तैयारी की जा रही है।

सोशल फोरम

पर्यटन स्थलों पर सन्नाटा

देवीय आपदा, भूस्खलन, बाढ़ और सड़कें बंद होने की खबरों के बाद उत्तराखंड का पर्यटन कारोबार चौपट हो चुका है। अधिकांश पर्यटन स्थलों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। नैनीताल के अलावा भीमताल, सातताल, नौकुचियाताल, कैची मंदिर, रानीखेत, कौसानी तक यही हाल है। पर्यटन से जुड़े सभी कारोबार चौपट हो चुके हैं। होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी वाले, नाव वाले, घोड़े वाले सभी का काम ठप्प हो चुका है।

पिछले कुछ सालों से पहाड़ों का पर्यटन उद्योग दोहरी मार झेल रहा है। सीजन के वक्त यहां चारों तरफ ट्रैफिक जाम पसरा रहता है। पर्यटक ट्रैफिक जाम में फंसकर तौबा-तौबा करते हुए वापस जाते हैं। तो सीजन के बाद आपदा की ऐसी मार पड़ी है

संजीब भगत

ब्लॉगर

कि पर्यटकों ने सोशल मीडिया की भयानक रील देखकर पहाड़ों की ओर से मुंह मोड़ लिया है। नैनीताल और उसके आसपास की बात करें तो एक दो दिन ही यहां सड़कों में मलवा आया। यातायात लगभग सामान्य ही रहा। इधर कोई भी राज्य मार्ग या राष्ट्रीय मार्ग 12 घंटे से ज्यादा बंद नहीं रहा, लेकिन सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाह रहीं की सारे पहाड़ जमींदोज हो चुके हैं। हालांकि पहाड़ों मे अधिकांश जगह सड़कें मलवे व गड्ढों से भर गई हैं, लेकिन वे कामचलाऊ है। उन सड़कों पर यातायात सामान्य है और पहाड़ों का जीवन इन्हीं सड़कों के सहारे चल रहा है। अब पूरे देश में पर्यटको को ये लग रहा है कि पहाड़ों पर चढ़ना सीधे मौत को दावत देना है। राष्ट्रीय मीडिया पर भी यही चर्चा चल रहीं है। इन सब अफवाहों ने पर्यटकों के मन में खौफ पैदा कर दिया और सैलानियों का आना ठप्प हो गया।

सीजन में नैनीताल व उसके आसपास पर्यटकों के लिए सबसे बड़ी समस्या पार्किंग को लेकर ही है। सरकार सीजन में पर्यटकों को आसानी से नैनीताल व कैचीं नीव करौरी मंदिर तक गाड़ी लेकर जाने ही नहीं देती। पहाड़ों में मस्ती करने आए पर्यटक पार्किंग और जाम के चक्कर में घनचक्कर बन जाते हैं। इस जाम से व्यापार भी ठप्प हो जाता है। आजकल आफ सीजन है। सरकार और प्रशासन के पास दीर्घकालीन योजना बनाने के लिए समय है। सरकार अभी से वैकल्पिक पार्किंग के विषय में गंभीरता से प्रयास करे। पर्यटकों को यहां घूमने के आसान व सुगम रास्ते सुझाए। सरकार ऐसा प्रयास करे कि पर्यटकों की यात्रा उनके लिए यादगार बने। फिलहाल सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड की स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए ताकि पर्यटकों के मन का संशय दूर हो सके।

सामयिकी

अंतिम सांसें गिनते आतंकी

बीते कुछ महीनों में विशेष रूप से 2025 में, दो प्रमुख अभियान- ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट ने देश-विरोधी ताकतों को गहरी चोट पहुंचाई है। ये अभियान आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी कुष्ठ रोगों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के उदाहरण हैं। इन ऑपरेशनों के सफल परिणामों ने न केवल सीमापार आतंकवादियों और आंतरिक विद्रोहियों को धूल चटा दी है, बल्कि पूरे राष्ट्र को एकजुटता और आत्मविश्वास का संदेश भी दिया है। ऑपरेशन महादेव जम्मू-कश्मीर की धरती पर एक मील का पत्थर साबित हुआ, जो आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का जीवंत प्रमाण है। जुलाई 2025 में शुरू हुआ यह अभियान, विशेष रूप से पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड्स को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया था। पहलगाम हमला, जिसमें निर्दोष पर्यटकों और नागरिकों को निशाना बनाया गया था, ने पूरे देश को झकझोर दिया था, लेकिन भारतीय

विवेक शुक्ला

लेखक

सुरक्षा बलों, भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त प्रयासों ने मात्र 14 दिनों में तीन शीर्ष पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादियों को मार गिराया। अभियान की सफलता का राज था सटीक खुफिया जानकारी और तकनीकी सिग्नल ट्रैकिंग, जो पहलगाम हमले के दौरान इस्तेमाल हुए सिग्नल से मेल खा रही थी। आतंकवादियों के पास पाकिस्तानी पहचान पत्र, बायोमेट्रिक्स और यहां तक कि चॉकलेट्स जैसे सामान बरामद हुए, जो उनकी विदेशी साजिश को उजागर करते हैं। इस ऑपरेशन ने देश-विरोधी ताकतों को धूल में मिला दिया, क्योंकि यह केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक झटका था। लश्कर जैसे संगठन, जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के प्रतीक हैं, अब भारत की सीमाओं के पास सांस लेने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। यह सफलता न केवल स्थानीय आबादी को सुरक्षा का आश्वासन देती है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की मजबूत इच्छाशक्ति को प्रदर्शित करती है।

अब बात करते हैं ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की, जो नक्सलवाद के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। मई 2025 में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर शुरू हुआ यह 24 दिवसीय अभियान, करेगुट्टालु पहाड़ियों जैसे नक्सली किलों को लक्ष्य बनाया गया। नक्सलवाद, जो दशकों से आदिवासी क्षेत्रों में विकास को बाधित कर रहा था, अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। सुरक्षा बलों ने 31 कुख्यात माओवादियों को मार गिराया, जिनमें टॉप लीडर बसवराजू जैसे नाम शामिल थे, जिन पर कुल 1.72 करोड़ रुपये का इनाम था। इसके अलावा, 214 नक्सली ठिकाने और बंकर ध्वस्त किए गए, 450 आईईडी, 818 बीजीएल शेल और 899 कोडेक्स बंडल जब्त किए गए। यह ऑपरेशन न केवल सैन्य दृष्टि से सफल रहा, बल्कि यह नक्सलवाद के 'यूनिफाइड कमांड' को तोड़ने में भी कारगर साबित हुआ। देश-विरोधी ताकतों के खिलाफ यह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नक्सली लंबे समय से 'रेड टेरर' फैला रहे थे। वे विकास परियोजनाओं को नष्ट करते, निर्दोष ग्रामीणों को निशाना बनाते और सरकार को कमजोर दिखाने का प्रयास करते, लेकिन ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट ने इन तत्वों की कमर तोड़ दी। अब करेगुट्टालु पहाड़ियों पर तिरंगा लहरा रहा है, जो माओवादी किले से शांति का प्रतीक बन गया है। बेशक,ऑपरेशन महादेव और ब्लैक फॉरेस्ट ने देश-विरोधी ताकतों को पूरी तरह धूल में मिला दिया है। आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी चुनौतियां अब इतिहास का हिस्सा बन रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और गृह मंत्री शाह की रणनीतिक कुशलता ने इन सफलताओं को संभव बनाया। यह विजय न केवल सुरक्षा बलों की बहादुरी का सम्मान है, बल्कि पूरे राष्ट्र की एकता का प्रतीक भी। भविष्य में ऐसे अभियान जारी रहेंगे और भारत एक सुरक्षित, समृद्ध राष्ट्र के रूप में चमकेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

पहियों का संसार

हर घर की मेंबर बन रही कार

का र कभी शान शौकत और रसूखदारों की पहचान मानी जाती थी। एक जमाना था, जब सफेद रंग की फिएट निकलती थी तो बड़ों से बच्चों की निगाह टिक जाती थीं। जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी विकसित हुई और लोगों की आमदनी का जरिया बढ़ा तो कार शान शौकत से हटकर घरों की जरूरत बनती गई। पिछले दो दशकों में कार के बाजार में तेजी से उछाल आया। कार निर्माता कंपनियों ने भी मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए कारें बनाईं और आसान फाइनेंस ने कार को घर-घर तक पहुंचा दिया।

-प्रस्तुति: अंकुर शर्मा

भारतीय परिवारों में तीन कैटेगरी की कारें मिलती हैं। ए कैटेगरी में हैचबैक और सिडान, बी कैटेगरी में एसयूवी (स्पोर्टस यूटिलिटी व्हीकल) और एमपीवी (मल्टीपर्पज व्हीकल),सी कैटेगरी में वैन और ईको कार आती हैं। हर भारतीय की जरूरत हैचबैक कार पूरी कर देती थी, क्योंकि कार खरीदते समय वह माइलेज, मेंटेनेंस, पार्किंग स्पेस, रिपेयरिंग ही देखता था। कार के सेफ्टी व लक्जरी फीचर्स से ज्यादा लेना-देना नहीं होता था। कार एक्सपर्ट का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खासकर मध्यम वर्ग जिन पर कार कंपनियां ज्यादा फोकस करती हैं, हैचबैक से सिडान पर शिफ्ट हुआ है। आम भाषा में कहें तो ऐसी हर कार, जिसमें सात सवारियों की बैठने की सीटें और अलग से डिग्गी होती है, उन्हें सिडान कहा जाता है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि सिडान ने हैचबैक के ही मेजरमेंट में अधिक लेग स्पेस और हेड स्पेस दिया, जिसने यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाया, जिसके बाद जेनरेशन-एक्स हैचबैक से सिडान पर शिफ्ट हुई। इसके बाद सभी कार निर्माता कंपनियों ने सिडान के प्रोडक्शन पर ज्यादा ध्यान दिया। अब सिडान व्हीकल्स अत्यधिक फीचर्स के साथ बाजार में उपलब्ध है।

एसयूवी अब शहरों की शान

मारुति सुजुकी के कार एक्सपर्ट शुभम बताते हैं कि एसयूवी जैसा नाम से ही क्लीयर है कि स्पोर्टस यूटिलिटी व्हीकल ऑफ रोडिंग जंगलों व ऊबड़ खाबड़ रास्तों के लिए है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस बहुत होती है, जो ऑफ रोडिंग के लिए अच्छा फीचर माना जाता है। अब एसयूवी भी घरों में जगह बना रही है। लोग अपने इस्तेमाल के लिए एसयूवी को अफोर्ड कर रहे हैं, जिस वजह से अब एसयूवी शहरों की भी कार बन गई हैं।

सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं सेफ्टी भी है जरूरी

हल्द्वानी स्थिति नैनीताल मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर भूपेश अग्रवाल बताते हैं कि एक कार में सेफ्टी फीचर्स में दो एयर बैग, सीट बेल्ट, पॉवर स्टेयरिंग, चाइल्ड लॉक बेसिक माने जाते हैं। अब नए एआई इरा में कार में सेफ्टी फीचर्स में भी बदलाव किया है। इसमें मारूति सुजुकी ने शुरुआत की है। मारूति सभी कारों में हर सीट के लिए एयर बैग दे रहा है। इनीशियल लेवर पर ऑल्टो के बेसिक मॉडल में भी पांच सीटों के लिए पांच एयर बैग हैं। हालांकि कई कंपनियों में महंगी कारों के टॉप मॉडल में यह सुविधा देते हैं। वह बताते हैं कि कार को तेज गति में स्किड होने से बचाने के लिए एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) और खतरनाक मोड़ों पर सुरक्षा के लिए ईएसपी (इलेक्ट्रॉनिक स्टैबिलिटी प्रोग्राम) फीचर्स दे रहे हैं।

फीचर्स जो कारों को बना रहे हाईटेक

इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टेड सीट्स

- अब कार में सीट को एडजेस्ट करने के लिए हैंडिल की खींचातानी करने की जरूरी नहीं है। कार में इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टेड सीट्स आ रही है, जो एक बटन दबाते ही आरामदायक ढंग से आगे-पीछे एडजस्ट होती हैं।

वेंटीलेटेड सीट्स

- गर्मी में ठंडी और सर्दी में गर्मी का अहसास कराने के लिए वेंटीलेटेड सीट्स आ रही है। आमतौर पर कार में आगे और लग्जरी कार में पीछे एसी होते हैं, लेकिन अब कार की सीट्स में एसी इन बिल्ट आ रहे हैं। इस तरह कार में बैठने वाले हर शख्स को एसी/हीटर की सुविधा मिलेगी, जो सफर को मौसम के अनुकूल बना देगा।

वायरलेस चार्जर

- कार में वायरलेस चार्जर की सुविधा आ गई है। कार में फोन चार्ज करने के लिए वायर लगाने का झंझट नहीं है। चार्जिंग वायर भूलने पर भी फोन चार्ज होगा। वायरलेस चार्जर की सुविधा है कि फोन को चार्जर पर रखना होगा और कोई भी फोन फटाफट चार्ज होगा।

कार प्ले बना सबकी पसंद

- अब हर कार में कार प्ले सबकी पसंद बन गया है। एलईडी स्क्रीन पर सेंसर्स कैमरे के जरिए आगे-पीछे देखना हो या गाना सुनना हो। चालक की हर फरमाइश कार प्ले से पूरी हो रही है। इस वजह से लोग कार प्ले को जरूर लगवा रहे हैं।

डिजिटल व टेक्नोलॉजी से कार इंडस्ट्री भी अछूती नहीं है। कई कंप्यूटराइज्ड फीचर्स हैं जिन्होंने लग्जरी को बच्चों का खेल बना दिया है।

नेविगेशन लगाओ, कार ढूंढ लाओ

- कभी-कभी होता है कि कार पार्किंग में लगाने के बाद भूल जाते हैं, तो चिंता की बात नहीं है। अब कार को फोन से कनेक्ट कर दिया जाता है। इस तरह फोन से कार को ऑन-ऑफ के साथ ही एसी भी ऑन कर सकते हैं। यदि आप कार पार्क कर भूल गए हैं तो नेविगेशन के जरिए कार तक पहुंच जाएंगे। इस तरह कई मल्टीपल फंक्शन हैं, जिन्होंने कार को सिर्फ लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है।

जीएसटी में छूट से बाइक और कार खरीदारों की बल्ले-बल्ले

बीते दिनों केंद्र सरकार ने ऑटोमोबाइल सेक्टर को राहत देते हुए जीएसटी में कमी का ऐलान किया है। इस फैसले से कार और बाइकों की कीमतों में गिरावट आई है। जो लोग नई कार या बाइक का खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो उनके लिए यह अच्छी खबर है। जीएसटी घटने से छोटी से लेकर बड़ी सभी तरह की गाड़ियों की कीमत में कमी आई है। आज हम आपको कार और बाइकों की कीमत में आई कमी के बारे में बताएंगे। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। इससे दोपहिया वाहन के साथ-साथ फोर व्हीलर खरीदने वालों को भी बड़ा फायदा मिलेगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर विशेषज्ञों की माने तो बाइक की खरीद पर लगभग 7,000 से 20,000 रुपए तक की बचत होगी, वहीं अर्टिगा और ब्रेजा जैसी कार खरीदने पर ग्राहकों के 30,690 रुपए तक की बचत हो सकती है। यहां बताते चले कि यह बचत अकेले एक्स शोरूम कीमतों पर होगी। इंश्योरेंस और रजिस्ट्रेशन की कीमतों में भी मामूली कमी आएगी, जिससे कुल लागत में और कटौती ग्राहकों को मिलेगी।

22 सितंबर से पहले भी ऑफर

ग्राहक 22 सितंबर से पहले भी इसका लाभ ले सकें, इसके लिए वाहन डीलरों की ओर से एक्सचेंज ऑफर और कॉरपोरेट डिस्काउंट सहित कई ऑफर दिए जा रहे हैं। साथ ही बुकिंग कराने पर इंस्टेंट गिफ्ट के रूप में 2,000 रुपए तक का कैश डिस्काउंट और कैश बोनस भी मिल रहा है। यह छूट ग्राहकों के इनवॉयस पर लागू होगी।

350 सीसी से कम इंजन वाली बाइक पर टैक्स में बड़ी कटौती

नियमों में बदलाव के बाद अब 350 सीसी से कम इंजन वाली बाइक पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जो पहले 28 प्रतिशत था। वहीं, 350 सीसी से अधिक की बाइक पर अब 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जो पहले 31 प्रतिशत था।

ग्राहकों मिलेगा भारी लाभ

- 20 सितंबर तक खरीदारी पर 45,000 से 51,000 रुपए तक का लाभ मिल रहा है। यानी अभी खरीदारी करने पर ग्राहकों को 9,012 रुपए की अतिरिक्त बचत होगी। ब्रेजा की खरीदारी पर अनुमानित कटौती 34,310 से लेकर 48,629 रुपए तक होने वाली है। अगर अभी खरीदेंगे, तो 65,000 रुपए तक की बचत होगी। इस तरह आप अतिरिक्त 30,690 रुपये तक की बचत कर सकते हैं।

अर्टिगा और ब्रेजा की खरीदारी पर 30,690 रुपए तक की एक्स्ट्रा बचत

- आपको मारुति सुजुकी की खरीदारी करनी है, तो इंतजार न करें। जीएसटी घटने के बाद जो कीमत कम होगी, उससे भी कम कीमत पर अभी ही खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी के विभिन्न शोरूम में इसका लाभ मिल रहा है। जीएसटी कटौती के बाद एक्स शोरूम, रोड टैक्स और इंश्योरेंस को मिलाकर अर्टिगा में अनुमानित कटौती 35,988 से 48,809 रुपए होने वाली है।

ऑटो टिप्स

गाड़ी का माइलेज बढ़ाने के आसान टिप्स

ई-20 पेट्रोल आने के बाद अधिकतर लोग अपनी गाड़ी के माइलेज को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में अगर आप अपनी कार का माइलेज बेहतर बनाना चाहते हैं, तो थोड़ी सी सावधानी और कुछ आसान टिप्स अपना सकते हैं।

सही स्पीड चुनें

कार को सही स्पीड में चलाएं। बहुत तेज या स्लो स्पीड में कार चलाने पर ईंधन ज्यादा खर्च होता है। आमतौर पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार माइलेज के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। अचानक तेज स्पीड या अचानक ब्रेक लगाने से बचें। इससे इंजन पर दबाव पड़ता है और ईंधन ज्यादा खर्च होता है।

टायरों के प्रेशर की करें जांच

माइलेज बढ़ाने के लिए टायरों का प्रेशर नियमित रूप से जांच करें। कम हवा वाला टायर ज्यादा रोलिंग रेजिस्टेंस पैदा करता है, जिससे कार के इंजन को अधिक मेहनत करनी पड़ती है और ईंधन भी ज्यादा खर्च होता है।

एसी का स्मार्ट इस्तेमाल

गर्मियों के दौरान, एसी का स्मार्ट उपयोग ईंधन की बचत का महत्वपूर्ण उपाय है। कार में बैठते ही एसी चालू न करें। केबिन को पहले से ठंडा करने के लिए खिड़कियां नीचे कर दें। एसी को मध्यम स्तर पर रखें और रीसर्कुलेशन मोड पर स्विच करें। इससे सिस्टम पर ओवरलोडिंग से बचा जा सकेगा।

गियर का बेहतर प्रयोग

पेट्रोल या डीजल कार का माइलेज बेहतर होना इस बात पर निर्भर करता है कि आप गियर कितनी आसानी से और समय पर बदलते हैं। अधिक आरपीएम ज्यादा ईंधन जलाता है। इसलिए क्लच दबाने या गियर बदलने में जोर लगाने से बचें।

यातायात पर ध्यान दें

शहर में वाहन चलाते समय, जहां बेढंगा यातायात है, लाल बत्ती और धीमी गति से चलने वाले वाहनों का पूर्वानुमान लगाने का प्रयास करें। राजमार्गों पर वाहन चलाते समय स्थिर गति पर ऊंचे गियर का प्रयोग करें। सुचारू ड्राइविंग से ईंधन की खपत कम होती है, इंजन पर कम दबाव पड़ता है।

सर्विस और इंजन ट्यून

कार की जब अच्छी देखभाल की जाती है तो यह बेहतर प्रदर्शन करती है। नियमित सर्विस छोड़ने से समय की बचत हो सकती है, लेकिन आगे चलकर ईंधन और मरम्मत पर खर्च बहुत बढ़ सकता है। समय पर इंजन का तेल बदलें, क्योंकि ताजा तेल घर्षण कम करता है और इंजन को सुचारू चलाने में मदद करता है।

एयर फिल्टर बदलें

एयर फिल्टर नियमित रूप से बदलें, क्योंकि फिल्टर के जाम होने से वायु प्रवाह बाधित होगा, जिससे इंजन को अधिक काम करना पड़ेगा। ईंधन इंजेक्टरों को साफ करें, और गंदे इंजेक्टर ईंधन स्प्रे को प्रभावित करते हैं और माइलेज कम करते हैं।

मार्ग की योजना बनाएं

निष्क्रिय समय माइलेज का सबसे बड़ा दुश्मन है, क्योंकि यह बिना कहीं जाए ही ईंधन खा जाता है। ऐसे में यात्रा के लिए स्मार्ट रूट प्लानिंग आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकती है। इसके लिए कम मोड़ और सिग्नल लें, इससे ईंधन कम खर्च होगा।

अतिरिक्त भार करें कम

जरूरत से ज्यादा सामान ढोने से ईंधन टैंक जल्दी खाली हो सकता है। इसके लिए डिक्की या पीछे की सीटों से अनावश्यक सामान हटा दें। वजन कम करने से माइलेज बढ़ता है।

इंजन को सही तरीके से गर्म करें

ठंडी कारें माइलेज को प्रभावित कर सकती हैं, विशेष रूप से सर्दियों में या सुबह के समय। आधुनिक इंजन इस तरह डिजाइन किए गए हैं कि गाड़ी चलाते समय जल्दी गर्म हो जाएं। इसलिए 30-40 सेकंड के निष्क्रिय समय के बाद धीरे-धीरे गाड़ी चलाना शुरू कर सकते हैं।

भरोसेमंद पंप चुनें

सभी ईंधन अच्छी गुणवत्ता के नहीं होते। खराब गुणवत्ता वाला या मिलावटी ईंधन इंजेक्टरों को जाम कर सकता है, इंजन के पुर्जों को नुकसान पहुंचाकर माइलेज कम कर सकता है। इसलिए हमेशा विश्वसनीय, उच्च यातायात वाले स्टेशनों पर ईंधन भरवाएं।

बिजनेस ब्रीफ

ओयो के ब्रांड संडे की 40 होटल जोड़ने की योजना

नई दिल्ली। आईपीओ के लिए तैयार ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म अपने प्रीमियम होटल ब्रांड 'संडे' को तेजी से आगे बढ़ा रही है। कंपनी चालू वित्त वर्ष में पूरे भारत में चार सितारा और पांच सितारा होटलों सहित 40 नए लक्जरी होटल जोड़ने की योजना बना रही है। कंपनी संडे होटल का विस्तार महानगरों, गैर महानगरों के साथ ही वन्यजीव अभयारण्यों और प्रमुख धार्मिक स्थलों में करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में संडे होटल का विस्तार किया जाएगा। ये राज्य ब्रांड के आगामी पोर्टफोलियो में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देंगे। संडे होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के व्यवसाय प्रमुख आदित्य शर्मा ने यह बात कही।

टेक्नोस्पोर्ट 200 करोड़ में खोलेगा 300 स्टोर

कोलकाता। भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते एक्टिव वियर ब्रांड में से एक टेक्नोस्पोर्ट अपने आक्रामक खुदरा विस्तार के तहत अगले दो साल में देशभर में 300 विशिष्ट दुकानें (आउटलेट) खोलने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। एक्टिव वियर ऐसे कपड़े होते हैं जिन्हें विशेष रूप से खेल-कूद, व्यायाम और अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए डिजाइन किया जाता है। कोलकाता से जुड़े कंपनी के प्रवर्तक अबतक सामान्य व्यापार पर निर्भर थे। टेक्नोस्पोर्ट के सीईओ पुष्पन मैती ने कहा, हमने रविवार को अपना 21वां विशिष्ट ब्रांड आउटलेट खोला है, और वह कोलकाता में है।

गोवा की खनिज कंपनियां निर्यात शुल्क से चिंतित

पणजी। गोवा खनिज अयस्क निर्यातक संघ (जीएमओईए) ने रविवार को निचले-ग्रेड के लौह अयस्क पर निर्यात शुल्क के संभावित विस्तार की अटकलों पर चिंता व्यक्त की है। केंद्र सरकार को दिए ज्ञापन में जीएमओईए ने किसी भी कदम पर पुनर्विचार का आग्रह किया और दावा किया कि इससे गोवा में खनन कार्य प्रभावित होगा, जहां लौह अयस्क मुख्यत: निचले-ग्रेड का है। क्षेत्र की विशिष्ट खनिज विशेषता और ऐसे अयस्क की घरेलू मांग में कमी को देखते हुए जीएमओईए ने दावा किया कि निर्यात शुल्क से न केवल आजीविका और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियां खतरे में पड़ जाएंगी, बल्कि एक मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन का भंडारण और अपव्यय भी होगा।

सभी उत्पादों पर मिलेगा जीएसटी सुधार का लाभ

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- हमने व्यापारियों के लिए कर की प्रक्रिया को सरल बनाया

चेन्नई, एजेंसी

● चेन्नई सिटीजन्स फोरम की ओर से आयोजित उभरते भारत के लिए कर सुधार कार्यक्रम को सीतारमण ने किया संबोधित

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक बड़ी जीत है। सीतारमण ने रविवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के प्रत्येक राज्य के अपने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दीपावली से पहले जीएसटी सुधारों को लागू करने के निर्देश से बहुत पहले ही इन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया है।

चेन्नई सिटीजन्स फोरम द्वारा आयोजित उभरते भारत के लिए कर सुधार कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा कि जीएसटी का लाभकारी प्रभाव सुबह से लेकर रात के सोने तक सभी उत्पादों पर रहेगा। जिन 99% वस्तुओं पर पहले जीएसटी के तहत 12% कर था, अब उनपर सिर्फ 5% कर लगेगा। नए जीएसटी सुधार (2.0) 22 सितंबर से लागू होंगे। जीएसटी परिषद द्वारा 400 से ज्यादा वस्तुओं पर कर में कटौती का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पहले अलग-अलग स्लैब के तहत कर लगाने की बजाय केवल 5 और 18% के स्लैब लागू किए हैं। हमने व्यापारियों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाया है। किसी भी उत्पाद पर 28% कर नहीं है। व्यापारियों के कर दायरे में वृद्धि का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 में जीएसटी लागू होने से पहले केवल 66 लाख व्यापारी ही कर दाखिल करते थे। लेकिन आठ साल में 1.5 करोड़ व्यवसाय जीएसटी के दायरे में आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहा था, लेकिन जीएसटी लागू होने के बाद, आठ साल में कर चुकाने वाले व्यवसायों की संख्या 1.5 करोड़ हो गई है क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि वे इससे लाभान्वित हो पाएंगे। इस वृद्धि से केंद्र और राज्य सरकारों को मिलने वाला राजस्व बढ़ा है। 2017 में कर संग्रह 7.19 लाख करोड़ था और अब 22 लाख करोड़ के पार है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा औसतन 1.8 लाख से दो लाख करोड़ का राजस्व एकत्र किया जाता है। उदाहरण के लिए, 1.80 लाख करोड़ रुपये के सकल राजस्व को आधा-आधा बांटा जाता है, जिसमें राज्यों को 90,000 करोड़ रुपये और केंद्र को 90,000 करोड़ रुपये मिलते हैं। केंद्र के हिस्से के उस 90,000 करोड़ रुपये के राजस्व में से भी लगभग 41 प्रतिशत राज्यों को वापस जाता है।

जनता और राज्य सरकार को होगा फायदा

सीतारमण ने कहा कि इससे हम समझ सकते हैं कि जीएसटी के कार्यान्वयन से जनता और राज्य सरकार को लाभ होगा। जीएसटी सुधारों के लागू होने से पहले कुछ व्यापारियों द्वारा उठाए वर्गीकरण के मुद्दे पर सीतारमण ने कहा कि पॉपकॉर्न की बिक्री के लिए वर्गीकरण किया गया है। अगर नमकीन पॉपकॉर्न बेचा जाता है, तो नमकीन श्रेणी में बेचे जाने पर 5% कर लगेगा, जबकि मीठे पर 18% कर था। सड़क किनारे बिकने वाले पॉपकॉर्न पर कोई कर नहीं है। लेकिन जब वही ब्रांडेड होता है, तो यह वर्गीकरण लागू होता है।

संसद के शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है बीमा संशोधन विधेयक : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के उत्तरार्ध में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले समाप्त होता है। वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में, नई पीढ़ी के वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं। विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा सुरक्षा और शर्तों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा। अबतक, बीमा क्षेत्र ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से 82,000 करोड़ रुपये आकर्षित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करना, चुकता पूंजी में कमी और एक समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है।

एथनॉल के प्रयोग से चीनी उद्योग बच सका : गडकरी

पुणे, एजेंसी

● खेती में नई प्रौद्योगिकी की जरूरत पर केंद्रीय मंत्री ने दिया जोर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि एथनॉल के इस्तेमाल से चीनी उद्योग बचा हुआ है। उन्होंने साथ ही खेती में नई प्रौद्योगिकी की जरूरत पर जोर दिया।

गडकरी ने पुणे में नाम फाउंडेशन के कार्यक्रम में कहा कि महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में खेती के लिए पानी की कमी के कारण किसान आत्महत्या को मजबूर होते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने आत्महत्या करने वाले किसानों के बच्चों की भलाई और जल संरक्षण के लिए नाम फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की, जिसका नेतृत्व अभिनेता नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे करते हैं। गडकरी ने कहा कि विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में किसानों की आत्महत्याओं का मुख्य कारण पानी है। अगर पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होता, तो किसानों को यह कदम नहीं उठाना पड़ता।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी लाने की जरूरत है और इस संबंध में प्रयोग पहले ही किए जा चुके हैं। मंत्री ने कहा कि आज, गन्ना किसान और चीनी मिल संचालक सिर्फ एथनॉल की वजह से ही जीवित हैं।

देश में चीनी उत्पादन मांग से अधिक

उन्होंने आगे कहा कि भारत में चीनी उत्पादन मांग से अधिक है और चीनी मिलें सिर्फ एथनॉल की वजह से ही टिकी हुई हैं। इस महीने की शुरुआत में, कांग्रेस ने गडकरी पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि वह एथनॉल उत्पादन की पैरवी कर रहे हैं, जबकि उनके दो पुत्र एथनॉल बनाने वाली कंपनियों से जुड़े हैं और सरकारी नीतियों से लाभ उठा रहे हैं। भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया था।

दो-तीन सप्ताह में एक दर्जन कंपनियों के आईपीओ, 10,000 करोड़ रुपये जुटाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

● 15 से मूल्य दायरे की घोषणा और 30 सितंबर से पहले आईपीओ लाने की योजना

जीएसटी 2.0 सुधारों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दरों में कटौती और अन्य अनुकूल नीतिगत उपायों से उत्साहित एक दर्जन से ज्यादा कंपनियां अगले दो-तीन सप्ताह में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही हैं। इनका लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपये जुटाना है।

मर्चेंट बैंकर ने बताया कि प्राथमिक बाजार में उतरने की तैयारी कर रही कंपनियों में आईवैल्यू इन्फोसॉल्यूशंस, सात्विक ग्रीन एनर्जी, जिनकुशल इंडस्ट्रीज, अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स, पार्क मेडी वर्ल्ड, सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस, जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग, सीआईईएल एचआर सर्विसेज, जीके एनर्जी, गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और शेषसाई टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। ये सभी कंपनियां 15 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में अपने मूल्य दायरे की घोषणा करेंगी। इन कंपनियों की 30 सितंबर से पहले अपने आईपीओ लाने की योजना है।

मर्चेंट बैंकर ने संकेत दिया कि अनंतम हाईवे इनविट (अल्फा अल्टरनेटिव्स), ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज, प्रणव कंस्ट्रक्शन और टूअल्ट बायोएनर्जी के आईपीओ आएंगे। ये कंपनियां 22-30 सितंबर के दौरान अपने मूल्य दायरे की घोषणा कर सकती हैं, और सितंबर के अंत या अक्टूबर में आईपीओ ला सकती हैं। इनका लक्ष्य 10,000 करोड़ जुटाना है। इन सभी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल चुकी है।

कर सुधारों से मांग 3.5 लाख करोड़ बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुधारों से आर्थिक वृद्धि की क्षमता 7 से 7.5% होने की उम्मीद

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सरकार के जीएसटी दरों में कमी और आयकर में छूट से अर्थव्यवस्था में कुल मांग में 3.5 लाख करोड़ की वृद्धि की उम्मीद है। इसके साथ इन सुधारों से देश की आर्थिक वृद्धि की क्षमता 7.0 से 7.5% हो सकती है।

उनका कहना है कि आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को तेज करने के लिए नीति-निर्माताओं को विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए अन्य क्षेत्रों विशेष रूप से भूमि और श्रम क्षेत्र में सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जीएसटी परिषद ने हाल में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें 5 व 18% होंगी जबकि विलासिता एवं अहितकर वस्तुओं पर 40% की विशेष दर लागू होगी। दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामान समेत 400 वस्तुओं पर दरें कम की गयी हैं। 2025-26 के बजट में 12 लाख तक की आय (नौकरीपेशा के लिए मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपये) को कर मुक्त करने की घोषणा की गई थी।

करों के बोझ में कमी से आर्थिक वृद्धि की क्षमता बढ़ेगी

अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के किसी भी कर का गुणक ऋणात्मक होता है। यानी जितना अधिक कर होगा, उत्पादन उतना ही कम होगा। ऐसे में, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर सुधारों के माध्यम से करों के बोझ में कमी आने से देश की आर्थिक वृद्धि की क्षमता 7.0 से 7.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8% रहने का अनुमान रखा है।

आनंद राठी ग्रुप के मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा ने कहा कि आयकर की दर में कटौती से लोगों की खर्च योग्य आय में प्रभावी रूप से वृद्धि हुई है। उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति को देखते हुए, इससे कुल मांग में 2.3 लाख करोड़ की वृद्धि होगी। जीएसटी दरों में कमी के गुणक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए 1.2 लाख करोड़ की मांग वृद्धि के साथ, अर्थव्यवस्था में कुल 3.5 लाख करोड़ का योगदान होगा। उपभोग में वृद्धि के साथ, कंपनियों के लाभ में वृद्धि होने की संभावना है। बढ़ी हुई खपत से कंपनियों की बिक्री मात्रा में वृद्धि होगी और वित्त वर्ष 2024-25 के शुद्ध लाभ में 1.0 से 1.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है।

राष्ट्रीय

भविष्यवाणियां झूठी साबित कर आगे बढ़ रहा भारत

भागवत बोले- ज्ञान, कर्म और भक्ति की संतुलित त्रिवेणी के पारंपरिक दर्शन पर श्रद्धा रखने से सबको साबित किया झूठा

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि 'ज्ञान, कर्म और भक्ति की संतुलित त्रिवेणी' के पारंपरिक दर्शन पर श्रद्धा रखने की बदौलत भारत सबकी भविष्यवाणियां झूठी साबित करके आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त कही जब देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.80 प्रतिशत रही है। अमेरिका की ओर से भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में यह सबसे अधिक है।

भागवत ने मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल की पुस्तक 'परिक्रमा कृपा सार' का विमोचन किया। संघ प्रमुख ने समारोह में कहा कि भारतीय नागरिकों के पूर्वजों ने अनेक पंथ-संप्रदायों के माध्यम से कई रास्ते दिखाकर सबको बताया है कि ज्ञान, कर्म और भक्ति की संतुलित त्रिवेणी जीवन में कैसे बहाई जाती है। भागवत ने कहा कि भारत जीवन जीने के इस पारंपरिक दर्शन पर आज भी श्रद्धा रखता है, इसलिए सबकी भविष्यवाणियां झूठी साबित करके देश विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

संघ प्रमुख ने कहा कि (ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री) विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था कि (ब्रितानी शासन से) स्वतंत्र होने पर तुम (भारत) टिक नहीं सकोगे और बंट जाओगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब खुद इंग्लैंड बंटने की स्थिति में आ रहा है, पर हम नहीं बंटेंगे। हम आगे बढ़ेंगे। हम कभी बंट गए थे, लेकिन वह भी हम मिला लेंगे फिर से। भागवत ने कहा कि निजी स्वार्थों के कारण ही दुनिया में अलग-अलग संघर्ष चलते हैं और सारी समस्याएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि भारत जब 3,000 वर्षों तक दुनिया का सिरमौर था, तब दुनिया में कोई कलह नहीं थी। भागवत ने कहा कि भारत में गौ माता, नदियों और पेड़-पौधों की पूजा के जरिये प्रकृति की आराधना की जाती है और प्रकृति से देश का नाता जीवंत और चैतन्य अनुभूति पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया (प्रकृति से) इस नाते को तरस रही है। पिछले 300-350 वर्षों से दुनिया के देशों को बताया जा रहा है कि सब लोग अलग-अलग हैं और जो बलवान है, वही जिएगा। उन्हें बताया जा रहा है कि अगर वे किसी के पेट पर पैर रखकर या किसी का गला काट कर भी बलवान बनते हैं, तो कोई बात नहीं है। भागवत ने कहा कि पहले कपड़ों का गला और जेब काटने का काम केवल दर्जी करते थे। अब सारी दुनिया कर रही है। वे जानते हैं कि इससे गड़बड़ हो रही है, लेकिन वे रुक नहीं सकते क्योंकि उनके पास विश्वास और श्रद्धा नहीं है।

भारतीय संस्कृति तेरे-मेरे के भेद से ऊपर उठने का देती है संदेश

संघ प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारतीय संस्कृति तेरे-मेरे के भेद से ऊपर उठने का संदेश देती है और सभी मनुष्यों में परस्पर आत्मीयता और अपनापन आवश्यक है। संघ प्रमुख ने कहा कि मनुष्य के लिए ज्ञान और कर्म, दोनों मार्ग जरूरी हैं, लेकिन 'निष्क्रिय ज्ञानी' किसी काम के नहीं होते। ज्ञानी लोगों के निष्क्रिय होने से ही सब गड़बड़ होती है और अगर कर्म करने वाले किसी व्यक्ति को ज्ञान नहीं है, तो यह कर्म पागलों का कर्म हो जाता है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्यों समेत समाज के अलग-अलग तबकों के लोग बड़ी तादाद में मौजूद थे। पटेल की पुस्तक उनकी दो नर्मदा परिक्रमा यात्राओं से प्रेरित है। भागवत ने कहा कि नर्मदा नदी की परिक्रमा सर्वत्र श्रद्धा का विषय है। हमारा देश में कर्मवीर भी हैं और तर्कवीर भी हैं। दुनिया श्रद्धा और विश्वास पर चलती है।

एआई आधारित फर्जी खबरें फैलाने वालों पर मुकदमे के लिए ठोस समाधान जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

● संसदीय समिति ने सरकार से ठोस कानूनी व तकनीकी समाधान विकसित करने को कहा

● सांसद निशिकांत दुबे की समिति की मसौदा रिपोर्ट लोस अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी गई

संसदीय समिति ने सरकार से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर गढ़ी गई फर्जी खबरों को फैलाने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों एवं संस्थानों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए ठोस कानूनी व तकनीकी समाधान विकसित करने को कहा है।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति ने अपनी मसौदा रिपोर्ट में, फर्जी खबरों पर रोक के उद्देश्य से एआई के इस्तेमाल के लिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली समिति की मसौदा रिपोर्ट हाल में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी गई। इसे अगले सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, समिति ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) तथा अन्य संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों के बीच करीबी समन्वय का भी आग्रह किया, ताकि एआई जनित फर्जी खबरों के प्रसार के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों और संस्थानों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए ठोस कानूनी एवं तकनीकी समाधान विकसित किए जा सकें।

समिति ने एआई सामग्री निर्माताओं के लिए लाइसेंसिंग आवश्यकताओं की व्यवहार्यता का पता लगाने तथा एआई-जनित वीडियो और सामग्री की अनिवार्य लेबलिंग' के लिए अंतर-मंत्रालयी समन्वय की सिफारिश की है। समिति के सुझाव सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं हैं। हालांकि, सरकार अक्सर इन्हें लागू करने पर विचार करती है, क्योंकि संसदीय समितियां संसद का प्रतिनिधित्व करती हैं।

फर्जी खबरों का पता लगाने को दो परियोजनाएं कार्यान्वित

फर्जी खबरों का पता लगाने के लिए वर्तमान में दो परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं- डीप लर्निंग फ्रेमवर्क का उपयोग करके फर्जी भाषण का पता लगाना तथा डीपफेक वीडियो और छवियों का पता लगाने के लिए सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास। समिति ने कहा कि प्रौद्योगिकी में प्रगति, विशेष रूप से एआई में, फर्जी खबरों से संबंधित चिंताओं को दूर करने को आशाजनक समाधान प्रस्तुत करती है।

अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती, उर्वशी रौतेला को ईडी ने भेजा समन

नई दिल्ली, एजेंसी

सट्टेबाजी एप का मामला

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में कथित धन शोधन की जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि चक्रवर्ती को 15 सितंबर को नई दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है, जबकि रौतेला को मंगलवार को पेश होना है। चार सितंबर को, पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन से इसी मामले में ईडी ने लगभग आठ घंटे पूछताछ की थी। अगस्त में, एक अन्य पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से भी संघीय जांच एजेंसी ने इन आरोपों के संबंध में पूछताछ की थी।

ईडी ने पिछले महीने इसी मामले में बंगाली अभिनेता अंकुश हाजरा को भी समन जारी किया था। कोलकाता में एक अधिकारी ने बताया कि हाजरा को 16 सितंबर को कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स कार्यालय में ईडी अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

भिक्षुक आश्रय गृहों में सुधारों को संस्थागत रूप दें राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी

● शीर्ष अदालत ने ऐसे केंद्रों में गरिमापूर्ण जीवन को बनाए रखने के लिए कई निर्देश किए जारी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार द्वारा रखरखाव किये जाने वाले भिक्षुक आश्रय गृह कोई विवेकाधीन परमार्थ कार्य नहीं है और इसके प्रबंधन में संवैधानिक नैतिकता के मूल्य प्रतिबिंबित होने चाहिए। शीर्ष अदालत ने ऐसे केंद्रों में गरिमापूर्ण जीवन को बनाए रखने के लिए कई निर्देश भी जारी किए।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भिक्षुक आश्रय गृहों में सुधारों को संस्थागत रूप देना होगा ताकि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लिए गरिमापूर्ण जीवन की संवैधानिक गारंटी सार्थक रूप से सुरक्षित हो सके। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे आश्रय गृहों में मानवीय स्थिति सुनिश्चित करने में विफलता न केवल कुप्रशासन है, बल्कि यह गरिमापूर्ण जीवन के मौलिक अधिकार का संवैधानिक हनन है। न्यायालय ने कहा कि इस न्यायिक अभिव्यक्ति से इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता कि निर्धन व्यक्तियों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी सकारात्मक और अपरिवर्तनीय है। इस प्रकार, सरकार द्वारा संचालित भिक्षुक गृह संवैधानिक ट्रस्ट है, न कि कोई विवेकाधीन परमार्थ कार्य। इसके प्रबंधन में संवैधानिक नैतिकता के मूल्य- स्वतंत्रता, निजता और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना- प्रतिबिंबित होने चाहिए। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भिक्षुक गृह में रखे जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रवेश के 24 घंटे में चिकित्सा अधिकारी द्वारा अनिवार्य रूप से मेडिकल जांच करवानी होगी। पीठ ने कहा कि सभी भिक्षुक गृहों में एक निर्दिष्ट चिकित्सा दल द्वारा मासिक स्वास्थ्य जांच की जाए। सभी भिक्षुक गृहों में रोग निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली हो, जिसमें संचारी और जलजनित रोगों की रोकथाम, बीमारियों का पता और नियंत्रण को विशेष प्रोटोकॉल हों। सभी राज्य सरकारें भिक्षुक गृहों में स्वच्छता मानकों को तैयार करें, अधिसूचित करें और सख्ती से लागू करें।

पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों पर सुनवाई आज

सुप्रीम कोर्ट पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर स्वत: संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने मानवाधिकारों के हनन पर रोक के लिए 2018 में पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ सोमवार को इस पर सुनवाई कर सकती है। पीठ ने चार सितंबर को कहा था कि हम पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी शीर्षक से स्वत: संज्ञान जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि 2025 के शुरुआती सात-आठ महीनों में हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। दिसंबर 2020 में अदालत ने केंद्र को जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था।

ईडी व व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा को बना पीएमएलए

नई दिल्ली, एजेंसी

● दिल्ली हाईकोर्ट बोली- ईडी को बताना होगा कि जब्त संपत्ति को अपने पास रखना क्यों जरूरी है

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को सशक्त बनाने और व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) बनाया गया था। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने 12 सितंबर को यह टिप्पणी की।

न्यायालय ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त या फ्रीज की गई संपत्ति को अपने पास रखने के लिए न्यायिक प्राधिकारी से अनुमति लेने से पहले, प्राधिकृत अधिकारी को पहले एक औपचारिक आदेश पारित करना होगा, जिसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि 180 दिनों तक संपत्ति को अपने पास रखना क्यों आवश्यक है। पीठ ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कदम के बिना, न्यायनिर्णायक प्राधिकारी कानूनी रूप से यह निर्धारित नहीं कर सकता कि संपत्ति धनशोधन से जुड़ी है या नहीं। न्यायालय ने कहा कि पीएमएलए की संरचना प्रवर्तन एजेंसियों को सशक्त बनाने और व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने के लिए बनाई गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

प्रीति सरन बनीं यूएन के प्रमुख निकाय की अध्यक्ष

न्यूयॉर्क। पूर्व राजनयिक प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठित आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) का अध्यक्ष चुना गया है। सरन को यह जिम्मेदारी जटिल बहुपक्षीय मुद्दों को संभालने में उनकी व्यापक अनुभव को ध्यान में रखते हुए दी गई है। सरन ने भारतीय विदेश सेवा में 36 वर्षों के कार्यकाल में भारत के साथ-साथ एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में भारतीय मिशन में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

इक्वाडोर में गोलीबारी में सात लोगों की मौत

क्विटो। इक्वाडोर के सैंटो डोमिंगो डे लॉस त्साचिलास स्थित एक पूल हॉल में गोलीबारी में सात लोग मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। सैनिकों के वेश में एक वाहन में आए हमलावरों ने शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:30 बजे नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में ग्राहकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गौरतलब है कि सैंटो डोमिंगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत के एक पूल हॉल में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी सामूहिक गोलीबारी थी। पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को इसी तरह के हमले में सात लोग मारे गए थे।

ब्रिटेन: सिख महिला के यौन उत्पीड़न की निंदा

लंदन। ब्रिटेन की सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने एक सिख युवती का यौन उत्पीड़न किए जाने की घटना की निंदा की है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा है कि वह इस हमले को नस्ली अपराध मानकर जांच कर रही है। प्रीत कौर गिल ने मंगलवार को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में हुए भयावह हमले पर सोशल मीडिया पर कहा, 'ओल्डबरी में एक सिख महिला पर हुए भयावह हमले से मैं बेहद स्तब्ध हूं। यह एक अत्यधिक हिंसक कृत्य है लेकिन इसे नस्लीय भेदभाव के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि अपराधियों ने उससे कहा था कि वह यहां की नहीं है।

संयुक्त सैन्य अभ्यास पर भड़का उत्तर कोरिया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के सैन्य अभ्यासों की निंदा की है। उत्तर कोरिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के आगामी सैन्य अभ्यासों की शनिवार को निंदा की है। दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वह सोमवार को अमेरिका और जापान के साथ एक त्रिपक्षीय आउटडोर बहु-क्षेत्रीय अभ्यास, और अमेरिका के साथ परमाणु हमले के दौरान त्वरित कार्रवाई संबंधी अभ्यास करेगा।

टेक्सास में की गई शरिया कानून पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा

ह्यूस्टन, एजेंसी

- गवर्नर ने धार्मिक आचार संहिता थोपने वालों को बताया मूर्ख

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा है कि उनके प्रांत ने इस्लामी शरिया कानून के क्रियान्वयन पर प्रतिबंध लगा दिया है और निवासियों से व्यवसायों या व्यक्तियों पर शरिया अनुपालन थोपने के किसी भी प्रयास की सूचना देने का आग्रह किया।

एबॉट की यह टिप्पणी ह्यूस्टन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद आई है, जिसमें एक मुस्लिम धर्मगुरु लाउडस्पीकर के माध्यम से दुकानदारों से शराब, सूअर का मांस या लॉटरी टिकट नहीं बेचने का आग्रह करते हुए दिख रहा है। गवर्नर ने इस घटना को उत्पीड़न बताया और कहा कि टेक्सास सार्वजनिक जीवन में धार्मिक आचार संहिता लागू करने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

एबॉट ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैंने टेक्सास में शरिया कानून पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। किसी भी व्यक्ति को ऐसे मूर्खों से डरना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, कोई भी शरिया थोपने का प्रयास करे तो इसकी सूचना कानून प्रवर्तन या टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग को दें। टेक्सास में औपचारिक शरिया प्रतिबंध नहीं है, लेकिन अमेरिकी अदालतों के लिए 2017 का अमेरिकी कानून विधेयक, अदालतों को किसी भी धार्मिक संहिता को लागू करने से रोकता है।

बॉलीवुड बनाम अंडरवर्ल्ड

निशाने पर सितारे

बॉलीवुड की अभिनेत्री दिशा पाटनी के आवास पर गोलीबारी की घटना कोई बहुत हैरतअंगेज घटना नहीं है। असल में, बॉलीवुड और अंडरवर्ल्ड के बीच दुश्मनी और दोस्ती की कहानी साथ-साथ चलती रही है जो 1970–1990 के दशक के बीच सबसे गहरी रही है। इस दौरान अंडरवर्ल्ड के सरगनाओं ने फिल्म इंडस्ट्री पर अपना प्रभाव जमाने की सबसे ज्यादा कोशिश की। कभी फाइनेंसिंग, सुरक्षा और पार्टियों में इन सरगनाओं की बॉलीवुड सितारों और निर्माताओं से नजदीकियां दिखाई दीं तो कभी धमकी, रंगदारी, हमले के रूप में दुश्मनी भी सामने आई। कुल मिलाकर, बॉलीवुड और अंडरवर्ल्ड का रिश्ता पैसा, पावर और ग्लैमर की त्रिकोणीय मजबूरी का परिणाम रहा है जहां सितारे कभी अपने फायदे के लिए तो कभी मजबूरी में उनके करीब आए।

रिश्ते की शुरुआत

- 1970–80 के दशक में बॉलीवुड फिल्मों के लिए फाइनेंस का बड़ा हिस्सा हवाला और अंडरवर्ल्ड जैसे अनौपचारिक स्रोतों से आता था।
- मुंबई के माफिया हाजी मस्तान, करीम लाला, वरदराजन मुदलियार फिल्मों के शौकीन थे। वे फिल्मी पार्टियों से शूटिंग सेट्स तक दिखते थे।

संबंधों की बुनियाद

- फाइनेंसिंग प्रमुख कारण थी। फिल्में लाभकारी निवेश के साथ काले धन को सफेद करने का भी जरिया बनीं।
- ग्लैमर और पावर का जरिया, अंडरवर्ल्ड के लोग सितारों की दोस्ती दिखाकर अपनी सोशल स्टेटस बढ़ाते थे।
- कुछ सितारे अंडरवर्ल्ड से दोस्ती इसलिए रखते थे ताकि वे धमकियों या हमलों से अपना बचाव कर सकें।
- फिल्मी सितारों के साथ रिश्ते दिखाकर अंडरवर्ल्ड के लोगों को ताकत का प्रदर्शन करने की चाहत।

धमकियों-हमलों की प्रमुख घटनाएं

- 1990 के दशक में दाऊद इब्राहिम और छोटा शकील के गुर्गों ने कई प्रोड्यूसर्स और एक्टर्स से रंगदारी मांगी।
- 1997 में टी-सीरीज के संस्थापक गुलशन कुमार की बहुचर्चित हत्या, उन्हें मुंबई के अंधेरी में गोली मार दी गई।
- 1998 में अंडरवर्ल्ड ने मनीषा कोईराला की मैनेजर अंजना शर्मा और 2000 में ऋतिक रोशन को धमकियां दीं।
- 2000 में फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर रंजीत शर्मा की हत्या, राकेश रोशन को गोली मारी, सुभाष गई पर भी हमला हुआ।

मौजूदा स्थिति

- वर्ष 2000 के बाद पुलिस और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दाऊद गिरोह पर शिकंजा कसने से कुछ दबाव कम हुआ है।
- फाइनेंसिंग अब कॉरपोरेट हाउस और ओटीटी प्लेटफॉर्म से होती हैं, इसलिए धमकी की घटनाएं घटी हैं।
- दाऊद गिरोह, छोटा शकील का नेटवर्क अब भी सक्रिय, नए उभरते गैंगस्टरों में पहचान बनाने की चाहत।

धमकियों के साये में

- सलमान खान कई वर्ष से लॉरेंस विश्नोई गैंग के टारगेट रहे हैं। पुलिस ने वाई प्लस सिक्योरिटी दे रखी है।
- शाहरुख खान को 2022 में पठान फिल्म की रिलीज से पहले अंडरवर्ल्ड ने धमकी देकर पैसों की मांग की।
- बड़े निर्माता होने के कारण करण जौहर को बार-बार धमकी मिलती हैं, उनसे कई बार रंगदारी मांगी गई है।
- गुलशन कुमार के बेटे भूषण कुमार भी अंडरवर्ल्ड की रडार पर है, उन्हें कई बार हत्या की धमकियां दी गई हैं।

अभिनेत्रियों के प्रेम संबंध

- अभिनेत्री मंदाकिनी का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ा। मंदाकिनी ने इसे सिर्फ दोस्ती बताया।
- 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री रहीं ममता कुलकर्णी ने ड्रग माफिया विकी गोस्वामी से शादी कर ली थी।
- अभिनेत्री मोनिका बेदी का रिश्ता अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम से चर्चित रहा, दोनों ने निकाह भी कर लिया था।

जम्मू-कश्मीर: घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों पर बंकर बना रहे हैं आतंकी

घरों में पनाह लेने के बजाय रणनीति बदलकर सेना के आगे पेश की नई चुनौती

श्रीनगर, एजेंसी

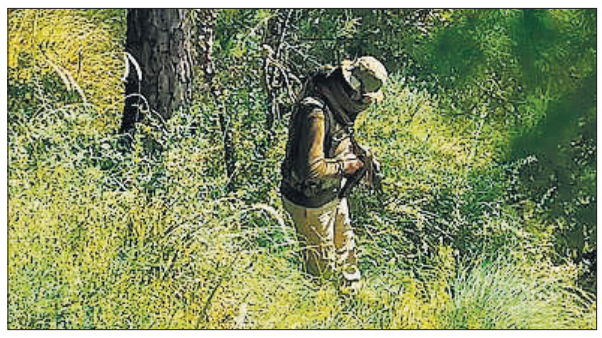

बंकरों की तलाश को ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार से लैस ड्रोन और भूकंपीय सेंसर के इस्तेमाल की योजना

इस नई चुनौती का सामना करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां तकनीकी समाधानों का सहारा लेने की योजना बना रही हैं और आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान 'ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार' (जीपीआर) से लैस ड्रोन और भूकंपीय सेंसर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही हैं। ड्रोन उन दुर्गम इलाकों तक पहुंच सकते हैं, जहां सामान्य रूप से पहुंचना कठिन है, जबकि 'जीपीआर' और भूकंपीय 'सेंसर' धरती के भीतर की खाली जगहों और संरचनात्मक बदलावों की पहचान कर सकते हैं, जिससे ऐसे भूमिगत बंकरों की सटीक जानकारी मिल सकती है। इस समय सुरक्षा बलों का प्राथमिक उद्देश्य इन जंगल क्षेत्रों में खुफिया तंत्र को मजबूत करना और इन नई तकनीकों की मदद से बचे हुए आतंकियों को निष्क्रिय करना है।

पहले भी सेना जूझ चुकी है इस चुनौती से

सेना को यानी 2020 से 2022 के बीच भी भूमिगत बंकरों और कृत्रिम सुरंगों से जूझना पड़ा था। राम्बी आरा की धारा के बीच में एक बंकर तैयार किया गया था, जो अक्सर जल स्तर में उतार-चढ़ाव और बाढ़ से प्रभावित रहता है। सैनिकों ने एक खाली तेल के इम का मुंह खुला हुआ देखा, जिसे बाद में आतंकियों ने बंकर में प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल किया। बंडपोह में भी एक बंकर मिला, जो ऊंचाई पर घने सेब के पेड़ों से ढका हुआ था। आतंकियों ने वहां भूमिगत एक कमरा तैयार कर लिया था। बंकर का पता तब चला जब जवानों ने देखा कि एक पॉलीथिन शीट जमीन पर बिछी है और उसके आसपास की मिट्टी हाल ही में भरी गई है। शोपियां के लाबिपुरा में नदी के किनारे एक लोहे के बक्से को ढक दिया और जमीन के नीचे छिपते हुए सांस लेने के लिए एक छोटी पाइप लगा दी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी संगठनों ने अपनी रणनीति बदलते हुए अब स्थानीय घरों में पनाह लेने की बजाय घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भूमिगत बंकर बनाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समर्थन में कमी के कारण आतंकवादी संगठनों की रणनीति में यह बदलाव सेना और अन्य सुरक्षा बलों के लिए एक नई चुनौती प्रस्तुत करता है।

पिछले सप्ताह कुलगाम जिले के ऊपरी क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ के दौरान इसका पता चला, जहां दो आतंकवादी मारे गए थे। जैसे-जैसे अभियान आगे बढ़ा, सुरक्षा बलों को एक गुप्त सुरंग मिली, जिसमें राशन, छोटे गैस स्टोव, प्रेशर कुकर, साथ ही हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि यह प्रवृत्ति कुलगाम और शोपियां जिलों के साथ-साथ जम्मू क्षेत्र में पीर पंजाल के दक्षिण में व्यापक हो गई है, जहां घने जंगल आतंकवादियों के लिए आदर्श छिपने की जगह उपलब्ध कराते हैं। भले ही सुरक्षा कर्मियों ने इनमें से कुछ नए ठिकानों का पता लगाने में सफलता प्राप्त कर ली है, लेकिन अधिकारियों की चिंता बढ़ती जा रही है, विशेषकर खुफिया जानकारी मिलने के बाद कि आतंकवादियों को ऊंची और मध्य पहाड़ियों में रहने तथा सीमा पार से निर्देश मिलने पर हमले करने के लिए कहा गया है।

सेना की उत्तरी कमान के पूर्व प्रमुख और 2016 की सफल सर्जिकल स्ट्राइक का नेतृत्व कर चुके सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डी एस हुड्डा ने कहा कि ऊंचाई वाले इन खाइयों और बंकरों की रणनीति 1990 और शुरुआती 2000 के दशक में अपनाई गई आतंकवादी रणनीति की याद दिलाती है। लेफ्टिनेंट जनरल हुड्डा ने यह भी कहा कि मानव स्रोतों से मिलने वाली खुफिया सूचनाओं का अभाव बड़ी समस्या बनकर उभरा है। फिर भी, उनका मानना है कि सेना नई चुनौती से निपटने के लिए अपनी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करेगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस में तीन दशक तक सेवा दे चुके पुडुचेरी पुलिस के पूर्व महानिदेशक बी श्रीनिवास ने भी इस आकलन से सहमति जताई। कहा कि आतंकी अब कस्बों और गांवों में शरण नहीं ले पा रहे हैं, इसलिए वे इन बंकरों का निर्माण करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों द्वारा अलगाववादी विचारधारा से दूरी बनाए जाने के कारण अब घुसपैठिए आतंकी इन गुप्त सुरंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि स्थानीय लोगों की नजरों से बच सकें।

लंदनः यूनाइट द किंगडम रैली में एक लाख लोग हुए शामिल

लंदन। लंदन में आव्रजन विरोधी रैली में शनिवार को एक लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन द्वारा आहूत इस रैली में सड़कों पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ उमड़ पड़ी।

इस रैली को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा का आह्वान बताया गया, लेकिन इस दौरान आव्रजन का मुद्दा छाया रहा। प्रदर्शनकारियों ने बार-बार 'हमें अपना देश वापस चाहिए' जैसे नारे लगाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प होने की भी खबरें आईं। रॉबिन्सन यूके में एक प्रमुख दक्षिणपंथी नेता हैं और इंग्लिश डिफेंस लीग का नेतृत्व करते हैं।

उत्तरी गाजा में तेज होते हमलों के बीच इजराइल पहुंचे रूबियो

यरुशलम, एजेंसी

- अलग-थलग पड़ते इजराइल के प्रति अमेरिकी समर्थन का प्रदर्शन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो रविवार को इजराइल पहुंचे। इस बीच, इजराइल ने उत्तरी गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं, जिससे एक और ऊंची इमारत ध्वस्त हो गई तथा कम से कम 12 फलस्तीनी मारे गए।

रुबियो ने यात्रा से पहले कहा कि वह इजराइली अधिकारियों से इस बारे में जवाब मांगेंगे कि पिछले सप्ताह कतर में हमास के सदस्यों पर इजराइल के हमले के बाद गाजा में आगे का रास्ता वे किस प्रकार देखते हैं। उनकी दो-दिवसीय यात्रा तेजी से अलग-थलग पड़ रहे इजराइल के प्रति समर्थन का भी प्रदर्शन है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन राष्ट्र के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता पर विवादास्पद बहस होने की उम्मीद है।

इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने सबंधी किसी भी संभावित कदम का कड़ा विरोध करते रहे हैं। रुबियो की यात्रा दोहा में हमास नेताओं पर इजराइली हमले को लेकर नेतन्याहू पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुस्से के बावजूद हो रही है। ट्रंप ने कहा था कि इजराइल ने हमले को लेकर उन्हें पहले सूचित नहीं किया। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, रविवार को गाजा में इजराइल के हमलों में 13 फलस्तीनी मारे गए।

जेन जी आंदोलन में मारे गए लोग शहीद परिवारों को मिलेंगे 10-10 लाख रुपये

काठमांडू, एजेंसी

- नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पदभार लेने के बाद की घोषणा
- हिंसा में शामिल लोगों को कानूनी कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा

नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के पदभार लेने के बाद अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर में हिंसा और विनाश में शामिल रहे लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। कार्की ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे काठमांडू के सिंह दरबार सचिवालय में नवनिर्मित गृह मंत्रालय भवन में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जेन जी प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों को 'शहीद' घोषित किया जाएगा और उनके परिजनों को दस लाख नेपाली रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने जेन जी समूह की सिफारिश पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। इस समूह ने दो-दिवसीय विरोध प्रदर्शन कर मंगलवार को केपी शर्मा ओली सरकार को उखाड़ फेंका था। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद सचिवों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि हिंसा और सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति के विनाश में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नौ सितंबर के विरोध के दौरान आगजनी तथा तोड़फोड़ सुनियोजित थी और जेन जी प्रदर्शनकारी ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं थे।

कार्की ने कहा, जिस तरह की आगजनी और तोड़फोड़ हुई है, वह एक आपराधिक कृत्य है। इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सज़ा मिलनी चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल को देश भर में नष्ट हुईं पुलिस चौकियों की मरम्मत का प्रबंध करने का भी निर्देश दिया। चूंकि दो-दिवसीय आंदोलन के दौरान सिंह दरबार सचिवालय स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में आग लगा दी गई थी, इसलिए सिंह दरबार परिसर में गृह मंत्रालय के लिए नवनिर्मित भवन का उपयोग प्रधानमंत्री कार्यालय के रूप में किया जाएगा।

सबिता भंडारी बनीं पहली महिला अटॉर्नी जनरल

काठमांडू। वरिष्ठ अधिवक्ता सबिता भंडारी को रविवार को नेपाल सरकार का अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया। वह इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर भंडारी को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया। भंडारी अब नेपाल की पहली महिला अटॉर्नी जनरल बन गई हैं। वह राष्ट्रीय सूचना आयोग की पूर्व सूचना आयुक्त भी हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति पौडेल ने अटॉर्नी जनरल के पद से रमेश बादल के इस्तीफे को मंजूरी दे दी। सरकार बदलने के बाद अटॉर्नी जनरल का इस्तीफा देना एक सामान्य प्रक्रिया है।

यूक्रेन का रूस की शीर्ष तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

मॉस्को, एजेंसी

- विस्फोट के साथ रिफाइनरी में लगी भीषण आग

यूक्रेन ने शनिवार रात रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर भीषण ड्रोन हमला किया, जिससे आग लग गई। रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित किरिशी रिफ़ाइनरी पर बीती रात हुए इस हमले से हफ्तों पहले भी यूक्रेन ने रूसी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया था।

रूस की प्रमुख तेल कंपनी सर्गुतनेफ्तेगास द्वारा संचालित संबंधित प्रतिष्ठान हर वर्ष लगभग 1.77 करोड़ मीट्रिक टन अर्थात प्रतिदिन 3,55,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है। रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत किए जाने के तीन साल से भी ज्यादा समय बाद ड्रोन दोनों पक्षों के लिए एक अहम हथियार बनकर उभरे हैं। बुधवार को कई रूसी ड्रोन पोलैंड में घुस गए थे, जिसके बाद नाटो ने उन्हें मार गिराने के लिए लड़ाकू विमान भेजे। इससे लंबे समय से चली आ रही इस चिंता को और बल मिला कि यह लड़ाई यूक्रेन की सीमाओं से आगे भी फैल सकती है।

यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, घटनास्थल पर विस्फोट और आग लगने की सूचना मिली है। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें रात के समय आसमान में आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दिखाई देता है। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज़्डेंको ने बताया कि किरिशी इलाके में रात भर में तीन ड्रोन गिराए गए, जिसके मलबे से प्रतिष्ठान में आग लग गई। उन्होंने कहा कि कोई हताहत नहीं हुआ और आग बुझा दी गई।

रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रूस अधिकृत क्रीमिया और निकटवर्ती आज़ोव सागर के ऊपर रात भर में 80 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक बना हुआ है, लेकिन मांग में वृद्धि और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण हाल के सप्ताहों में गैसोलीन की कमी हो गई है। देश के कुछ क्षेत्रों में स्टेशनों पर ईंधन की कमी हो गई है और वाहन चालकों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। इस कमी को कम करने के प्रयास में, रूस ने गैसोलीन के निर्यात पर रोक लगा दी है।

पाकिस्तान में मंदिर की जमीन पर किया गया अवैध कब्जा

लाहौर। बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक शीर्ष नौकरशाह के इशारे पर एक मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है। यह सनातन धर्म मंदिर लाहौर से लगभग 250 किमी दूर भलवाल में स्थित है। पीपीपी के वरिष्ठ नेता नदीम अफजल चान ने 'एक्स' पर साझा एक वीडियो में आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्य सचिव जाहिद अख्तर जमां के इशारे पर भलवाल में मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 सितंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 16 सितंबर 01.31 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

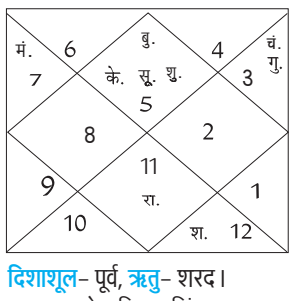

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 07.31 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज परिवार के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। किसी की भी झूठी प्रशंसा न करें। आपके अधिकतर काम थोड़ी धीमी गति से होंगे। कफ और सूखी खांसी जैसी समस्या हो सकती है। अपनी योजनाओं को फिलहाल गुप्त रखें।

वृष — आज व्यापार में नए सौदे हो सकते हैं। दूसरों की बातों पर अधिक ध्यान न दें। नई तकनीक के प्रयोग को लेकर विचार करेंगे। आपको पदोन्नति मिलने के योग बन रहे हैं। आपके सामाजिक स्तर में सुधार होगा।

मिथुन — आज दैनिक दिनचर्या को संतुलित रखने का प्रयास करें। मन में परोपकार की भावना रहेगी। परिजन आपकी आदतों से परेशान होंगे। आपके मन में किसी कारणवश रोष उत्पन्न हो सकता है। आपको व्यायाम अवश्य करना चाहिए।

कर्क — आज अपने काम की गुणवत्ता को कम न होने दें। अपने लक्ष्यों के प्रति थोड़े उदासीन हो सकते हैं। बातचीत के द्वारा समस्याओं का समाधान कर लेंगे। आपको लोगों की सलाह पर सीधे विश्वास करने से बचना चाहिए।

सिंह — आज कई दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। अधीनस्थ कर्मचारियों से आपको काफी अच्छा लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन बनाकर रखें। मनोरंजन के संसाधनों पर धन खर्च करेंगे। दांपत्य जीवन की कलह दूर होगी।

कन्या — आज परोपकार की भावना आपके मन में प्रबल रहेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यधिक एकाग्र रहेंगे। आपकी मानसिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहने वाली है। संपत्ति को बेचने के प्रयास सफल होंगे। भविष्य को लेकर बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं।

तुला — आज किसी नजदीकी व्यक्ति की सहायता करनी पड़ेगी। सार्वजनिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के योग बन रहे हैं। नए व्यापार को लेकर उत्साह में रहेंगे। छात्रों को करियर में शानदार परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक — आज आप शत्रुओं को पराजित कर सकते हैं। धार्मिक विचारों का आपके ऊपर अत्यधिक प्रभाव रहेगा। बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता में वृद्धि होगी। रुका हुआ धन कठिनाई से प्राप्त होगा। लंबे समय तक आपको निवेश नहीं करना चाहिए।

धनु — आज विदेश में जॉब कर रहे लोगों का वेतन बढ़ सकता है। परिवार के लोगों की सेहत अच्छी रहेगी। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में मधुरता होगी। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। जीवन में सकारात्मकता का अनुभव होगा।

मकर — आज पुराने झंझटों से आपको परेशानी होगी। माता-पिता आपकी मेहनत से प्रसन्न रहेंगे। अहंकारी व्यक्ति से आपको बात नहीं करनी चाहिये। दूसरों पर किसी भी प्रकार का दबाव न डालें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

कुंभ — आज आपको सहयोगियों से संबंध अच्छे रखने चाहिए। अपने मन को शांत रखें। योग्य व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उच्च शिक्षा में आ रही बाधा दूर होगी। लेखन और चिंतन-मनन में समय व्यतीत करेंगे। भाई-बंधुओं के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार रखें।

मीन — आज शेयर मार्केट से आपको लाभ मिलेगा। आपके मन में रचनात्मक विचार आएंगे। व्यवसाय में आपकी साख बढ़ेगी। परिजन आपकी आदतों से प्रसन्न रहेंगे। जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी। बच्चों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-100

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7		4		2				3
	6					2		
2					9			7
	2			7				8
4		7				1		
			6	1			9	
			5			6		9
		9					8	
1				9		4		5

सुडोकू - 99 का हल

1	4	7	5	2	9	6	3	8
5	3	9	1	8	6	4	2	7
6	8	2	4	7	3	5	1	9
8	1	6	7	9	4	3	5	2
3	7	4	2	5	1	9	8	6
9	2	5	3	6	8	7	4	1
2	5	8	6	4	7	1	9	3
7	9	3	8	1	5	2	6	4
4	6	1	9	3	2	8	7	5

लिवरपूल में 2025 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में मीनाक्षी के शानदार प्रदर्शन पर हमें गर्व है। उन्होंने 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। उनकी सफलता और दृढ़ संकल्प भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक है।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार, 15 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जापान की युमी तनाका 100 मीटर बाधा दौड़ में प्रतिस्पर्धा करती हुईं।

मध्य क्षेत्र दलीप ट्रॉफी जीतने के करीब

बेंगलुरु : दक्षिण क्षेत्र के अंकित शर्मा और आंद्रे सिद्धार्थ ने रक्षात्मक बल्लेबाजी का बेहतरीन नमूना पेश किया, लेकिन मध्य क्षेत्र 11 साल में पहली बार दलीप ट्रॉफी खिताब जीतने के करीब है जिसे पांचवें और आखिरी दिन जीत के लिए सिर्फ 65 रन की जरूरत है। अपने कल के स्कोर दो विकेट पर 129 रन से आगे खेलते हुए दक्षिण ने पहले सत्र में 120 रन जोड़े लेकिन चार विकेट भी गंवाए। उसकी दूसरी पारी 426 रन पर खत्म हो गई। दक्षिण क्षेत्र के पास सिर्फ 64 रन की बढ़त है और पांचवें दिन मध्य क्षेत्र के लिए जीत बस औपचारिकता मात्र लग रही है।

विश्व कुश्ती में अमन अयोग्य घोषित

नई दिल्ली : विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भाग ले रही भारतीय टीम को रविवार को तब करारा झटका लगा जब ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को अधिक वजन पाए जाने के बाद जाग्रेब में चल रही प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अमन का वजन पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा स्पर्धा से पहले वजन के दौरान 1.7 किग्रा अधिक पाया गया।

भारतीय धुरंधरों के सामने संभल नहीं पाई पाकिस्तानी टीम, सात विकेट से हराया

बेहद खराब बल्लेबाजी रही पाकिस्तान की, कुलदीप ने झटके तीन विकेट, सूर्य कुमार यादव ने बनाए 47 रन

दुबई, एजेंसी

कुलदीप यादव (तीन विकेट), जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान सूर्य कुमार यादव (नाबाद 47) अभिषेक शर्मा (31), तिलक वर्मा (31) की बदौलत भारत ने रविवार को एशिया कप के छठे मुकाबले में 25 गेंदे शेष रहते पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया।

128 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में 22 रन जोड़े। दूसरे सैम अयूब ने शुभमन गिल सात गेंदों में 10 रन को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद चौथे ओवर में सैम अयूब ने अभिषेक शर्मा को आउटकर भारत के रनों की रफ्तार को कम करने का प्रयास किया। अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली । इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्य कुमार यादव और तिलक वर्मा की जोड़ी ने संभलकर खेलते हुए तेजी के साथ रन बटोरे।

इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। 13वें ओवर में सैम अयूब ने तिलक वर्मा (31) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। भारत ने 15.5 ओवरों में तीन विकेट पर 131 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। सूर्यकुमार यादव ने 37 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 47 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने नाबाद 10 रन बनाये। सूर्य कुमार यादव ने भारत के लिए विजयी छक्का लगाया। पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब ने तीन विकेट लिये। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र छह रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। सैम अयूब को पहले ही ओवर में हार्दिक पांड्या ने आउट किया। मोहम्मद हारिस (तीन) का जसप्रीत बुमराह ने शिकार किया। इसके बाद फखर जमान ने साहिबजादा फरहान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 39रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में अक्षर पटेल ने फखर जमान (17) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। कप्तान आगा सलामान (तीन) को भी अक्षर पटेल ने आउट किया।

13वें ओवर में कुलदीप यादव ने हसन नवाज (पांच) और मोहम्मद नवाज (शून्य) को आउटकर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। इस दौरान एक छोर थामे साहिबजादा फरहान रन बनाते रहे।

17वें ओवर में कुलदीप ने फरहान को हार्दिक के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। फरहान ने 44 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुए 40 रन बनाये। वरूण चक्रवर्ती ने फहीम अशरफ (11) को आउट किया। सुफियान मकीम (10) को बुमराह ने बोल्ड आउट किया। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 127 रन का स्कोर खड़ा किया। शाहीन शाह अफरीदी 16 गेंदों में 33 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी इस पारी में चार छक्के लगाये। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लिये। अक्षर पटेल ने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह को दो विकेट मिले। वरूण चक्रवर्ती और हार्दिक पांड्या ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा पाकिस्तान के खिलाफ शॉट लगाते हुए। एजेंसी

पाकिस्तान

127/9 (20 ओवर)

सईम अयूब का बुमराह बो पंड्या	00
फरहान का पंड्या बो कुलदीप	40
हारिस का पंड्या बो बुमराह	03
फखर जमां का वर्मा बो पटेल	17
आगा का अभिषेक बो पटेल	03
हसन नवाज का पटेल बो कुलदीप	05
मो. नवाज पगबाधा बो कुलदीप	00
फहीम अशरफ पगबाधा बो वरुण	11
शाहीन शाह अफरीदी नाबाद	33
सूफियान मुकीम बो बुमराह	10
अबरार अहमद नाबाद	00

गेंदबाजी : पंड्या 3-0-34-1, बुमराह 4-0-28-2, वरुण 4-0-24-1, कुलदीप 4-0-18-3, पटेल 4-0-18-2, अभिषेक 1-0-5-0

भारत

131/3 (15.5 ओवर)

अभिषेक का अशरफ बो अयूब	31
शुभमन गिल का हारिस बो अयूब	10
सूर्यकुमार यादव नाबाद	47
तिलक वर्मा बो अयूब	31
शिवम दुबे नाबाद	10

गेंदबाजी : अफरीदी 2-0-23-0, अयूब 4-0-35-3, अहमद 4-0-16-0, नवाज 3-0-27-0, मुकीम 2.5-0-29-0

आज के मैच

टीम	समय
1.यूएई बनाम ओमान	शाम 5:30 बजे
2.हांगकांग बनाम श्रीलंका	रात 8 बजे

ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड शॉट लगाती हुईं। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को हराया

चंडीगढ़, एजेंसी

- **तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई**
- **भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 281 रन बनाए**
- **ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया लक्ष्य**

गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद फीबी लिचफील्ड (88), बेथ मूनी (नाबाद 77), ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 54) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को 35 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

282 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के लिए कप्तान अलिसा हीली और फीबी लिचफील्ड की सलामी जोड़ी ने 45 रन जोड़े। सातवें ओवर में क्रांति गौड़ ने अलिसा हीली (27) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। एलिस पेरी 30 रन पर रिटायर हर्ट हुई। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट फीबी लिचफील्ड के रूप में गिरा। फीबी लिचफील्ड ने 80 गेंदों में 14 चौकों लगाते हुए 88 रन बनाये। बेथ मूनी और ऐनाबेल सदरलैंड शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 44.1 ओवर में दो विकेट पर 282 रन बनाकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दोनों बल्लेबाजों के बीच 116 रनों की अविजित साझेदारी हुई। बेथ मूनी ने 74 गेंदों में (नाबाद 77), ऐनाबेल सदरलैंड ने 51 गेंदों में (नाबाद 54) रनों की पारी खेली। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और स्नेह राणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम के लिए प्रतीका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की। 22वें ओवर में फीबी लिचफील्ड ने स्मृति मंधाना को रनआउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। मंधाना ने 58 रनों की पारी खेली।

तिलक वर्मा और पाटीदार करेंगे भारत ए की कप्तानी

मुंबई, एजेंसी

रजत पाटीदार और तिलक वर्मा को 30 सितंबर से कानपुर में शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए कप्तान बनाया गया है।

पाटीदार ग्रीन पार्क स्टेडियम में होने वाले पहले मैच में टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक 3 और 5 अक्टूबर को होने वाले दूसरे और तीसरे मैच में कप्तानी संभालेंगे, जबकि पाटीदार उनके उप-कप्तान होंगे।

पहले वनडे के लिए, पाटीदार के साथ विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह और अभिषेक पोरेल के साथ-साथ रियान पराग, आयुष बदौनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, प्रियांश आर्य, रवि बिश्नोई, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह और सिमरजीत सिंह शामिल होंगे। 28 सितंबर को एशिया कप के समापन के साथ, वर्मा आखिरी दो मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे।

कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय : 30 सितंबर, कानपुर, दोपहर 1:30 बजे

दूसरा एकदिवसीय : 3 अक्टूबर, कानपुर, दोपहर 1:30 बजे

तीसरा एकदिवसीय : 5 अक्टूबर, कानपुर, दोपहर 1:30 बजे

टीम

पहले वनडे के लिए : रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए : तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की एशिया कप में रजत पदक जीतने के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में जश्न मनाती हुई। एजेंसी

एशिया कप फाइनल में चीन से हारी महिला हॉकी टीम

हांगझोउ, एजेंसी

- **विश्व कप में सीधे प्रवेश का मौका गंवाया**

एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद आखिरी क्वार्टर में लय खोने वाली भारतीय टीम दुनिया की चौथे नंबर की टीम चीन से महिला एशिया कप हॉकी फाइनल में रविवार को 1-4 से हारकर अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने से भी चूक गई।

विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम के पास अगले साल अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने का यह सुनहरा मौका था। भारत ने आक्रामक शुरुआत करके पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर के गोल के दम पर बढ़त बना ली। चीन को इसके बाद लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। दूसरे क्वार्टर में 21वें मिनट में जिशिया यू ने चीन के लिये बराबरी का गोल दागा। वहीं 41वें मिनट में होंग ली ने गोल करके चीन को बढत दिलाई। आखिरी क्वार्टर में मेइरोंग जू ने 51वें मिनट में तीसरा और जियाकी झोंग ने 53वें मिनट में चौथा गोल दागकर चीन को तीसरा एशिया कप खिताब और विश्व कप में जगह दिलाई। भारत की शुरुआत आक्रामक रही और 39वें सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर से नवनीत ने गोल कर दिया था। भारत को अब विश्व कप में जगह बनाने के लिये क्वालीफायर खेलने होंगे।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जैसमीन और मीनाक्षी को खिताब

लिवरपूल, एजेंसी

- **भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार पदक जीते**

भारतीय मुक्केबाजों जैसमीन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा) ने अपना नाम इतिहास में दर्ज कराते हुए यहां विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कड़े मुकाबलों में अपने-अपने वर्ग में खिताब जीते जबकि भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए।

जैसमीन ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग में चैम्पियन बन गई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किग्रा के फाइनल में शनिवार को देर रात 4 . 1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत दर्ज की। जैसमीन ने पीटीआई से कहा मैं जो महसूस कर रही हूं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मैं पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में हार गई थी लेकिन विश्व कप जीत से मेरा हौसला बढ़ा और मैंने तय किया कि मुझे एकतरफा मैच जीतने हैं। मैंने बस अपनी रणनीति और खेल पर ध्यान केंद्रित किया।

जैसमीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा।

पदार्पण कर रही मीनाक्षी ने रविवार को जैसमीन की उपलब्धि को दोहराते हुए पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में 4-1 से हराकर जुलाई में विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता किया। नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

भारत ने प्रतियोगिता में चार पदक जीते जो विदेशी सरजमीं पर उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इस जीत के साथ जैसमीन और मीनाक्षी विश्व चैम्पियन बनने वाली भारतीय मुक्केबाजों की सूची में शामिल हो गई हैं। तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 24 वर्षीय जैसमीन ने मुकाबले में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। शुरू में दोनों मुक्केबाज़ एक-दूसरे को परख रही थीं लेकिन रेफरी के उकसावे पर जेरेमेटा ने पहला वार किया। ओलंपिक फ़ाइनल में लिन यू-टिंग से हारने वाली पोलैंड की यह मुक्केबाज़ तेज़ और सटीक थी और रक्षात्मक रणनीति का इस्तेमाल करते हुए तेज़ी से अंदर-बाहर हो रही थी।

सात्विक-चिराग व लक्ष्य ने मौका गंवाया

हांगकांग, एजेंसी

भारत ने दो खिताब जीतने का सुनहरा मौका गंवा दिया, जब सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल टीम और लक्ष्य सेन को रविवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार के साथ उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

लक्ष्य दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग की चुनौती के सामने बिल्कुल भी नहीं टिक पाए और उन्हें पुरुष एकल के एकतरफा फाइनल में 15-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। पिछले महीने लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी को पहला गेम जीतने के बावजूद 61 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण फाइनल में ओलंपिक रजत पदक विजेता लियांग वेई केंग और वैंग चैंग की चीन की दुनिया की छठे नंबर की जोड़ी के खिलाफ 21-19 14-21 17-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

लक्ष्य सेन व चिराग शेट्टी-सात्विक साईराज रंकीरेड्डी।

- **हांगकांग ओपन के फाइनल में चीन से मिली पराजय**

पिछले साल नवंबर में सैयद मोदी सुपर 300 के बाद पहली बार फाइनल में खेल रहे लक्ष्य अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वी ली को टक्कर नहीं पाए। जिनके खिलाफ वह जूनियर दिनों से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता में 14वीं बार खेल रहे थे। भारतीय खिलाड़ी को अब तक 7-6 के जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीनी खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में ऑल इंग्लैंड और चीन ओपन दोनों में उन्हें हराकर दबदबा बनाया था। लक्ष्य ने शुरुआत में तेज शुरुआत करते हुए बढ़त हासिल की।

कुशारे ने ऊंची कूद के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

टोक्यो : सर्वेश अनिल कुशारे रविवार को यहां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊंची कूद के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बन गए, जबकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी गुलवीर सिंह 10,000 मीटर रेस में निराशाजनक प्रदर्शन से 16वें स्थान पर रहे।

विश्व रैंकिंग कोटा से 36 प्रतिस्पर्धी एथलीटों में 34वें स्थान पर रहते हुए इस प्रतियोगिता में जगह बनाने वाले 30 वर्षीय कुशारे क्वालीफिकेशन राउंड के ग्रुप बी में 2.25 मीटर की छलांग लगाकर संयुक्त सातवें स्थान पर रहे। वह दोनों ग्रुप की समग्र रैंकिंग में संयुक्त नौवें स्थान पर रहे। 2.30 मीटर के क्वालीफाइंग मानक या कम से कम सर्वश्रेष्ठ 12 में जगह बनाने वाले एथलीट मंगलवार को होने वाले अंतिम दौर में पहुंच गए। कुशारे का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 मीटर है।

डेविस कप | **स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत कई मायनों में रखती है बेहद महत्व**

भारतीय टेनिस में बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार भारतीय टेनिस के लिए जश्न मनाने का मौका आ ही गया। स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेविस कप में जीत भारत के लिए कई मायनों में बेहद महत्व रखती है।

यह पिछले 32 वर्षों में पहला अवसर है जबकि भारत ने किसी यूरोपीय देश को उसी की धरती पर हराया। इसलिए यह जीत वाकई जश्न मनाने लायक है। बील में हुए इस इनडोर मुकाबले का परिणाम अच्छी योजना, साहसिक फैसला और खिलाड़ियों के निडर प्रदर्शन के कारण भारत के पक्ष में रहा। लेकिन सबसे बड़ा सवाल जो मन में बार-बार आता है, वो ये है कि क्या भारतीय टेनिस प्रणाली वाकई इस जीत का दावा कर सकती है?

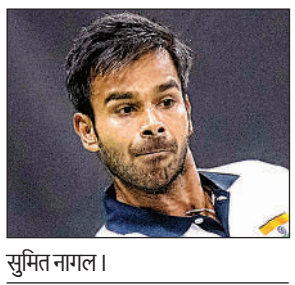

सुमित नागल।

जवाब है : आंशिक रूप से।

आखिरकार, व्यवस्था तीन युगल विशेषज्ञ खिलाड़ियों सहित एक बड़ी टीम को बील भेजने के लिए उत्सुक नहीं थी। इसके बजाय टीम की तैयारी में कोई योगदान नहीं देने वाले अधिकारी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर देश की सैर करने के लिए निकल गए। कप्तान रोहित राजपाल को यह सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट के बाहर कड़ी मशक्कत करनी पड़ी कि भारत की टीम में पर्याप्त खिलाड़ी मौजूद रहें। ऐसा इसलिए किया गया ताकि ज़रूरत पड़ने पर भारत के पास एक आदर्श विकल्प मौजूद रहे। इसकी ज़रूरत तब पड़ी जब युकी भांबरी पैर की चोट के कारण बाहर हो गए। उचित योजना के चलते, भारत ने ऋत्विक बोलिपल्ली को एन श्रीराम बालाजी के साथ युगल मुकाबले के लिए तैयार कर लिया। ये अलग बात है कि भारत युगल मुकाबले में जीत हासिल नहीं कर पाया लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी चुनौती पेश की।

भारत अगर स्विट्जरलैंड को हराने में सफल रहा तो इसका पूरा श्रेय टीम प्रबंधन को जाता है। भारत की जीत की कुंजी एकल खिलाड़ियों का आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन रहा। दक्षिणेश्वर सुरेश और सुमित नागल ने तीन मैच जीते।

दक्षिणेश्वर को लाने का फैसला सही रहा

उच्च रैंकिंग वाले आर्यन शाह या करण सिंह की बजाय रिजर्व खिलाड़ी दक्षिणेश्वर को मैदान में उतारना एक रणनीतिक निर्णय था। राजपाल को प्रशिक्षण सप्ताह के दौरान यह अहसास हुआ कि दक्षिणेश्वर अपनी अच्छी सर्विस और दमदार शॉट के दम पर अपने साथियों को हरा रहे हैं। उन्होंने यह देखकर नागल के साथ एकल में उन्हें उतारने का फैसला लिया जो आखिर में सही साबित हुआ। मुद्दा यह है कि दक्षिणेश्वर की प्रगति में उनकी कड़ी मेहनत और उनके टेनिस सफ़र में कुछ लोगों के व्यक्तिगत प्रयासों का ज्यादा योगदान है। कोई आधिकारिक व्यवस्था नहीं थी जिसने उन्हें आगे बढ़ाने में मदद की हो।